CMYK

news@group5.in | group5news | group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

www.group5news.com/epaper

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

लखनऊ || शुक्रवार || 11 अप्रैल , 2025

वर्षः 17 || अंक : 112 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें
» 08 आज चेन्नई को करना होगा कोलकाता की...
» 07 रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो और 80एक्स को
» 11 मैंने अपनी किस्मत और कामयाबी खुद...

'सुप्रीम' निर्देश, पैक्ड फूड पर वार्निंग लेबल दिया जाए

● कहा-केंद्र तीन महीने के अंदर लेबलिंग का नियम बनाए ● कितना शुगर और कितना हानिकारक फैट स्पष्टता से लिखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर पैक्ड फूड पर चेतावनी वाली लेबलिंग को लेकर नए नियम बनाए। कोर्ट ने ये आदेश एक पीआईएल पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें मांग की गई थी कि हर पैक्ड खाने की चीज पर फ्रंट पर साफ चेतावनी दी जाए। इससे लोग यह जान सकें कि उस चीज में कितना शुगर, नमक या हानिकारक फैट है। केंद्र ने कहा- एक्सपर्ट कमेटी सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि 14 हजार से ज्यादा सुझाव और रिपोर्ट्स इस मुद्दे पर आ चुकी हैं। इसके लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है जो इन सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी। कोर्ट ने

आदेश दिया कि यह समिति जल्दी से जल्दी रिपोर्ट तैयार करे ताकि उसी आधार पर लेबलिंग नियमों में संशोधन किया जा सके। एजेंसी ने चेताया था- पैकेज्ड फूड पर लगे लेबल के दावे भ्रामक हो सकते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर के तहत हैदराबाद बेस्ड नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइन जारी की है। एजेंसी ने कहा, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सख्त मानदंड हैं, लेकिन लेबल पर दी गई जानकारी भ्रामक हो सकती है। कुछ उदाहरण देते हुए एजेंसी ने कहा कि किसी फूड प्रोडक्ट को नेचुरल कहा जा सकता है, यदि इसमें एडेड कलर्स और आर्टिफिशियल सब्सटेंसेस नहीं मिलाए गए हैं।

कर्नाटक में एक घर में मिला 500 के नोटों का जखीरा

असली-नकली करेंसी की जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में उत्तर कन्नड़ पुलिस के साथ अजीबोगरीब वाकया हुआ। पुलिस ने एक गोपनीय सूचना पर दांडेली के गांधीनगर इलाके में मकान के बंद किराए में छापा मारा, तो पुलिस को मौके पर 500 के नोटों का एक बड़ा जखीरा मिला। वहां पर एक नोटों की गिनती की वाली मशीन भी मिली, लेकिन अगले ही पल जब पुलिस ने इन नोटों को गौर से देखा तो पता चला कि इन पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जगह पर रिवर्स बैंक ऑफ इंडिया लिखा हुआ था। नोट के नंबर के

स्थान पर जीरो अंकित था। आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर भी नहीं थे। कर्नाटक पुलिस ने देखा कि इन नोटों पर लिखा हुआ था सिर्फ मूवी शूटिंग के लिए। इसके बाद पुलिस का समय आया है ये फिल्म शूटिंग में इस्तेमाल होने वाले प्रॉप्स हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई मकान मालिक के सूचना देने पर की थी। जानकारी के अनुसार घर की मालकिन नूरजन झुंझुवाडकर ने पुलिस को बताया कि उनका किराएदार अरशद खान एक महीने से गायब है। अरशद खान गोवा में बताया जा रहा है। नूरजन ने ही पुलिस को इस बारे में जानकारी दी थी।

चुराचांदपुर में दो जनजातियों के बीच बढ़ा विवाद

मणिपुर में विवादित जगह पर सामुदायिक झंडा फहराने से तनाव

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो जनजातियों के बीच हुए विवाद की वजह से बुधवार को 17 अप्रैल तक कर्फ्यू लगाया गया। जोमी और हमार जनजाति के बीच मंगलवार को विवादित जगह पर अपने-अपने समुदाय के झंडे फहराने को लेकर तनाव पैदा हो गया था। यह विवादित जगह वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच है। वी मुनहोइह और रेंगकाई के साथ ही कांगवाई, समुलामलान

और संगाइकोट में भी कर्फ्यू लगाया गया है। हालांकि, इन इलाकों में सुबह 6 बजे से 5 बजे शाम तक कर्फ्यू में छूट दी गई है। बुधवार को कलेक्टर ने दोनों गांवों के लोगों की बैठक ली। इस दौरान दोनों समुदायों ने कहा कि यह विवाद जातीय नहीं जमीन का है। बैठक में लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहें न फैलाने की अपील की गई। इससे पहले दोनों जनजातियों के बीच 18 मार्च को झंडा हटाने को लेकर हिंसा हुई थी। इस हिंसा में हमार जनजाति के रोपुई पाकुमटे नामक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। पिछले 16 मार्च को रविवार को अज्ञात लोगों ने हमला किया था।

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड 'तहव्वुर' लाया गया भारत

● एनआईए की टीम लेकर पहुंची ● राणा तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा दिल्ली पहुंच चुका है। तहव्वुर राणा को अमेरिका से एनआईए की 7 सदस्यीय टीम दिल्ली लेकर पहुंची है। दिल्ली एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वह यहां पहुंचा। तहव्वुर राणा का मेडिकल कराया जाएगा और फिर एनआईए उसे कोर्ट में पेश करेगी। राणा को अमेरिका से भारत लाए जाने के बाद तिहाड़ जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जा सकता है। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि 64 साल का तहव्वुर राणा दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि आतंकवादी को रखने के लिए जेल में सभी आवश्यक तैयारियां पहले ही कर ली गई हैं। तहव्वुर राणा साल 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता था।

ट्रंप की हरी झंडी के बाद मिली कामयाबी

डेविड कोलमेन हेडली का सहयोगी होने के अलावा, ऐसा माना जाता है कि राणा के पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ करीबी संबंध थे। राणा के प्रत्यर्पण की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्हाइट हाउस दौरे के दौरान की थी। इसके बाद राणा ने सुप्रीम कोर्ट में प्रत्यर्पण को रोकने की कोशिश की, लेकिन अब उसकी सभी कानूनी अपीलों को खारिज कर दिया गया है।

राणा के भारत पहुंचने से घबराया पाकिस्तान

डर के मारे मुंबई हमले के साजिशकर्ता से झाड़ा पल्ला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मुंबई में 26 नवंबर (26/11) 2008 के आतंकी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण की खबर सुनते ही पाकिस्तान घबरा गया है। हताशा में पाकिस्तान खुद को किसी तरह भी राणा से अलग करने की कोशिश में जुट गया है। पाकिस्तान में जन्मे तहव्वुर हुसैन राणा के भारत प्रत्यर्पण को लेकर पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की पहली प्रतिक्रिया में भी ये घबराहट सामने आई है। राणा के प्रत्यर्पण को

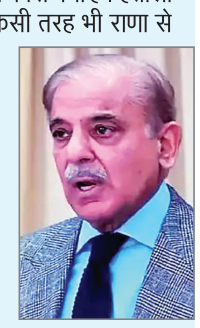

लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने उसे कनाडाई नागरिक बताया और उसका पाकिस्तान कनेक्शन होने से पल्ला झाड़ने की कोशिश की। पाकिस्तान विदेश विभाग ने एक वीडियो बयान में कहा कि तहव्वुर राणा ने पिछले दो दशकों में अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है। उसकी कनाडाई नागरिकता बहुत साफ है।

नए वक्फ बिल कानूनों पर सुनवाई की डेट हो गई तय

● सभी चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की पीठ वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सर्वोच्च अदालत की वेबसाइट पर इस संबंध में जानकारी दी गई है। इसमें उपलब्ध जानकारी के अनुसार जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन भी याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली इस पीठ में शामिल होंगे। केंद्र

सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में 'कैविएट' दायर कर मामले पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले सुनवाई का अनुरोध किया था। 'कैविएट' किसी पक्षकार की ओर से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में यह सुनिश्चित करने के लिए दायर की जाती है कि सुनवाई के बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जाए।

केरल में पॉक्सो केसों की जांच अब स्पेशल पुलिस करेगी

● 304 नए पदों के साथ डेडिकेटेड विंग बनाने को मिली मंजूरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में बच्चों से यौन अपराध के मामलों की जांच अब पुलिस की एक खास टीम करेगी। बुधवार को केरल सरकार की कैबिनेट ने इसके लिए एक डेडिकेटेड विंग बनाने की मंजूरी दे दी। इस स्पेशल यूनिट में कुल 304 नए पद तैयार होंगे। इनमें 4 डिप्टी एसपी और 40 सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, ये टीम सिर्फ पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच करेगी। सरकार का मकसद इन मामलों में तेजी से और सही जांच करना

है, ताकि पीड़ितों को जल्दी न्याय मिले। कैबिनेट ने अगले साल के लिए पॉलिसी भी पास कर दी है।

दिल्ली में लैंडिंग के बाद पायलट को अटैक, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की मंगलवार (9 अप्रैल) को दिल्ली में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। यह घटना इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई, जब पायलट श्रीनगर-दिल्ली फ्लाइट की लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट में अन्य फॉर्मेलिटीज कर रहा था। एयरलाइन के मुताबिक, लैंडिंग के बाद पायलट

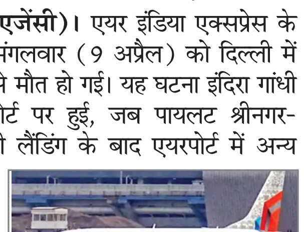

को परेशानी होना शुरू हो गई थी, थोड़ी देर बाद वह बेहोश होकर गिर गया। पायलट को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पायलट का नाम अरमान है। अरमान की उम्र 28 साल थी और हाल ही में उसकी शादी हुई थी। साथी कर्मचारियों ने बताया कि लैंडिंग के बाद पायलट ने कॉकपिट में उल्टी की थी।

धनबाद में एनआईए की रेड मिला विस्फोटक जखीरा

● डायनामाइट-अमोनियम सहित 98 पेटी जिलेटिन मिले, 1 अरेस्ट ● 9 घंटे तक चली छापेमारी, बंगाल को तबाह करने की थी तैयारी

धनबाद (एजेंसी)। धनबाद में एनआईए की रेड में डायनामाइट, अमोनियम, 98 पेटी जिलेटिन मिले हैं। 9 घंटे तक छापेमारी चली। इसका इस्तेमाल बंगाल में सीरियल ब्लास्ट के लिए किया जा सकता था। ये सारे विस्फोटक एनआईए टीम को चिरकुडा के डूमरकुंडा बाबूडंगाल स्थित अमरजीत के घर और दुकान के साथ कालूबथान ओपी क्षेत्र के बोरिया गांव के सुनसान स्थल पर बने पोल्ट्री फॉर्म से मिले हैं। एनआईए रेड की सूचना मिलते ही चिरकुंडा निवासी

अमरजीत शर्मा उर्फ अमर रवानी फरार हो गया। टीम ने उसके भाई संजय रवानी को पकड़ा। संजय रवानी की निशानदेही पर अमरजीत के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर विस्फोटकों की बरामदगी की। टीम को 38 पेटियों में बंद जखीरा मिला है।

जेलेंस्की का दावा-रूस के लिए चीनी लड़ रहे हैं जंग

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि उनकी खुफिया एजेंसी ने 155 चीनी नागरिकों की पहचान की है जो रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहचान में आए सभी लोगों के नाम और पासपोर्ट की जानकारी उनके पास है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस सोशल मीडिया के जरिए चीनी नागरिकों की भर्ती कर रहा है। चीन को भी इस बात की जानकारी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि भर्ती करने वालों को बीजिंग की तरफ से निर्देश मिल रहे हैं या नहीं। इससे पहले जेलेंस्की ने मंगलवार को दावा किया था कि यूक्रेनी सेना ने रूस की तरफ से जंग लड़ रहे 2 चीनी नागरिकों को पकड़ा है। उन्होंने इससे जुड़ा वीडियो भी जड़ा किया जिसमें पकड़े गए लोगों के हाथ जिप-टाई से बंधे थे। यह पहली बार था जब यूक्रेन ने चीनी लड़ाकों को लेकर ऐसा दावा किया।

बंगाल में नौकरी गंवाने वाले शिक्षक भूख हड़ताल पर

● पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया ● बीजेपी बोली-निर्दोष शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ ने गुरुवार को नौकरी जाने और पुलिस कार्रवाई के विरोध में भूख हड़ताल करने की घोषणा की है। बुधवार रात से ही टीचर्स भवन के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहें है। एक शिक्षक ने कहा- भूख हड़ताल आंदोलन शुरू किया गया है और जल्द ही आगे का कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। इससे पहले टीचर्स ने डिस्ट्रिक्ट इंसपेक्टर (डीआई) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज और बीजेपी उम्मीदवार अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा- दूसरों की गलती के कारण अपनी नौकरी गंवाने वाले निर्दोष शिक्षकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भाजपा ऐसे शिक्षकों के साथ है। वही, 8 अप्रैल को 25 हजार 753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति रद्द

करने के मामले में राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी थी। राहुल ने राष्ट्रपति से मांग की है कि जो लोग निर्दोष हैं, उन्हें नौकरी में बने रहने देना चाहिए। उधर, सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले में 8 अप्रैल को सुनवाई हुई थी।

कोर्ट ने स्कूल कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त पदों को बढ़ाने को लेकर पश्चिम बंगाल कैबिनेट के फैसले की सीबीआई जांच पर रोक लगा दी थी। मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 7 अप्रैल को उन शिक्षकों और स्टाफ से मुलाकात की थी, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडीडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे। उन्होंने कहा- आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल बीजेपी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे और जेल भेजने की मांग की है। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा था-शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है।

प्रदेश के कई हिस्सों में ओलावृष्टि, राहत उपायों में तेजी लाने का मुख्यमंत्री का निर्देश

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार को बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आंधी, बिजली गिरने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित जिलों के अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ राहत अभियान चलाने का निर्देश दिया है। फिरोजाबाद में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला समेत दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। भारतीय मौसम विभाग, लखनऊ कार्यालय ने बृहस्पतिवार के लिए बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की जिलेवार चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने कहा है कि कौशांबी, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली सहित कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है और आकाशीय बिजली गिर सकती है। इन जिलों से विस्तृत रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने, राहत प्रयासों की कड़ी निगरानी करने और प्रतिकूल मौसम से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि फसलों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन किया जाए और राज्य सरकार को इसकी रिपोर्ट तुरंत सौंपी जाए। इससे प्रशासन को उचित कार्रवाई करने और प्रभावित किसानों के लिए सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार को आंधी आई और भारी बारिश हुई। कई जगहों पर बिजली भी गिरी है। उधर, फिरोजाबाद में बृहस्पतिवार तड़के आए तूफान में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। अपर जिलाधिकारी विशू राजा ने बताया कि पहली घटना तहसील सदर क्षेत्र नारखी थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में घटी जिसमें खेत पर काम कर रही महिला ललिता देवी (30) की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हो गई। वहीं, दूसरी घटना थाना जसराना क्षेत्र के गांव चनारी में घटी जिसमें खेत पर काम कर रहे किसान पदम वीर सिंह (32) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उत्तर प्रदेश में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

लखनऊ। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक यहां पहुंचने के बाद जोशी की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक हुई जिसमें गेहूं की खरीद, पीएम-कुसुम और पीएम सूर्य घर योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने बख्शी का तालाब क्षेत्र के डुग्गौर ग्राम में पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत लगाए गए सौर ऊर्जा संयंत्रों का निरीक्षण किया और लाभार्थी परिवारों से योजना का अनुभव पूछा। इसके पश्चात डुग्गौर, बख्शी का तालाब क्षेत्र में ही पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत सौर पंपों की स्थिति का भी मंत्री ने अवलोकन किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 'होम्योशक्ति 2025'

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। डॉ उमंग खन्ना द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश में होम्योपैथी के जनक डॉ फेड्रिक सैमुअल हनीमैन के जन्मदिन एवं वर्ल्ड होम्योपैथिक डे के अवसर पर उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले एकमात्र कार्यक्रम ''होम्योशक्ति 2025'' सफलतापूर्वक व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सम्पूर्ण विश्व में दूसरी सबसे लोकप्रिय चिकित्सा विधा होम्योपैथी के उत्सव को 270 वर्षों से सम्पूर्ण विश्व में उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के संस्थापक डा. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन जी के अवसर पर विगत 6वर्षों से डॉ. उमंग खन्ना द्वारा 'होम्योशक्ति 2025' कार्यक्रम आयोजित होता रहा है। इस वर्ष आयोजित हुए उक्त कार्यक्रम में सम्पूर्ण देश से 700 से अधिक होमियोपैथी चिकित्सक उपस्थित रहे, यह कार्यक्रम प्रदेश में जनहित कार्य कर रही उम्मीद संस्था और आल इण्डिया पयाम ए इंसनियत फोरम एवं राजकीय नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं हॉस्पिटल, लखनऊ के साथ अटल बिहारी साइंटिफिक कन्वेंशन सेण्टर में आयोजित किया गया।

ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग कम्पनी में लगी आग, अफरा-तफरी

» छत पर लेटे लोगों ने कूदकर बचायी जान

» पुलिस व दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंची

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र में गुरुवार सुबह ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग कंपनी के अंदर अचानक विद्युत ट्रांसफार्मर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गया। ट्रांसफार्मर से तेज धुआं और आग की लपटें उठती देख पास में अपनी छत पर लेटे कई लोग घबराकर छत से कूद-कूदकर भागे। घटना की सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना के बाद सरोजनीनगर फायर स्टेशन से पहुंची 2 दमकल गाड़ियों ने करीब 1 घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। सरोजनीनगर फायर स्टेशन के एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के मुताबिक क्षेत्र के चिल्लावां में रहने वाले रघुनंदन रावत की नादरगंज स्थित बद्री नगर में सूरज इंडस्ट्रीज नाम से विद्युत ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग की कंपनी है। गुरुवार सुबह एक विद्युत ट्रांसफार्मर की मरम्मत होने के बाद उसमें विद्युत सप्लाई देकर उसे हीट किया जा रहा था। तभी शार्ट सर्किट से अचानक उक्त ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इससे वहां अफरा तफरी मच गई। तेज धुआं और आग की लपटें उठती देख पास में छत पर लेटे लोग कूद कूद कर भाग खड़े हुए। आनन फानन घटना की सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी गई। एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में सरोजनीनगर फायर स्टेशन से पहुंची, दमकल गाड़ियों ने करीब घंटे भर के बाद आग बूझा ली। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बिजली गिरने से पांच लोगों की मृत्यु

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार को बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि होने, आंधी आने और बिजली गिरने की घटना से फिरोजाबाद, सिद्धार्थ नगर और सीतापुर में पांच लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने और प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अपर जिलाधिकारी विशू राजा ने बताया कि बिजली गिरने की पहली घटना तहसील सदर क्षेत्र नारखी थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में घटी जिसमें खेत पर काम कर रही महिला ललिता देवी (30) की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हो गई। दूसरी घटना थाना जसराना क्षेत्र के गांव चनारी की है जहां खेत पर काम कर रहे किसान पदम वीर सिंह (32) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। सिद्धार्थ नगर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 40 वर्षीय श्रमिक घनश्याम की मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना गौरा मंगुआ गांव में उस समय हुई जब घनश्याम बारिश में काम के लिए जा रहा था। सीतापुर में बिजली गिरने और भारी बारिश से एक दीवार ढहने की दो अलग अलग घटनाओं में दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि बिस्वां थाना अंतर्गत मोछ खुर्द में आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे हरिश्चंद्र (25) की मृत्यु हो गई, जबकि सकरान थाना अंतर्गत रसूलपुर गांव में भारी बारिश के चलते एक दीवार ढहने से कुसुमा देवी (55) की मृत्यु हो गई। इन घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित जिलों के अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ राहत अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इस बीच, भारत मौसम विभाग के लखनऊ कार्यालय ने बृहस्पतिवार के लिए बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की जिलावार चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने कहा है कि कौशांबी, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली सहित कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है और आकाशीय बिजली गिर सकती है। इन जिलों से विस्तृत रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने, राहत प्रयासों की कड़ी निगरानी करने और प्रतिकूल मौसम से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि फसलों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन किया जाए और राज्य सरकार को इसकी रिपोर्ट तुरंत सौंपी जाए। इससे प्रशासन को उचित कार्रवाई करने और प्रभावित किसानों के लिए सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार को आंधी आई और भारी बारिश हुई। कई जगहों पर बिजली भी गिरी है।

ऊर्जा विभाग में 17 निदेशकों की हुई तैनाती, अब लटके प्रोजेक्ट्स को मिलेगी रफ्तार, कामकाज में आएगी तेजी

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। ऊर्जा विभाग में बुधवार देर रात उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन और अलग-अलग बिजली कंपनियों के 17 निदेशकों की नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए। पिछले काफी समय से नहीं देश को के पद खाली चल रहे थे। इससे ऊर्जा विभाग का काम प्रभावित हो रहा था। अब 17 पदों पर निदेशकों की नियुक्ति के बाद लंबित कामों को करने में आसानी होगी। इससे तमाम सारे विभाग के प्रोजेक्ट को गति मिलेगी। ऊर्जा विभाग की तरफ से नियुक्त किए गए निदेशकों में प्रदीप चंद्र लोहनी को उत्तर प्रदेश रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्मेंट एजेंसी का डायरेक्टर टेक्निकल, शिशिर को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का डायरेक्टर कॉमर्शियल, संजय कुमार दत्ता को उत्तर प्रदेश रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्मेंट एजेंसी का डायरेक्टर प्रोजेक्ट एंड कॉमर्शियल, अमिताव बरात को डायरेक्ट वर्क एंड प्रोजेक्ट ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन, मनोज कुमार श्रीवास्तव को डायरेक्टर टेक्निकल दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, प्रशांत वर्मा को उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड का निदेशक वाणिज्य, विक्रम सिंह को उत्तर प्रदेश रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्मेंट एजेंसी का डायरेक्टर कॉमर्शियल, हरीश बंसल को डायरेक्टर टेक्निकल मध्यांचल विद्युत वितरण निगम, प्रमोद सिंह को डायरेक्टर टेक्निकल केस्को के पद पर तैनाती दी गई है। आशु कालिया को डायरेक्ट पर्सनल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम, हरजीत सिंह को डायरेक्ट प्रोजेक्ट मैनेजर एंड एनालिसिस (पीएम एंड ए) ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन, रजनीश रस्तोगी को डायरेक्ट पीएम एंड ये उत्पादन निगम, जान मथाई को डायरेक्टर पीएम एंड ए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड बनाया गया है। इसके अलावा ज्ञानेंद्र अग्रवाल को डायरेक्टर फाइनेंस दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, नवीन कुमार गुप्ता को डायरेक्टर फाइनेंस केस्को, संजय मेहरोत्रा को डायरेक्टर फाइनेंस उत्तर प्रदेश रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्मेंट एजेंसी, पुरुषोत्तम अग्रवाल को डायरेक्टर फाइनेंस उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन बनाया गया है। विभाग में 17 निदेशकों के पदों पर 94 से ज्यादा आवेदन आए थे।

लखनऊ से होकर गुजरेगी गरीब रथ स्पेशल ट्रेन, 14 मई तक होगी संचालित

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। रेलवे प्रशासन ने गर्मियों में यात्रियों की सुविधा के लिए 05577/05578 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा गरीब रथ ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन का संचलन सहरसा से 11 अप्रैल से 14 मई तक प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को और आनन्द विहार टर्मिनल से 13 अप्रैल से 16 मई तक प्रत्येक शनिवार और सोमवार को 25 फेरों के लिये करने का फैसला लिया है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन संख्या 05577 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल गरीब रथ ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन 11 अप्रैल से 14 मई तक प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को सहरसा से रात आठ बजे चलकर दरभंगा से रात 23.50 बजे, दूसरे दिन समस्तीपुर से 01.25 बजे, वाराणसी जंक्शन से 09.25 बजे, बाराबंकी से 14.50 बजे, लखनऊ से 15.40 बजे और गाजियाबाद से 23.45 बजे छूटकर तीसरे दिन आनन्द विहार टर्मिनल 00.30 बजे पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि वापसी यात्रा में 05578 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा गरीबरथ ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन 13 अप्रैल से 16 मई तक प्रत्येक शनिवार और सोमवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 05.15 बजे चलकर लखनऊ से 14.30 बजे, वाराणसी जंक्शन से 20.40 बजे, दूसरे दिन छपरा से 00.30 बजे, सरायगढ़ से 09.00 बजे, सुपौल से 09.32 बजे और गढ़ बरुआरी से 09.47 बजे छूटकर सहरसा 10.30 बजे पहुंचेगी।

ट्रक सामने आने पर खंभे से टकराकर दुकान में घुसी बस

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज में लखनऊ-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह प्राइवेट बस बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकराकर एक दुकान में घुस गई। हादसे में करीब एक-दर्जन यात्री घायल हुए। पुलिस ने बताया कि गलत दिशा से अचानक आए ट्रक की वजह से बस बेकाबू हुई और हादसा हो गया। बस में 60 से अधिक यात्री सवार थे। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने मोहनलाल सीएचसी में भर्ती कराया। कई यात्रियों की स्थिति गंभीर है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। बताया जा रहा है कि उन्नाव जा रही थी बस।पुलिस का कहना है कि बस लखनऊ से उन्नाव जा रही थी। गोपालखेड़ा कट के पास बेकाबू होकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान और बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे के समय दुकान बंद थी और अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

चिड़ियाघर में वन्यजीवों की कमी से दर्शक हो रहे मायूस

महंगा टिकट लेकर हो रहा पछतावा, प्रशासन का तर्क : की जा रही कोशिश

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान में वन्य जीवों को देखने की ख्वाहिश लेकर आने वाले दर्शकों को मायूसी हाथ लग रही है। महंगा टिकट खरीदने के बाद जब वे चिड़ियाघर के अंदर पहुंचते हैं तो उन्हें जानवर ही देखने को नहीं मिल रहे हैं। पिछले कुछ सालों में कई जानवरों की मौत हो चुकी है और उनके स्थान पर नए जानवर लाए ही नहीं गए हैं। जिराफ, जेब्रा, शुतुरमुर्ग और चिंपांजी की संख्या कम जबकि चिड़ियाघर का खास आकर्षण हुक्कू बंदर अब है ही नहीं। प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान में गैंडों की संख्या भले बढ़ रही हो, लेकिन राजधानी लखनऊ के चिड़ियाघर में एक भी गैंडा नहीं है।

हक्कू के बाड़े में अब पल रहे गिद्ध

प्राणि उद्यान में हाथियों का बाड़ा खाली पड़ा है। हिरण की वैसे तो कई प्रजातियां चिड़ियाघर में मौजूद हैं, लेकिन चिंकारा हिरण को देखने के लिए टिकट लेकर आने वाली जनता की उम्मीदों पर पानी फिर रहा है। चिड़ियाघर में चिंकारा है ही नहीं। पहले हुक्कू बंदर हुआ करता था। बच्चों का इससे खास लगाव था। इधर से दर्शक आवाज देते थे उधर से हुक्कू बंदर रिएक्ट करता था। चिड़ियाघर में दिन भर हुक्कू बंदर की आवाज आती ही रहती थी, लेकिन अब यह आवाज पिछले कई सालों से गूंज ही नहीं रही है। अब तो चिड़ियाघर प्रशासन ने हुक्कू बंदर के आवास का भी नामोनिशान मिटा दिया है। अब हुक्कू बंदर के पिंजरे में गिद्ध रखे गए हैं।

जिराफ और चिंपांजी का भी जोड़ा बिछड़ा

चिड़ियाघर में जिराफ अकेले जिंदगी जी रहा है। अपने जीवन साथी को खोने के बाद वह गुमसुम है। दर्शक उसे देखने आते हैं लेकिन उसका कोई रिएक्शन नहीं मिलता है। बस दीदार कर वापस लौट जाते हैं। चिड़ियाघर प्रशासन की कोशिश है कि कैसे भी जिराफ का जोड़ीदार मिल जाए, लेकिन अभी तक इसमें सफलता नहीं मिल पाई है। यही हाल चिंपांजी का भी है। इसके भी जोड़ीदार की व्यवस्था करने में चिड़ियाघर प्रशासन जुटा है।

इतने का है टिकट

चिड़ियाघर घूमने आने वाले दर्शकों के लिए टिकट की बात की जाए तो वर्तमान में एडल्ट टिकट रु80 का और पांच साल से 12 साल तक के बच्चों का का टिकट रु40 का है। बाल ट्रेन की ट्रिप के साथ टिकट की दर रु 100 है।

गैंडे का बाड़ा भी बंद

लखनऊ के प्राणि उद्यान में डॉ. दास की जान लेने के बाद 1995 से गैंडा लोहित बेहद चर्चा में था। डॉ. दास के अलावा लोहित ने पतंग लूटने को बाड़े में घुसे एक युवक को मार डाला था। 3 फरवरी 2018 को चिड़ियाघर के इकलौते गैंडे लोहित की मौत हो गई थी। इसके बाद से चिड़ियाघर प्रशासन लगातार प्रयासरत है कि कैसे भी गैंडे को लाया जाए जिससे बाड़ा गुलजार हो सके, लेकिन सात साल से यह कवायद ही चल रही है। अभी तक कहीं से लोहित की जगह दूसरा गैंडा लाया नहीं जा सका है। अपने वजन और खास बनावट के चलते गैंडा बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनता था। फिलहाल अब गैंडे के आवास पर ताला पड़ा है। सिर्फ आवास का बोर्ड लगा है।

क्या कहते हैं दर्शक

देहरादून से चिड़ियाघर घूमने आए ललित सिंह का कहना है कि यहां का चिड़ियाघर तो ठीक है लेकिन हमारे नैनीताल से अच्छा नहीं है। वहां ज्यादा नेचुरलिटी है और जानवर भी ज्यादा हैं। वैसे तो यहां पर भी ठीक ही कहा जा सकता है। बहुत सारे बाड़े यहां पर खाली हैं। जानवर बहुत कम हैं। यहां पर जानवर भी बहुत कमजोर हो चुके हैं। नैनीताल का कहीं ज्यादा बेहतर है। नैनीताल में टिकट रु70 का है यहां पर टिकट भी महंगा है और जानवर भी नहीं हैं। उत्तराखंड से घूमने आए राजन सिंह का कहना है कि मैं हल्द्वानी से आया हूं। यह भी चिड़ियाघर बहुत अच्छा है, लेकिन हल्द्वानी का चिड़ियाघर बहुत ज्यादा अच्छा है। वहां जगह ज्यादा अच्छी है। उनके रहने के लिए वहां पर बहुत जगह अच्छी है, लेकिन यहां पर इतनी अच्छी जगह जानवरों के रहने के लिए नहीं है। यहां पर जानवर काफी कम हैं, उत्तराखंड में जानवर बहुत ज्यादा हैं। शहर के राजा बाजार से चिड़ियाघर घूमने आईं लकी रस्तोगी का कहना है कि चिड़ियाघर बच्चों के लिए बेस्ट है। छुट्टियों में बच्चे चिड़ियाघर ही देखने की ख्वाहिश रखते हैं। यहां पर आए हैं लेकिन बच्चों को एलीफेंट, डायनासोर देखना होता है, लेकिन यह सब कम हैं. बच्चों का इंजॉय नहीं हो पा रहा है। कॉफी गार्ड्स खाली पड़े हैं। बच्चे देखते हैं इंजॉय तो करते हैं लेकिन वह इंजॉय नहीं मिल पाता जो उन्हें चाहिए होता है। हुक्कू बंदर न होने से बच्चों को बहुत मायूसी हो रही है। हुक्कू बंदर तो खूब बोलता था। बच्चों को तो कह कर यही लाया जाता है कि वहां पर हुक्कू बंदर है, लेकिन यहां होने पर हुक्कू बंदर नहीं मिलता है। हुक्कू बंदर जरूर होना चाहिए।

क्या कहती हैं प्राणि उद्यान की डायरेक्टर

वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान की डायरेक्टर अदिति शर्मा का कहना है कि हमारा प्रयास होता है कि दर्शकों के लिए अधिक से अधिक प्रजातियां लाएं। उन्हें एजुकेशन, कंजर्वेशन और अवेयरनेस करते रहें। हम कुछ प्रजातियों को लाने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले साल हम एक बब्बर शेर लाए थे। हिरण भी लेकर आए थे। चिंकारा प्रजाति लाने की बात चल रही है। हमारे पास जो बच्चे हैं उन्हें आपस में ब्रीड नहीं कराया जा सकता है, इसलिए जंगल कैट लाने का प्लान है। कुछ और प्रजातियां लाने की बात चल रही है। कोशिश रहेगी कि ज्यादा से ज्यादा प्रजातियां लखनऊ चिड़ियाघर में दर्शकों को देखने को मिलें। शुतुरमुर्ग तो है लेकिन एक ही है और लाने का प्रयास किया जा रहा है। जिराफ अभी तो एक है प्रयासरत हैं कि और लाया जाए। चिंपांजी भी एक ही है उनका भी पेयर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हुक्कू बंदर के लिए दो राज्यों मेघालय और अरुणाचल प्रदेश से बात चल रही है। अगर वहां का चिड़ियाघर प्रशासन यह प्रपोजल मान लेता है तो सही रहेगा, क्योंकि यह लंबी प्रक्रिया होती है। दोनों जू के डायरेक्टर आपस में सहमति देते हैं। उसके बाद पीसीसी वाइल्डलाइफ अनुमति देते हैं। उसके बाद सेंट्रल जू अथॉरिटी की सहमति के बाद ही जानवर एक चिड़ियाघर से दूसरे चिड़ियाघर ले जा सकते हैं। हमारा प्रयास जारी है। आशा करते हैं कि जल्द से जल्द और वन्य जीव आएंगे।

पावर कारपोरेशन में निदेशकों के चयन पर खड़े हुए सवाल

संगठन ने मुख्यमंत्री योगी से की चयन निरस्त करने की मांग

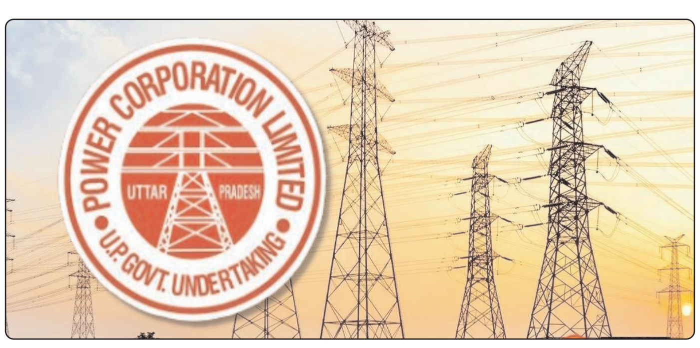

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, अनुसूचित जाति जनजाति आयोग व पिछड़ा वर्ग आयोग से सभी निदेशकों के पद पर चयन निरस्त कर एक निष्पक्ष स्वतंत्र कमेटी बनाकर निदेशकों का चयन कराने की मांग की है। आरोप है कि निदेशकों के चयन में दलित व पिछड़ों के साथ राजनीति हुई है। उत्तर प्रदेश की बिजली कंपनियों में 17 निदेशकों के पदों का बुधवार को परिणाम आ गया। सभी निदेशकों के नाम घोषित कर दिए गए। अब आरोप लग रहे हैं कि दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंताओं को बुलाने की महज औपचारिकता निभाई गई। 17 निदेशकों में से उत्तर प्रदेश की बिजली कंपनियों से एक भी दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंता का चयन नहीं किया गया। पावर ऑफिसर एसोसिएशन का कहना है कि यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं निदेशकों के चयन में बड़ा भेदभाव किया गया है, जिसकी दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंता निंदा कर रहे हैं। एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश सरकार से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। संगठन ने कहा कि सबसे बड़ी चिंता की बात यह है देश के बड़े निजी घराने जो उत्तर प्रदेश में निजीकरण के बाद आना चाहते हैं उनके कार्मिकों को सबसे ज्यादा मौका दिया गया है जिससे वह आकर यहां की गोपनीय सूचना आसानी से उनको दे सकें। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आरपी केन, कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष पीएम प्रभाकर, नेकीराम, महासचिव अनिल कुमार, संगठन सचिव बिंदा प्रसाद, ट्रांसमिशन अध्यक्ष सुशील कुमार वर्मा, संयुक्त सचिव एके प्रभाकर, पीके सागर और लेसा अध्यक्ष प्रभाकर सिंह ने बयान में कहा कि संगठन पहले ही यह मुद्दा उठा चुका है कि जब तक निदेशकों के पद पर आरक्षण की व्यवस्था नहीं लागू होगी उनका चयन नहीं किया जाएगा, क्योंकि इसका सबसे पुख्ता उदाहरण यह है कि चयन की बात तो दूर उन्हे इंटरव्यू के लिए नहीं बुलाया गया था। जब अनुसूचित जाति जनजाति आयोग व पिछड़ा वर्ग आयोग ने हस्तक्षेप किया तब उन्हें बुलाया गया। संगठन के नेताओं ने कहा कि चयन प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता का उदाहरण यह है कि केवल गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) से ही पांच निदेशक बनाए गए हैं और सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि एक जाति विशेष के आधा दर्जन से ज्यादा लोगों का निदेशक के पद पर चयन किया गया है।

बड़ी सफलता : चौराहों व ट्रैफ़िक सिग्नल पर टप्पेबाज़ी करने वाले शातिर लुटेरे गिरफ्तार

- गौतमपल्ली पुलिस ने पकड़ा
- डीसीपी मध्य ने किया घटना का खुलासा
- लाखों के मोबाइल फोन व कार बरामद

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गौतमपल्ली पुलिस ने टप्पेबाज गैंग के सरगना समेत चार लोगो को गिरफ्तार किया है। पश्चिमी यूपी का ये गैंग लखनऊ मे रहकर भीड़-भाड़ वाली जगहों, चौराहों व ट्रैफिक सिग्नल्स पर रुके हुए वाहनों का गेट खटखटाकर अपनी बातो मे उलझाकर व वाहनों मे टक्कर होने का बहाना कर वाद-विवाद कर चालको का ध्यान भटकाकर लोगो से टप्पेबाजी कर उनके कीमती सामान चुरा लेता था। पुलिस ने इनके पास से साढ़े नौ लाख रूपये के 23 स्मार्टफ़ोन,नगदी और दिल्ली नंबर की हौंडा सिटी कार बरामद की है। पुलिस के हत्थे चढ़े ये शातिर लोग शातिर ठग गैंग के सदस्य है। जो लखनऊ के अलग-अलग इलाको मे टप्पेबाजी की की घटना कर कार और अन्य वाहनों से मोबाइल चोरी की वारदात को अंजाम देता था। गौतमपल्ली इलाके मे बीते रविवार को संतोष कुमार वर्मा ने अपनी साथ हुई ऐसी ही टप्पेबाजी की घटना के बारे मे मुकदमा दर्ज किया गया था। डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया की ठग गैंग के सभी लोग पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रहने वाले है जो लखनऊ मे बीते तीन- दिनों से होटल मे रूककर अलग-अलग इलाकों मे घटनाओ को अंजाम दे रहें थे। पुलिस ने सरगना रिजवान समेत रविन्द्र कुमार, रिज्जू उर्फ रिजवान और अजीम को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 23 स्मार्टफ़ोन,1650 रूपये नगद, एक सफेद बैग और दिल्ली नंबर कीहौंडा सिटी बरामद की गयी है। पुलिस ने बताया की ये सभी लोग फेरी का काम करते है और मेरठ व बागपत जिले के रहने वाले है। जो लखनऊ मे रहकर टप्पेबाजी की

घटनाओ को कर रहें थे। पुलिस की पूछताछ मे ये भी सामने आया है कि टप्पेबाजों ने सलेमपुर से इस कार को नगद पैसे देकर खरीदा था। जिससे ये लोग टप्पेबाजी की घटना को अंजाम देकर फरार हो जाते थे। फिलहाल पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यो को तलाशने के साथ इनके द्वारा कई वारदातो के इतिहास के बारे मे पता लगाने मे जुटी है। पुलिस ने ये भी बताया कि सरगना रिजवान के ऊपर मेरठ मे तीन-आपराधिक मामले दर्ज है और बाकी लोगो के बारे मे छानबीनकी जा रही है।

यह हुए गिरफ्तार

रवीन्द्र कुमार पुत्र सुक्खन सिंह निवासी ग्राम हरिपुरनगर बालेनी बागपत, रिजवान पुत्र सलीम निवासी पुरवा फयाज अली हीरा पेड़े वाली की गली देहली गेट मेरठ, रिज्जू उर्फ रिजवान पुत्र मो.इमरान निवासी मेहताब सलीमा गली ढोलकी मोहल्ला बगला एरिया कैण्ट मेरठ और अजीम पुत्र तसलीम निवासी चौबे बजरिया हींग वाली गली, रेलवे रोड़ मेरठ को गिरफ्तार किया गया है। बरामद मोबाइल फोन व पैसों के बारे में कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया गया कि हम सभी लोगों ने मिलकर रात 8बजे के आसपास एक स्कूल के पास चौराहे से धोखाधड़ी करते हुए एक मोबाइल व पर्स चोरी कर लिए थे। पर्स में 8000/- मिले जिसे हम चारों लोगों ने बराबर बांट लिया था। सब मोबाइल चोरी के निकले। गाड़ियों को भीड़-भाड़ वाली जगहों, चौराहों एवं ट्रैफिक सिग्नल पर रोकते हैं जिसमें सिर्फ एक ही व्यक्ति बैठा होता है तो यह लोग उसे बातों में उलझा कर गाड़ी में जो भी सामान मिलता है चोरी कर लेते हैं और हम सभी मोबाइलों को बेचकर अपने-अपने शौक पूरा करते हैं।

फातिमा कॉलोनी में फिर घुसे चोर मोटरसाइकिलों को छोड़कर भागे

- स्थानीय लोगों ने दी तहरीर, सीसीटीवी फुटेज में दिखे संदिग्ध
- मकान के बाहर खड़े ई रिक्शा की बैटरी की चोरी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। दुबग्गा कोतवाली इलाके में स्थित फातिमा कॉलोनी में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही है। बीते दिनों तीन मकानों के ताले तोड़े गये थे। तहरीर दी गयी सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध करायी गयी, लेकिन अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो सकी और न ही मुकदमा दर्ज हो सका। वहीं बुधवार के मध्य रात्रि भी दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार संदिग्धों को सीसीटीवी फुटेज में देखकर कॉलोनी वालों ने रोका तो वह भागने लगे। जब उन्हे अन्य लोगों के सहयोग से रोका गया तो चारों अपनी मोटरसाइकिलों को छोड़कर अंधेरें का फायदा उठाकर बाग की ओर भाग खड़ हुये। वहीं पर एक ई-रिक्शा की बैटरी भी पड़ी मिली जो पास के ही मकान से चोरी की गयी थी। आनन-फानन घटना की सूचना डायल-112 व दुबग्गाा कोतवाली पर दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की तो सड़क पर मोटरसाइकिल छोड़कर भागें चोरों की दोनों मोटरसाइकिलें भी चोरी की नकली। नाइट इंजार्च रहे उपनिरीक्षक संतोष ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगालकर शातिरों को जल्द पकड़ लेगें। वहीं दुबग्गा कोतवाली क्षेत्र में आने वाले अंधे की चौकी के इंजार्च तेज कुमार शुक्ला ने तहरीर लेकर आगे की कारर्रवाई शुरु कर दी है। हालांकि गुरुवार देररात तक पुलिस चोरों का पता नहीं लगा सकी थी। वहीं दूसरी ओर फातिमा कॉलोनी निवासी जिशान ने बताया कि दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार शातिरों को जब पकड़ने की कोशिश की तो वह उनसे भिड़ गये और हाथा-पायी होने लगी। जिससे उनके पैर व हाथ में चोट लग गयी। जहां से खून भी निकल रहा था। वह अकेले थे और चोर चार, जिस कारण वह अंधेरें का फायदा उठाकर बाग की ओर भाग निकले। कॉलोनी वालों ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराया है, जिसमें शातिरों की तस्वीरें कैद हो गयी है।

सांसद के अमर्यादित टिप्पणी करने पर फिर हुआ हंगामा

- पुलिस ने करणी सेना के पदाधिकारियों को किया नजरबंद
- नोटिस भी पुलिस ने भेजा, प्रदर्शन किया गया स्थगित

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के अमर्यादित टिप्पणी को लेकर श्रीराजपूत करणी सेना ने प्रदर्शन की घोषणा की थी, जिसपर पुलिस ने बुधवार देर रात तक करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह व अन्य पदाधिकारियों को नजरबंद कर दिया। पीजीआई स्थित चरण भट्ठा रोड पर करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह का आवास है। बुधवार देर रात को पुलिस की टीम उनके आवास पर पहुंची और धारा-163 लागू होने का हवाला देते हुए प्रदर्शन न करने की अपील की। दुर्गेश सिंह ने आपत्ति की, तो पुलिस ने उनको घर से बाहर निकलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दुर्गेश सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम संगठन के अन्य पदाधिकारियों को नजरबंद किये जाने की जानकारी दी। वहीं, पुलिस ने प्रदेश के संगठन मंत्री विकास सिंह के आशियाना स्थित आवास, जिला महामंत्री पुष्पराज सिंह के मोहनलालगंज इंद्रजीत खेड़ा, जिलाध्यक्ष युवा अमर सिंह को उनके घर में नजरबंद कर दिया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने करणी सेना के पदाधिकारियों को नोटिस भी दिया, जिसके बाद प्रदेश संगठन मंत्री विकास सिंह ने प्रदर्शन को स्थगित करने की घोषणा की।

अंसल इंफ्रा के खिलाफ पीड़ितों ने फिर की शिकायत, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। अंसल इंफ्रा के खिलाफ लगातार पीड़ित शिकायत दर्ज करा रहे है। मुकदामें तो कई दर्ज किये गये, लेकिन अभी तक कोई सख्त कारर्रवाई नहीं हो सकी। ऐसा पीड़ितो का कहना था। वहीं एक बार फिर सुशांत गोल्फ सिटी में पीड़ितों ने अंसल के मालिक प्रणव अंसल, सुशील अंसल और अन्य निदेशकों व कर्मचारियों पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर कराया हैं। पारा के देवपुर स्थित चंद्रोदय नगर निवासी अधिवक्ता विष्णु देव पांडेय के मुताबिक वर्ष 2015 में उन्होंने कंपनी निदेशकों सुशील अंसल और प्रणव अंसल ने अंसल एपीआई में दुकान दिलाने का झांसा दिया। उन्होंने भरोसा करके 10.58 लाख रुपए अदा किए,

लेकिन अभी तक दुकान नहीं मिली। वहीं, पीजीआई के कल्ली पश्चिम स्थित जगत खेड़ा निवासी प्रमोद कुमार ने वर्ष 2013 में अंसल में प्लॉट बुक कराया था। प्लॉट की कीमत 28 लाख रुपये बताई गई थी। प्रमोद ने 14 लाख रुपए जमा किए थे। शेष रकम किस्तों में रजिस्ट्री और कब्जे से पहले देना था, लेकिन उन्हें 12 साल बाद भी रजिस्ट्री नहीं की गई। उधर, कैसरबाग स्थित बारादरी निवासी जूही गर्ग ने वर्ष 2010 में अंसल के पैराडाइज डायमंड में फ्लैट बुक कर 6.95 लाख रुपए जमा किए थे। वहीं, कानपुर नगर के सिविल लाइन निवासी रसल मेसी और गाजियाबाद निवासी मनोज दीक्षित प्लैट बुक कराया था, लेकिन लाखों रुपए देने के बाद भी अंसल ने निर्माण नहीं कराया। इंस्पेक्टर का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गयी हैं।

सजायाफ्ता कैदी की इलाज के दौरान मौत

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। हत्या के आरोप में आजीवन सजा काट रहे कैदी की इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। मिली जानकारी के मुताबिक हरदोई जिले के रहने वाले कैदी बीरपाल (65) हत्या के आरोप में जिला कारागार लखनऊ में सजा काट रहे थे। बीमारी के कारण 13 दिसंबर 2024 से बलरमपुर अस्पताल में भर्ती था। जिसकीं बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया।

एकतरफा प्यार में मारी गोली

- दोस्त के साथ पहुंचा युवक
- भाई से बातचीत करने से था नाराज

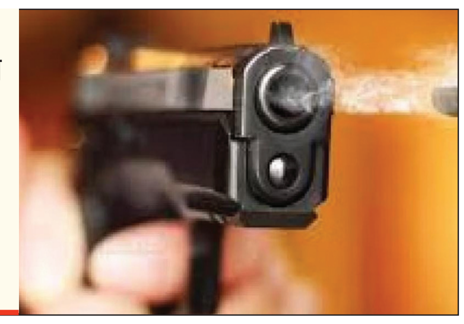

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। राजधानी के पारा इलाके में बुधवार देर रात एकतरफा प्यार में सिरफिरे ने दोस्त के साथ मिलकर युवती को घर में घुसकर गोली मार दी। गोली युवती के पेट में लगी, जिसका गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। चीख पुकार सुनकर इलाके के लोग एकत्रित हो गए। मौका पाकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पारा के हंसखेड़ा इलाके में रहने वाली युवती प्रियंका यादव (24) से मोहल्ले के रहने वाला सतीश यादव उर्फ डैनी एकतरफा प्यार करता था। सतीश ने कई बार बातचीत की कोशिश की, लेकिन प्रियंका उसको पसंद नहीं करती थी। प्रियंका की सतीश के भाई संदीप से दोस्ती थी। इस बात को लेकर सतीश प्रियंका से रंजिश रखने लगा। बताया जा रहा है कि आरोपी ने दरवाजा खोलते ही गोली चला दी। बुधवार रात करीब 11:45 बजे सतीश बाइक से अपने दोस्त के साथ प्रियंका के घर पहुंचा। दरवाजा खटखटाने की आवाज सुनकर प्रियंका ने गेट खोला, सतीश ने उसे गोली मार दी। गोली प्रियंका के पेट में लगी। वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गई। गोली की आवाज सुनाकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। मौका पाकर आरोपी भाग निकले। प्रियंका को गंभीर हालत में उसके भाई व संदीप ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

विकासनगर में हुई लूट में शामिल इनामी गिरफ्तार

- एक लुटेरे को मुठभेड़ कर पकड़ा गया था
- जेल में हुई थी अन्य लुटेरों से मुलाकात

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। विकासनगर इलाके में बीते दिनों हुई लूट में शामिल पच्चीस हजार रुपये का इनामी बदमाश को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी विपिन यादव पुत्र स्व. रमेश चन्द्र यादव निवासी-जोंधवल तेलियरगंज, शिवकुटी, प्रयागराज को टेढ़ी पुलिया चौराहे के पास से पकड़ा गया है। घटना में शामिल मुख्य साजिशकर्ता प्रेम बहादुर सिंह व उसके साथी सोनेन्द्र सिंह व गौरव मिश्रा को पुलिस पहले की पकड़ चुकी है। सुशील मिश्र (एक लाख रूपये का पुरस्कार घोषित) को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया था एवं 9 अप्रैल को रूपये एक लाख के पुरस्कार घोषित लुटेरे वैभव सिंह को पीजीआई

कोतवाली अन्तर्गत हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। लुटेरें विपिन यादव ने पूछताछ पर बताया कि वर्ष-2018 में वसीम रजा की हत्या करने के मामले में वह लगभग 4 साल नैनी जेल में बंद था। जेल में रहने के दौरान उसकी दोस्ती सुशील मिश्रा उर्फ़ रज्जन, अनुज मौर्या, मोहित यादव, सतीश सिंह से हुई थी। जेल से छूटने के बाद पैसो के लिए किसी बड़ी लूट की घटना करने की योजना बना रहा था। इसी दौरान सुशील मिश्र उर्फ रज्जन (इस घटना में एक लाख रूपये का पुरस्कार घोषित था, जो पूर्व में गिरफ्तार) ने विपिन यादव उपरोक्त को जनपद-लखनऊ में एक बड़े व्यवसायी से लूट की घटना के बारे मे बताया और यह भी कहा कि इस घटना को अंजाम देने के लिए और आदमी तैयार करो। इसके बाद विपिन यादव उपरोक्त ने अनुज मौर्या, सतीश सिंह, मोहित कुमार को इस घटना के लिए तैयार किया था, फिर यह लोग लखनऊ आये और सुशील मिश्र उर्फ़ रज्जन के साथ मिलकर इन सभी ने घटना को अंजाम देने के लिए रेकी किये थे।

यह थी पूरी घटना

विकासनगर के सेक्टर-4 इलाके में शुक्रवार दोपहर बाइक सवार दो असलहाधारी बदमाशों ने अमित सैनी से 6.8 लाख रुपये व मोबाइल फोन लूट लिया था। मुनीम यह रकम बिल्डर किंकर गुप्ता के घर से लेकर लौट रहा था।

पचास हजार रुपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। एसटीएफ ने 50हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। वांछित 50हजार रूपये के पुरस्कार घोषित एवं लूट, चोरी, हत्या का प्रयास जैसे लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक घटनाएं करने वाले शातिर अपराधी आशीष कुमार उत्तम उर्फ जग्गा उर्फ छोटू पुत्र स्व. मधुर कुमार उत्तम उर्फ सुमन निवासी ग्राम नसेनिया, जहानाबाद, फतेहपुर को नवी मुम्बई से पकड़ा गया है। पूछताछ पर बताया कि आशीष निवासी नोनरा से पूर्व में विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर बीते 23दिसम्बर-2024 की रात्रि में यह अपने साथी करन, हार्दिक, शैलेन्द्र के साथ मिलकर आशीष के उपर जान मारने की नियत से फायर कर दिया, परन्तु आशीष बाल-बाल बच गया। फायरिंग की आवाज सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ इकठ्ठा होने लगी, जिस पर यह सभी मौके पर ही अपनी मोटर साइकिल छोड़कर भाग गये। इस घटना में शामिल करन पूर्व में ही गिरफ्तार हो चुका है। घटना के बाद यह भागकर मुम्बई चला गया था और वहीं पर छिपकर रह रहा था। वर्ष-2016 में थाना क्षेत्र जहानाबाद, फतेहपुर में अपने साथी संदीप के साथ मिलकर बाईक लूट की घटना किया था। इसी प्रकार वर्ष-2016 में ही घाटमपुर में अपने साथी व हिस्ट्रीशीटर रज्जन उर्फ बग्गड़ के साथ मिलकर पेट्रोल पम्प पर लूट की घटना किया था। वर्ष-2020 में अपने साथी सन्नी पटेल के साथ मिलकर पुलिस टीम पर जानलेवा हमला किया था।

आत्मदाह का प्रयास करने वाले दंपत्ति पर मुकदमा

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। गौतमपल्ली इलाके में स्थित गोल्फ क्लब चौराहे के पास बीते आठ अप्रैल को एक परिवार ने आत्मदाह का प्रयास किया था, जिसके कारण ट्रैफिक बाधित होने के साथ सुरक्षा प्रभावित हुई। गौतमपल्ली कोतवाली के दरोगा ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया हैं। गौतमपल्ली कोतवली में तैनात दरोगा सुभाष चंद्र के मुताबिक बीते आठ अप्रैल को उनकी ड्यूटी गोल्फ क्लब के पास थी। तभी दंपति तीन बच्चों के पास लगे बैरियर के पास पहुंचे और खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डाल लिया। सिपाहियों ने दौड़ा कर पकड़ा। वहीं, महिला सिपाही ने महिला और बच्चों को किसी तरह से रोका। पकड़े जाने पर आत्मदाह का प्रयास कर रहे पुरूष ने गाली -गलौज की। पूछताछ में आत्मदाह का प्रयास करने वाले की पहचान गोंडा निवासी निर्भय राम उपाध्याय के तौर पर हुई। उसके साथ पत्नी गायत्री, तीन बेटियां और रिश्तेदार पवन भी था। निर्भय राम उपाध्याय का भूमि को लेकर कुछ लोगों से विवाद है, जिसकों लेकर निर्भय परिवार संग आत्मदाह करने के लिए पहुंचा था।

सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा का प्रश्न-पत्र लीक करने वाले गिरफ्तार

- पकड़े गये दोनों आरोपियों से हुई लम्बी पूछताछ
- व्हाट्सएप पर दिये थे पेपर, वहीं प्रश्न आया जो दिया गया था
- पुलिस ने जब खोजबीन की तो फरार हो गया
- 10-12 लाख लेते थे, एसटीएफ तफ्तीश करने में लगी हुई है

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। एसटीएफ ने बीते 11 फरवरी-2024 को आयोजित समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा-2023 का प्रश्नपत्र लीक कराने वाले गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नमन शाम्बरी पुत्र चरणजीत शाम्बरी निवासी 89-करमवीरनगर, नरेला शकरी पीपलानी भोपाल मध्य प्रदेश और शाहिद सिद्दीकी पुत्र जलालुद्दीन निवासी म. नं. 621/2 नई बस्ती कोतवाली नगर मुगलसराय चन्दौली को करमवीरनगर पीपलानी भोपाल मध्य प्रदेश से पकड़ा गया है। उप्र लोक सेवा आयोग, प्रयागराज ने समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा-2023 बीते 11फरवरी-2024 को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गयी थी। परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व ही प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने की शिकायत मिलने पर उप्र शासन ने परीक्षा को निरस्त करते हुये प्रश्नपत्र लीक प्रकरण की सम्पूर्ण जांच एसटीएफ को दी थी। इसके बाद कारर्रवाई कर आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ

पर नमन शाम्बरी ने बताया कि राजीव नयन मिश्रा वर्ष-2014 से उसके घर के पड़ोस में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करता था। वर्ष-2021 में मकान बदलकर भारत नगर में रहने लगा था। उसके माध्यम से इसकी मुलाकात सुभाष प्रकाश से हुई थी। उन लोगों ने बताया था कि हम लोग परीक्षाओं का पेपर आउट कराते हैं। अगर हम लोग समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा-2023 के परीक्षा का पेपर आउट करा लेंगे तो तुमको भी देंगे। बदले में तुम्हें 10-12 लाख रुपए की व्यवस्था करनी पड़ेगी उसके बाद मेंस परीक्षा का भी पेपर देंगे। इस बात पर यह तैयार हो गया। इसके लिए कुछ पैसे इसने सुभाष प्रकाश के अकाउंट में ट्रांसफर किया था। राजीव नयन मिश्रा और सुभाष प्रकाश ने समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा-2023 की परीक्षा का आउट पेपर व्हाट्सएप पर इसको भेजे थे। आगरा सेंटर पर परीक्षा दिया। परीक्षा में वही प्रश्न आए थे जो राजीव ने मोबाइल पर भेजा था। पेपर के कुछ दिनों बाद जानकारी हुई कि राजीव नयन मिश्रा और सुभाष प्रकाश तथा उनके साथियों को पुलिस ने पकड़ लिया। जिसके बाद यह अपने फोन से सब कुछ डिलीट कर दिया और छिपकर इधर उधर छिपकर रह रहा था। पूछताछ पर शाहिद सिद्दीकी ने बताया कि उसकी मुलाकात सुभाष प्रकाश से वाराणसी में हुई थी। उसने बताया कि वह और उसके साथी परीक्षाओं का पेपर आउट कराते है। 10-12 लाख रुपए की व्यवस्था करने पर पेपर आउट करवाकर देने को कहा था। प्रारंभिक परीक्षा के बाद मुख्य परीक्षा का भी पेपर आउट करवाकर देने को कहा था। सुभाष प्रकाश के कहने पर यह तैयार हो गया और एडवांस के रूप में करीब एक लाख रुपए नकद और एक ब्लैंक चेक लिया था। उसने गारंटी के तौर पर हाई स्कूल, इन्टरमीडिएट तथा बीए की मार्कशीट आदि भी लिया था। सुभाष प्रकाश ने अपना मोबाइल नंबर दिया था जिस पर व्हाट्सएप से बात होने लगी। उसके पश्चात उसने विवेक उपाध्याय का मोबाइल नंबर दिया जिसने इसे भोपाल बुलाया। इसके बाद भोपाल पहुंचा जहां से वह लोग इसे होटल कमल पैलेस, आनंद नगर बुलाया। वहॉ पर सुभाष प्रकाश, विवेक उपाध्याय तथा अन्य बहुत सारे लड़के मौजूद थे, जो समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी 2023 का प्रश्न पत्र एवं हल प्रश्नोत्तर पढ़ने आये थे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक / निर्माण, उत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर खुली ई–निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं ।

1	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के [प्रोजेक्ट का नाम- वाराणसी–पंडित दीनदयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग (15 किमी) गंगा नदी पर एक नए रेल सह सड़क पुल के निर्माण सहित] काशी–वाराणसी खंड में फार्मेशन में मिट्टी का कार्य, भरना, काटना एवं संघनन सहित, तटबंध पर ब्लैंकेटिंग सामग्री की आपूर्ति और फैलाव, प्रमुख पुल का निर्माण कार्य/चौड़ीकरण, आरयूबी, रिटेनिंग वाल, छोटे पुलों का विस्तार, एवं अन्य सहायक कार्य ।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	18 (अट्ठारह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 18669.70 लाख
4	धरोहर राशि	रु. 94,84,851/-
5	रेलवे वेबसाईट पर निविदा दस्तावेजों की बिक्री/उपलब्धता	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 11.04.2025 से 05.06.2025 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेंगे।
6	प्री बिड कॉनफेरेंस	दिनांक – 29.04.2025 समय 11:30 बजे, **स्थान:** कार्यालय मुख्य परियोजना प्रबंधक, निर्माण, उत्तर रेलवे, वाराणसी एवं आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट पर साझा की गई ऑनलाइन वीसी लिंक के माध्यम से भी।
7	बिड पूर्व पूछताछ प्राप्त करने की अंतिम तिथि	05.05.2025
8	रेलवे द्वारा बिड पूर्व प्रश्नों के उत्तर की तिथि	14.05.2025
9	ई–निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनांक 05.06.2025 को समय 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनांक 05.06.2025 को समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
10	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 05.06.2025 से आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेंगें व दिनांक 22.05.2025 से 05.06.2025 तक ई–निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या 6–टेण्डर/मु.परि.प्र./नि./वाराणसी दिनांक 08.04.2025 **1086/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रधानमंत्री आज वाराणसी में करेंगे 3,880 करोड़ रुपए की लागत वाली 44 परियोजनाओं की शुरुआत

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे तथा 3,880 करोड़ रुपए की 44 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। वाराणसी के संभागीय आयुक्त कौशल राज शर्मा ने कहा कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा उनमें ग्रामीण विकास पर केंद्रित योजनाएं शामिल हैं, जिनमें 130 पेयजल परियोजनाएं, 100 नए आंगनवाड़ी केंद्र, 356 पुस्तकालय, पिंडरा में एक पॉलिटेक्निक कॉलेज और एक सरकारी डिग्री कॉलेज शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल और रामनगर में पुलिस बैरक तथा चार ग्रामीण सड़कों का भी करेंगे। शहरी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए मोदी शास्त्री घाट और सामने घाट पर परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, साथ ही रेलवे और वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) द्वारा किए गए विभिन्न सौंदईकरण परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी, उनमें से 25 परियोजनाएं 2,250 करोड़ रुपए की हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य शहर के बिजली ढांचे को मजबूत करना है। इसमें 15 नए सबस्टेशन का निर्माण, नए ट्रांसफार्मर की स्थापना और।,500 किलोमीटर तक बिजली के तार लगाना शामिल है। चौकाघाट के पास एक नया 220 केवी सबस्टेशन भी बनाया जाएगा, जिसका लक्ष्य 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री तीन नए फ्लाईओवर के साथ-साथ विभिन्न सड़क चौड़ीकरण पहल और स्कूल नवीनीकरण कार्य और शिवपुर और यूपी कॉलेज में दो स्टेडियम की आधारशिला रखेंगे। मोदी रोहनिया के मेहंदीगंज में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि गर्मी और यातायात को देखते हुए ग्रामीण आबादी की पहुंच आसान बनाने के लिए मोदी का कार्यक्रम शहर की सीमा से बाहर रिंग रोड पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सुबह होगा, जिससे उपस्थित लोग दोपहर से पहले घर लौट सकेंगे। कैंट कैंप कार्यालय में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और एडीजी (सुरक्षा) रघुवीर लाल ने बताया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में छह एसपी, आठ एडिशनल एसपी, 33 सीओ और पुलिस, पीएसी और अर्धसैनिक बलों के करीब 4,000 जवान तैनात रहेंगे। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश पूरी तरह से जांच और तलाशी के बाद ही होगा। कार्यक्रम स्थल के पास अस्थाई पार्किंग जोन बनाए जाएंगे। वीआईपी मार्ग और आसपास के इलाकों में छतों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी।अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को उपस्थित लोगों के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया है। भाजपा की नगर इकाई के अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने बताया कि प्रधानमंत्री करीब ढाई घंटे वाराणसी में रहेंगे। उन्होंने कहा, पार्टी कार्यकर्ता कई जगहों पर शंख, ढोल बजाकर और फूल बरसाकर प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। **(भाषा)**

तेज हवाओं से गिरा पेड़, महिला गंभीर रूप से घायल

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। थाना क्षेत्र के ग्राम सैदनपुर में गुरुवार को करीब सुबह 9 बजे तेज हवाओं के चलते 42 वर्षीय महिला अनीता पत्नी घनश्याम उस समय गंभीर रूप से घायल हो गईं। वह घर के बाहर लकड़ी और कन्डा लेने के लिए जा रही थी अचानक एक आम का पेड़ उनके ऊपर गिर गया। हादसे के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे तेज हवा चल रही थी। अनीता अपने घर के सामने रोज की तरह लकड़ी व कन्डा लेने निकली थीं। तभी उनके घर के पास लगा एक पुराना आम का पेड़ तेज हवा के कारण अचानक टूटकर अनीता के ऊपर जा गिरा। घटना इतनी भयावह थी कि अनीता पेड़ के नीचे दब गई और जोर-

जोर से चीखने लगी। शोर सुनते ही परिजन और गांव के अन्य लोग दौड़े और पेड़ हटाकर किसी तरह अनीता को बाहर निकाला। परिजनों ने तुरंत 108 एंबुलेंस की मदद से अनीता को प्राथमिक उपचार के लिए फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां मौजूद डॉक्टरों ने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार अनीता को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं लेकिन फिलहाल उनकी हालत स्थिति अब खतरे से बाहर हैं। डॉक्टरों का कहना है कि समय रहते यदि अनीता को अस्पताल नहीं पहुंचाया गया होता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। परिजनों ने 108 एंबुलेंस कर्मियों का आभार जताया क्योंकि खराब मौसम आंधी तूफान बारिश में 108 की तत्परता से समय पर इलाज संभव हो पाया।

छह साल की बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद

मुजफ्फरनगर। जिले की विशेष पॉक्सो अदालत ने छह साल की एक लडक़ी के साथ दुष्कर्म करने के जुर्म में एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष शासकीय अधिवक्ता प्रदीप बाल्यान ने बताया कि विशेष न्यायाधीश मंजुला भलोटया ने अभियुक्त अंकित पर 50,000 रुपए जुर्माना भी लगाया और आदेश दिया कि जुर्माने की राशि पीड़िता को उपलब्ध कराई जाए। बाल्यान ने बताया कि रतनपुरी थानाक्षेत्र के मझहीदपुर गांव में 18 जनवरी, 2016 को जब छह वर्षीय बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तब पड़ोस में रहने वाले अंकित ने उसके साथ दुष्कर्म किया था।**(भाषा)**

प्रेमी और प्रेमिका ने पेड़ की डाल पर फांसी लगाकर दी अपनी जान

» प्रेमी की दो माह पूर्व हो चुकी थी शादी, दोनों दो बजे रात से घर से थे गायब

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। जनपद के थाना मोहम्मद खाला क्षेत्र अन्तर्गत प्रेमी और प्रेमिका ने आत्महत्या कर ली। लड़की के दुपट्टे से दोनो ने फांसी लगा ली। एक ही पेड़ पर लटकते दोनों के शव मिले। प्रेमी प्रेमिका रात दो बजे से अपने अपने घरों से गायब हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना मोहम्मदपुरखाला थाना क्षेत्र के गांव पहाड़ापुर की है। रात दो बजे से दोनों प्रेमी प्रेमिका अपने अपने घरों से गायब हो गए थे। परिजनों के तलाशने से कोई सुराग नहीं मिल सका। सुबह लगभग सात बजे दोनो के शव गांव वालों ने पेड़ से लटकते हुए देखें तो दोनों के परिजनों को सूचना दी। जानकारी होते परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को उतारकर कर कब्जे में

लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि लड़के का नाम सूरज 21 और लड़की का नाम निशा बानो 18 था। ग्रामीणों के मुताबिक दोनों के बीच लगभग पांच सालों से अफेयर था हालांकि दोनों के धर्म अलग-अलग होने के चलते परिवार वाले शादी के लिए राजी नहीं थे। सूरज के परिजनों ने लगभग दो तीन माह पहले सूरज की शादी करवा दी थी। पुलिस के मुताबिक सूरज और निशा दोनों लगभग आधा किलोमीटर दूरी पर रहते थे। अलग-अलग गांवों में सूरज अपनी मां के साथ रहकर खेती बाड़ी का काम करता था जबकि निशा स्नातक की पढ़ाई कर रही थी। इसी आम की बाग में अक्सर दोनों का मिलना होता था। घटना स्थल निशा के घर से 200 मीटर और सूरज के घर महज 300 मीटर की दूरी पर है। पुलिस क्षेत्राधिकारी फतेहपुर जगत राम कनौजिया ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है लेकिन पुलिस दबाव धमकी या हत्या की आशंका को भी खारिज नहीं कर रही है। सभी एंगल से जांच की जा रही है।

जिलाधिकारी के नेतृत्व में सीएम डैशबोर्ड ओवर ऑल रैंकिंग में जिले को मिला दूसरा स्थान

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के नेतृत्व में प्रदेश स्तर पर सीएम डैशबोर्ड ओवरऑल विकास कार्य एवं राजस्व रैंकिंग में जनपद को आवंटित दूसरा स्थान तथा विकास कार्यों की रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से प्रत्येक माह प्रदेश के सभी जिलों की रैंकिंग की जाती है और सीएम डैशबोर्ड पर अब सभी योजनाओं की प्रगति विभागवार दर्ज की जाती है। इसी क्रम में मार्च की रैंकिंग जारी की गई जिसमें ओवरऑल रैंकिंग में जनपद को द्वितीय स्थान तथा विकास कार्यों की रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि ओवरऑल रैंकिंग विकास कार्य एवं राजस्व में द्वितीय स्थान तथा विकास कार्यों की रैंकिंग में प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त होने पर खुशी जाहिर की तथा मुख्य विकास अधिकारी सहित समस्त अधिकारियों,कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विगत लगभग

दो वर्षों से सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में प्रदेश में जनपद को प्रथम, द्वितीय, तृतीय रैंकिंग रही है जो समस्त अधिकारियों के समन्वय से सुनिश्चित हो रहा है। पुनः ओवरऑल द्वितीय एवं विकास कार्य में तृतीय स्थान प्राप्त करना उल्लेखनीय है और यह साबित करता है कि जिले में शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन को और बेहतर करने के लिए और कठिन परिश्रम की जरूरत है और जहां प्रदर्शन में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है वहां सुधार लाएं।

दो वाहनों की टक्कर के बाद लगी आग, एक चालक की मौत

मिर्जापुर। जिले के लालगंज थानाक्षेत्र में रीवा-वाराणसी राजमार्ग पर धसड़ा मोड़ के पास एक ट्रक एवं डम्पर (अन्य मालवाहक वाहन) के बीच टक्कर होने पर उनमें आग लग जाने से एक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना बुधवार देर रात करीब 11 बजे हुई। अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह ने बताया कि एक ट्रक एवं डम्पर की आपस में टक्कर हो गई, जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस कर्मी और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने दोनों वाहन में लगी आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि डंपर के चालक बब्बन बिंद की जलने से मौत हो गई, क्योंकि उसके (डम्पर के) चैम्बर जला हुआ शव मिला है। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ट्रक में गेंहू लदा हुआ था और वह गलत दिशा से आ रहा था, इसी कारण टक्कर हुई।**(भाषा)**

संक्षिप्त समाचार

तालाब में कूदी मां और तीन बच्चों की मौत

भदोही। जिले के एक गांव में एक महिला ने अपने तीन बच्चों को लेकर तालाब में छलांग लगा दी जिससे चारों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह दुर्गागंज थाना क्षेत्र के शेरपुर गोपालहा गांव में अन्नू देवी (35), अपने तीन बच्चों-- दीक्षा (8), दिव्यांश (3) और सूर्यांश (6) को लेकर तालाब में कूद गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से अन्नू देवी और उसके तीन बच्चों के शव गहरे पानी से निकाले हैं तथा चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। अग्रवाल ने बताया कि शेरपुर गोपलहां गांव के सुनील यादव अपनी पत्नी अन्नू देवी और तीन बच्चों साथ मुंबई में रहता था, जबकि सुनील के माता पिता यहां गांव में रहते हैं। अपर पुलिस अधीक्षक के अनुसार सुनील की माता चमेलिया देवी कैंसर से पीड़ित थीं जिसके चलते वह अपनी पत्नी एवं बच्चों के साथ करीब डेढ़ महीने पहले यहां आया था। अग्रवाल के अनुसार चमेलिया देवी की सात अप्रैल को मृत्यु हो गई। बृहस्पतिवार सुबह अन्नू देवी तीनों बच्चों को लेकर तालाब पर पहुंची थी। तालाब के किनारे अन्नू देवी की चप्पल और पास में मोबाइल मिला है। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला ने ऐसा कदम क्यों उठाया ---इसके बारे में परिजन कुछ बता पाने में असमर्थ हैं। उनके अनुसार परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई है ,ऐसे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।**(भाषा)**

हत्या के मुकदमे में गवाही देने आए फौजी की गोली मारकर हत्या

सहारनपुर। थाना रामपुर मनिहारन के अंतर्गत हत्या के एक मामले में गवाही देने आए एक फौजी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक (देहात) सागर जैन ने बताया कि रामपुर मनिहारन अंतर्गत ग्राम मुड़ीखेड़ी निवासी राजेंद्र का पुत्र विक्रांत गुर्जन (27) फौज में जम्मू में तैनात था और वह चार दिन की छुट्टी लेकर गांव आया था। जैन ने बताया कि विक्रांत बुधवार की रात भोजन करके टहलने गया था और काफी देर तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने उसे फोन किया, लेकिन फोन बंद था। बृहस्पतिवार को गांव के चकरोड पर खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने सड़क के किनारे विक्रांत का गोली लगा शव देखा और इसकी सूचना परिजनों को दी। जैन ने बताया कि विक्रांत के सिर और सीने पर गोली लगी थी। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि विक्रांत के चचेरे भाई रजत की चार साल पहले चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी और इस मुकदमे में विक्रांत मुख्य गवाह था।**(भाषा)**

करणी सेना से जुड़े एक स्थानीय नेता के खिलाफ मामला दर्ज

अलीगढ़। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद रामजी लाल सुमन को जान से मारने पर कथित तौर पर इनाम घोषित करने को लेकर करणी सेना के एक स्थानीय नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। क्षेत्राधिकारी अभय पांडेय ने बृहस्पतिवार को बताया कि सपा सांसद को जान से मारने वाले व्यक्ति को 25 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा करने को लेकर मोहन चौहान के खिलाफ बुधवार को जवान थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। मार्च के अंतिम सप्ताह में सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में चौहान ने सुमन पर राजपूत योद्धा राणा सांगा का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कथित तौर पर कहा था कि सांसद को इसकी कीमत चुकानी होगी। समाजवादी पार्टी महिला सभा (अलीगढ़) की अध्यक्ष आरती सिंह ने इस संबंध में 29 मार्च को गांधी पार्क थाने में एक शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, यह शिकायत बाद में जवान थाने में स्थानांतरित कर दी गई क्योंकि इसी थाना क्षेत्र में चौहान रहता है। बुधवार को चौहान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और इस मामले की जांच की जा रही है।**(भाषा)**

बोतल में पेट्रोल देने से मना करने पर पेट्रोल पंप मैनेजर की गोली मारकर हत्या

बुलंदशहर। थाना सिकंदराबाद क्षेत्र अंतर्गत एक पेट्रोल पंप पर बीती रात मोटरसाइकिल सवार लोगों को बोतल में पेट्रोल देने से मना करने पर पेट्रोल पंप मैनेजर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि थाना सिकंदराबाद क्षेत्र अंतर्गत बीती रात एक पेट्रोल पंप पर दो लोग आए और अपनी मोटरसाइकिल में 200 रुपए का पेट्रोल भरवाया। इसके बाद उन्होंने एक खाली बोतल में भी पेट्रोल मांगी जिस पर सेल्समैन ने पेट्रोल देने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि इसी बात को लेकर वहां के मैनेजर राजू शर्मा (30) से उनका विवाद हो गया जिसके बाद मोटरसाइकिल सवार लोगों ने मैनेजर पर गोली चला दी और भाग निकले। घायल मैनेजर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। तहरीर लेकर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अभियुक्तों की शिनाख्त कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।**(भाषा)**

सेवानिवृत्त पीडब्ल्यूडी अधिकारी को गोली मारी

इटावा। जिले के थाना भर्थना अंतर्गत ग्राम मोढी में बुधवार की शाम खेत में सिंचाई के लिए पानी लगा रहे ओम प्रकाश (72) को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सत्यपाल सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि लोक निर्माण विभाग में अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त ओम प्रकाश के सीने पर गोली लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। उन्होंने बताया कि गोली की आवाज़ सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और देखा कि ओमप्रकाश रक्त रंजित हालत में जमीन पर पड़े हुए हैं और तब तक हमलावर मौके से फरार हो चुके थे। ओम प्रकाश को सीएचसी केंद्र भर्थना ले जाया गया जहां से उन्हें मेडिकल कालेज सैफई के लिए रिफर कर दिया गया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। भर्थना क्षेत्र में 24 घंटे के अंदर यह दूसरी घटना है। मंगलवार को इसी थाना क्षेत्र के गांव विवौली में रात को घर के अंदर घुस कर, सोते हुए युवक के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई थी।**(भाषा)**

कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव का स्वागत समारोह आज : डॉ. विजय शंकर तिवारी

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव आज 2025 को दो बजे जिला कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी डॉ. विजय शंकर तिवारी ने बताया कि कार्यालय पहुंचने के पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव का लोकसभा की सीमा से और जनपद अम्बेडकर नगर की सीमा यादवनगर से कांग्रेस कार्यालय तक जगह जगह पर भव्य स्वागत किया जाएगा, स्वागत समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। डॉ. विजय शंकर तिवारी ने बताया कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी अशोक सिंह और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के काफिले के साथ जनपद की सीमा यादव नगर पर पूर्वाह्न 11 बजे पहुंचेंगे जहां उनका विभिन्न जगह पर भव्य स्वागत कटहरी

विधानसभा के कांग्रेसजनों द्वारा किया जाएगा । शिव बाबा धाम में जनपद के वरिष्ठ कांग्रेसजनों द्वारा स्वागत के बाद जनपद मुख्यालय पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यभार ग्रहण करेंगे। जनपद अम्बेडकर नगर के समस्त पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व विधानसभा प्रत्याशियों, पीसीसी सदस्य, निवर्तमान पदाधिकारियों, समस्त फ्रंटल संगठन के पदाधिकारियों से कार्यक्रम में व्यापक भागीदारी का आवाहन जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने किया है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो की मृत्यु

फिरोजाबाद । जनपद में दो अलग-अलग स्थानों पर बृहस्पतिवार तड़के आए तूफान में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी विशू राजा ने बताया कि पहली घटना तहसील सदर क्षेत्र नारखी थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में घटी जिसमें खेत पर काम कर रही महिला ललिता देवी (30) पत्नी धर्मेंद्र आकाशीय बिजली गिरने से झुलस गई। झुलसी अवस्था में जिला अस्पताल लाने पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला आठ माह की गर्भवती थी। उन्होंने बताया कि दूसरी घटना थाना जसराना क्षेत्र के गांव चनारी में घटी जिसमें खेत पर काम कर रहे किसान पदम वीर सिंह (32) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। दोनों स्थानों पर तहसील की टीम भेजी गई है। **(भाषा)**

मार्ग के किनारे दुकानदारों द्वारा डाले गए कूड़े में अचानक लगी आग से मचा हड़कंप

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। कस्बा बदोसराय चौराहे से चन्द कदम दूर बदोसरांय सफदरगंज मार्ग के किनारे दुकानदारो द्वारा डाले गए कूड़े में अचानक आग लग गई। आग लगने के समय तेज हवा चल रही थी। जिससे आग फैलने के भय से चौराहे पर मौजूद दुकानदारों में हड़कंप मच गया। आनन फानन सभी ने एक जुट होकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया किन्तु आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंची बदोसरांय पुलिस ने फायर ब्रिगेड को बुलाया और कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने में कामयाब रहे। बुधवार की रात करीब ग्यारह बजे कूड़े के ढेर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें देखते ही चौराहे के दुकानदारों और आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, तेज हवा के

कारण आग तेजी से फैलती गई। स्थानीय लोगों के प्रयास विफल होने पर कोतवाली बदोसराय पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने भी ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने रात करीब बारह बजे तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बदोसराय सफदरगंज मार्ग के किनारे कूड़ा फेंका गया था। किसी ने कूड़े के निस्तारण के लिए उसमें आग लगा दी। जो तेज हवा के कारण विकराल रूप ले लिया। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के समय पर कार्रवाई से किसी बड़ी घटना को टाला जा सका।

कृषि मंत्री डा. सूर्य प्रताप शाही ने कृषि फार्म का किया औचक निरीक्षण

» फसलों का कम उत्पादन बुवाई कटाई में देरी आदि को लेकर जताई नाराजगी

ग्रुप 5 संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. सूर्य प्रताप शाही ने कृषि फार्म का गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने फसलों का कम उत्पादन बुवाई कटाई में देरी सहित फार्म पर निर्माण कार्य को लेकर नाराजगी जताई। कृषि मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से किसानों के योजनाओ की बिंदुवार जानकारी ली। उन्हें संतोष जनक उत्तर नहीं मिला। वहां मौके पर मौजूद जेडीए एके मिश्रा ने संतोष जनक उत्तर दिया। जिस पर मंत्री ने कहा मैंने 30 वर्ष तक खेती की है कोई हवा में उड़कर नही आये हैं। रामनगर सहादतगंज मार्ग पर

स्थित कृषि फार्म पर पहुंचे मंत्री ने गाड़ी में ही बैठकर फसलों का निरीक्षण किया इसके बाद उन्होने बैठकर अधिकारियों से बिंदुवार जानकारी ली। अरहर की क्राप कटिंग व बुवाई की तिथि पूछी संबंधित कर्मचारियों ने बताया कि दस दिन बाद बुवाई हुई है। जिस पर मंत्री ने नाराजगी जताई गेंहू की फसल को लेकर मंत्री ने पूछा 187 303 क्यो नही बोते हो बुवाई के साथ ही नोटिस बोर्ड खेत में क्यो नहीं लगाया जाता। कृषि यंत्रों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया एक पुराना ट्रैक्टर ही है जिस समय पर जुताई बुवाई नहीं हो पाती। लेजर लेवलर नहीं है। मंत्री ने अभी तक ट्रैक्टर न खरीदे जाने का कारण पूछा। कृषि फार्म पर चल रहा निर्माण कार्य अभी तक पूर्ण न होने पर मंत्री ने नाराजगी जताई। अधिकारियों ने बताया ट्रेनिंग हाल गार्ड रूम पंप हाउस आदि काम चल रहे हैं। अभी तक एक करोड़ 91 लाख की धनराशि ही मिल पाई है जबकि चार करोड़ से अधिक धनराशि स्वीकृत हुई थी। मंत्री श्री शाही ने फोन पर संबंधित अधिकारी से बात कर धनराशि उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए। ढैंचा के बीज उपलब्ध न होने पर मंत्री ने नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा फील्ड में नहीं जाओगे तो कुछ नहीं हो पाएगा ऑफिस में बैठकर काम नहीं। हर दस दिन में सभी कृषि फार्म पर जाकर निरीक्षण करें। कृषि मंत्री के निरीक्षण के दौरान एसडीएम पवन कुमार मृदा एवं सर्वेक्षण कार्यालय लखनऊ अनिल सागर, डीडी अंबेडकर नगर अश्वनी कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजित राम वर्मा,जिला कृषि रक्षक विजय कुमार, अपर जिला कृषि अधिकारी प्रीतम सिंह,सीओ गरिमा पंत, एडीओ ए जी डॉ दलबीर सिंह, फार्म इंचार्ज जितेंद्र कुमार चौरसिया सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बेमौसम बारिश होने से किसानों की गेहूं फसल को हुआ भारी नुकसान

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। तेज हवा साथ बेमौसम बारिश होने से किसानों की गेहूं फसल को भारी नुकसान। सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में गुरुवार की सुबह तेज हवा के साथ हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटी हुई गेहूं की फसल बारिश की वजह से खराब हो रही है। दरवेशपुर, कटका सीहामऊ, बरदरी और रसूलपुर बदोसराय सहित अधिकांश गांवों में गेहूं की कटी फसल खेतों में पड़ी है। किसानों का अनुमान कि इस बारिश से गेहूं की फसल को काफी नुकसान हुआ। बारिश ने किसानों के गेहूं फसल नुकसान के साथ-साथ मेहनत भी

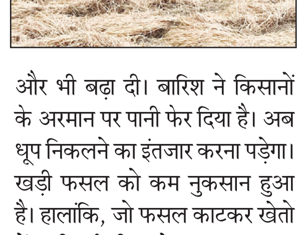

और भी बढ़ा दी। बारिश ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया है। अब धूप निकलने का इंतजार करना पड़ेगा। खड़ी फसल को कम नुकसान हुआ है। हालांकि, जो फसल काटकर खेतो में रखी गई थी। उसे ज्यादा नुकसान होने की आशंका है। बारिश से भीगी फसल को सड़ने का भी खतरा है।

युवती का शव पेड़ से लटका मिला

सहारनपुर। घर से लापता होने के एक दिन बाद एक युवती का शव आम के बाग में एक पेड़ से लटका हुआ मिला है। पुलिस ने बताया कि युवती मंगलवार को अपने घर से लापता हुई थी। पुलिस अधीक्षक सागर जैन ने बताया कि थाना बिहारीगढ़ क्षेत्र के सुरेश की बेटी प्रीति मंगलवार को अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश के बाद उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि बुधवार की शाम प्रीति का शव थाना बेहट के ग्राम जैतपुर कला में एक बाग में लटका हुआ मिला। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग था और वह उससे शादी करना चाहती थी।**(भाषा)**

संक्षिप्त समाचार

इमरजेंसी में चलेगी डेंटल विभाग की ओटी

देहरादून, एजेंसी। दून अस्पताल के डेंटल विभाग की ओटी को इमरजेंसी में शिफ्ट किया गया है। यूरोलॉजी विभाग की ओटी का इंस्पेक्शन होने के बाद ही डेंटल की ओटी को यूरोलॉजी में शिफ्ट किया जाएगा। यूरोलॉजी विभाग को सुपरस्पेशिलिटी के रूप में तैयार किया जा रहा है। इसके लिए नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमएसी) की ओर से कभी भी ओटी का दौरा किया जा सकता है। इससे पूर्व अस्पताल प्रबंधन ने इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरएस बिष्ट ने बताया कि डेंटल से जुड़े सभी केस इमरजेंसी ओटी में किए जाएंगे। मरीजों को परेशानी न हो इसका पूरा ध्यान रखा गया है।

प्रदेश के 36 लाख से अधिक बच्चों को दी जाएगी एल्बेंडाजोल

देहरादून, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजपुर में मंगलवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया। मिशन के निदेशक स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि एल्बेंडाजोल 400 मिलीग्राम की दवा राज्य के 13 जिलों में 36 लाख से अधिक बच्चों को दी जाएगी। इस अभियान में निजी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, आंगनबाड़ी केंद्र, शहरी पीएचसी की मलिन बस्तियों सहित स्कूल न जाने वाले बच्चे भी शामिल किए जाएंगे। इन बच्चों को आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में दवा दी जाएगी। महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा झरना कमठान ने बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार की एक प्रभावी पहल है, जो स्वस्थ बचपन के माध्यम से देश के भविष्य को संवारने की दिशा में कार्य कर रही है। बताया कि मंगलवार को जो बच्चे दवा नहीं ले सके उनके लिए मॉप-अप दिवस 16 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में एनएचएम निदेशक डॉ. मनु जैन, डॉ. मनोज उप्रेती, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. पल्लवी, डॉ. अर्चना ओझा, डॉ. अजय नगरकर, प्रेम लता बौड़ाई, पंकज सिंह, डॉ. ऑचल सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पर एमबीए की छात्रा की फोटो पर की अभद्र टिप्पणी

देहरादून, एजेंसी। इंस्टाग्राम पर एक एमबीए की छात्रा की फोटो पर अभद्र टिप्पणी की गई। छात्रा की इस फोटो को उनके रिश्तेदारों ने देखा तब उसे इस बात का पता चला। इस पर छात्रा ने साइबर थाना पुलिस को शिकायत की। यहां जांच के बाद अब राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला गत छह मार्च का है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि उनके रिश्तेदार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट देखा था। इस पोस्ट में छात्रा की फोटो थी और उस पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। एक के बाद एक कई परिचितों और रिश्तेदारों ने भी पोस्ट को देखा। इसके बाद मामले की जानकारी हुई। इस पर वह बहुत परेशान हो गई। इस फोटो पर काफी आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थीं। इससे छात्रा की छवि धुमिल हुई और वह बेहद परेशान होने लगी। छात्रा का कहना है कि साइबर अपराधियों की इस हरकत से उसका जीने का भी मन नहीं कर रहा है। वह उसे कभी भी ब्लैकमेल कर सकते हैं। एसओ राजपुर शैंकी कुमार ने बताया कि छात्रा की इस शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने जांच की। इसके बाद राजपुर थाने में आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में जांच की जा रही है।

तहसील मुख्यालय पर शहीद स्मारक बनाने की मांग

देहरादून, एजेंसी। गढ़वाल सभा के पदाधिकारियों व सदस्यों ने विधायक मुन्ना सिंह चौहान से उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने उत्तराखंड आंदोलनकारियों की याद में तहसील मुख्यालय पर शहीद स्मारक बनाए जाने की मांग की। उन्होंने अपनी मांग से संबंधित एक ज्ञापन भी विधायक को सौंपा।
गढ़वाल सभा के अध्यक्ष रोशन नेगी के नेतृत्व में सभा के सदस्यों ने दिनकर विहार स्थित विधायक आवास पर मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन में प्रदेश के वीरों ने बलिदान दिया था। प्रदेश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शहीदों की स्मृति में विकासनगर में कोई स्मारक आदि नहीं बनाया गया है। मौके पर मोहिनी नौटियाल, अनुप सिंह राव, सुमन मोहन ममगाई, लक्ष्मी प्रसाद कोठियाल, सुभाष ममगाई, अजय जुयाल, जीवन सिंह सजवाण आदि शामिल रहे।

प्रदेश में इंसान ही नहीं वन्यजीवों के डॉक्टरों की भी कमी

वन महकमे के सामने खड़ी है ये बड़ी परेशानी

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में इंसान ही नहीं वन्यजीवों के सामने भी डॉक्टरों का टोटा है. आलम ये है कि पूरे प्रदेश में केवल 8 पशु डॉक्टर ही मौजूद हैं. जबकि, वित्त विभाग के आदेश के बाद अब इनमें से भी 4 डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति खतरे में दिखाई दे रही है. बड़ी बात ये है कि वन विभाग में वन्यजीवों के लिए पशु डॉक्टरों के ढांचे का अपना कोई प्रावधान ही नहीं है. इसने वन्यजीवों के स्वास्थ्य और बधियाकरण जैसी योजनाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं.

उत्तराखंड में वन्यजीवों के उपचार और बंदरों का बधियाकरण (नसबंदी) जैसी योजनाओं पर नई चिंता खड़ी हो गई है. दरअसल, वन विभाग के पास जहां पशु डॉक्टरों की भारी कमी है, तो वहीं वित्त विभाग के आदेश ने प्रतिनियुक्ति पर मौजूद डॉक्टरों को लेकर भी संशय की स्थिति पैदा कर दी है. खास बात ये है वन विभाग के पास अपना कोई वेटरनरी चिकित्सकों (पशु डॉक्टरों) का ढांचा ही नहीं है. ऐसे में वन्यजीवों को लेकर वन विभाग को पूरी तरह पशुपालन विभाग पर ही निर्भर रहना पड़ता है.

वित्त विभाग के आदेश के लिहाज से 4 डॉक्टरों को लौटना होगा मूल विभागः उत्तराखंड वन विभाग में इस समय पशुपालन विभाग से प्रतिनियुक्ति पर 8 पशु डॉक्टर काम कर रहे हैं. खास बात ये है कि इनमें से आधे यानी 4 पशु डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति वित्त विभाग के आदेश के अनुसार खतरे में दिखाई दे रही है. ऐसा इसलिए क्योंकि वित्त विभाग ने स्पष्ट तौर पर 2 साल की प्रतिनियुक्ति के बाद अगले 3 साल तक सेवा विस्तार के लिए वित्त की सहमति का प्रावधान रखा है.

उधर, सेवा विस्तार के बाद 5 साल पूरे करने वाले राज्य कर्मियों को अपने मूल विभाग में जाने से जुड़ा स्पष्ट निर्देश भी इसमें दिया गया है. हालांकि, 5 साल के बाद भी किसी

कर्मी की मूल विभाग में वापसी ना करते हुए प्रतिनियुक्ति पर ही रहने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति से सहमति लेनी होगी, जो फिलहाल इन पशु डॉक्टरों के मामले में नहीं हुआ है. प्रतिनियुक्ति पर हैं ये 4 पशु डॉक्टरः वन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर मौजूद 8 पशु डॉक्टरों में से डॉक्टर दुष्यंत शर्मा वन विभाग में करीब 30 जुलाई 2014 से डटे हुए हैं. इसी तरह डॉक्टर अमित ध्यानी की वन विभाग में प्रतिनियुक्ति 2017 से बनी हुई है. डॉ. प्रेमा ध्यानी 2017 से ही वन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर हैं. जबकि, डॉक्टर राकेश नौटियाल भी 2018 से वन विभाग में सेवा दे रहे हैं. इस तरह ये चार पशु डॉक्टर 5 साल से भी ज्यादा समय से वन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर हैं. जबकि, वित्त विभाग का यह आदेश इसकी बिल्कुल भी इजाजत नहीं देता है. वन विभाग में पशु डॉक्टरों की बढ़ रही जरूरतः मानव वन्यजीव संघर्ष के बढ़ते मामलों के बीच वन विभाग में पशु डॉक्टरों की जरूरत भी बढ़ रही है. हैरानी की बात ये है कि इन बातों को जानते हुए भी वन विभाग ने अपना पशु डॉक्टर या वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट चिकित्सक के रूप में नियुक्ति का कोई ढांचा नहीं बनाया है. जबकि, पशुपालन विभाग की ओर से वन विभाग के लिए प्रतिनियुक्ति के रूप में स्वीकृत ढांचा 5 पशु डॉक्टरों का ही रखा गया है. हालांकि, इसके बावजूद पशुपालन विभाग ने अपने 8 पशु डॉक्टर वन विभाग को प्रतिनियुक्ति पर दिए हैं. एक तरफ वन विभाग में 4 पशु डॉक्टरों के 5 साल से ज्यादा प्रतिनियुक्ति पर होने के कारण उनकी वापसी का खतरा दिखाई दे रहा है तो दूसरी तरफ वन विभाग मौजूद 8 पशु डॉक्टरों के अलावा भी 6 पशु डॉक्टरों की और जरूरत मान रहा है. इसलिए वन विभाग ने पशुपालन विभाग को 6 और पशु डॉक्टर देने की मांग की है. इसके पीछे की वजह ये है कि वन विभाग को बंदरों के बधियाकरण के लिए पशु डॉक्टरों की जरूरत है. इसी तरह चिड़ियाघर से लेकर रेस्क्यू सेंटर तक भी पशु डॉक्टर की तैनाती जरूरी है. इतना ही नहीं मानव वन्यजीव संघर्ष और कई बार वन्यजीवों के जंगलों में घायल होने की स्थिति में भी पशु डॉक्टरों की आवश्यकता होती है. इस तरह कई पशु डॉक्टरों की जरूरत होने के बावजूद भी वन विभाग को पशु डॉक्टर नहीं मिल पा रहे हैं. उधर, दूसरी तरफ बाकी 4 पशु डॉक्टर हिमांशु पांगती साल 2021, तरुण कुमार गर्ग साल 2021, डॉ. प्रदीप मिश्रा साल 2022 और डॉ. राहुल सती साल 2023 से वन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर हैं. जिनकी प्रतिनियुक्ति की सीमा भी आने वाले कुछ सालों में समाप्त होने जा रही है.

वन विभाग में पशु चिकित्सकों के लिहाज से काम बहुत ज्यादा हो गया है. पहले वन विभाग के ढांचे में 5 पद स्वीकृत किए गए थे. इसके बावजूद भी पशुपालन विभाग के वन विभाग में 8 पशु चिकित्सक प्रतिनियुक्ति पर मौजूद हैं. ऐसे में पशुपालन विभाग और ज्यादा पशु चिकित्सक वन विभाग को देने की स्थिति में नहीं है।

उत्तराखंड तकनीकी विवि में प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन शुरू, प्लेसमेंट पोर्टल पर छात्रों से सीधे संपर्क करेगी कंपनी

देहरादून, एजेंसी।
वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून (यूटीयू) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में एडमिशन को लेकर प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है. इसके लिए प्रोविजनल पोर्टल शुरू कर दिया गया है. यूटीयू के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह की अध्यक्षता में सभी संबद्ध कॉलेज और कैंपस संस्थाओं के डायरेक्टर के साथ एक बैठक हुई. बैठक में आगामी प्रवेश सत्र को लेकर चर्चा हुई. वहीं, बैठक में सभी पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की कार्रवाई को अमल में लाने पर चर्चा हुई.

उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (उत्तराखंड तकनीकी विवि) के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह ने बताया कि बैठक में फैसला लिया गया कि सत्र 2025-26 में एडमिशन लेने से पहले

प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी. जिसमें कोई भी योग्यताधारी अभ्यर्थी प्रतिभाग कर पोर्टल पर अपनी च्वॉइस भर सकता है. शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने पहले प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन के लिए प्रोविजनल पोर्टल भी शुरू कर दिया है, जिस पर सभी छात्र अपने कॉलेज और ब्रांच च्वॉइस भर सकते हैं.

क्यों शुरू किया गया प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन? इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया को लेकर जागरूक करने, सब्जेक्ट च्वॉइस और सिलेबस की जानकारी आदि भरने के लिए प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन शुरू किया गया है. इस प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन के आधार पर एडमिशन अंतिम नहीं होगा. बल्कि, इसके लिए प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन कराने वाले अभ्यर्थियों को एडमिशन लेने के लिए विश्वविद्यालय की होने वाली आगामी ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेना अनिवार्य होगा. बता दें कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ढ्ढष्टञ्जश्व) और फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया जैसी नियामक संस्थाओं की ओर से जारी एडमिशन शेड्यूल के बाद विश्वविद्यालय भी अपना ऑनलाइन काउंसलिंग शेड्यूल जारी करेगा. प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन करने वाले छात्रों को कहा गया है कि वो ज्यादा से ज्यादा च्वॉइस लॉक करें. जिससे सीट आवंटन की संभावना ज्यादा बने. विकल्प भरते समय इस बात का ध्यान रखें कि जिस संस्थान या ब्रांच में एडमिशन लेने के इच्छुक हैं, उसे ही भरें.

वुमेन क्रिकेट ट्रॉफी में स्नेह की टीम ने दर्ज की पहली जीत

देहरादून, एजेंसी। सीनियर चैलेंजर्स मल्टी डे वुमेन क्रिकेट ट्रॉफी में खेले गए पांचवें व छठे मुकाबले का मंगलवार को समापन हो गया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टीम ए और टीम डी के बीच खेले गए मुकाबले में टीम डी ने 52 रनों से मैच अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट की यह पहली जीत है और टीम को सबसे अधिक छह अंक मिले। अन्य सभी पांच मुकाबले बेनतीजा रहे।

दूसरी पारी में भारतीय महिला क्रिकेटर व टीम कप्तान स्नेह राणा के बल्लेबाजों ने टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। नंदिनी कश्यप ने 33 और जी तृशा ने 39 रनों का योगदान दिया। हालांकि ओपनर बल्लेबाजों के आउट होने के बाद क्रीज पर आई जिंसी नौ और राघवी एक रन के निजी स्कोर पर चलती बनीं। इसके बाद धरा गुज्जर ने पारी को संभाला और 61 रनों की नाबाद पारी खेल टीम का स्कोर 85.1 ओवर में 244 पहुंचाया। इसके साथ ही टीम ने 52 रनों से यह मैच जीत लिया। पहली पारी में टीम डी ने 50.3 ओवर में 201 रन बनाए थे। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने पर टीम सी की टी सरकार को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। जबकि टीम के लिए प्रिया मिश्रा ने सबसे अधिक चार विकेट चटकाए।

उधर पुरकुल स्थित निजी क्रिकेट स्टेडियम में टीम बी और टीम सी के बीच चल रहे मैच के आखिरी दिन टीम बी ने दूसरी पारी खेली। इसमें ओपनर बल्लेबाज प्रतिका और आयुषी सोनी के बल्ले से रनों की बरसात हुई। दोनों से शतकीय पारी खेल टीम को तीन अंक दिलाई। हालांकि यह मुकाबला बेनतीजा रहा।

सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या की जांच के लिए समिति गठित, एक सप्ताह में देगी रिपोर्ट

देहरादून, एजेंसी।
सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या की जांच के लिए गठित समिति एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट देगी।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या की जांच के लिए समिति गठित की गई है। समग्र शिक्षा के अपर राज्य परियोजना निदेशक गुलदीप गैरोला की अध्यक्षता में गठित समिति एक सप्ताह के भीतर शिक्षा महानिदेशालय को अपनी रिपोर्ट देगी।

शिक्षा महानिदेशक झरना कमठान ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। शिक्षा महानिदेशक की ओर से जारी आदेश के मुताबिक सात सदस्यीय इस समिति में रुद्रप्रयाग के मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र कुमार बिष्ट, प्रारंभिक शिक्षा की उप निदेशक कमला बड़वाल, माध्यमिक शिक्षा के उप निदेशक जेपी काला, उत्तरकाशी के जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शैलेंद्र अमोली, पौड़ी जिले के पाबौ ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी अमित चौहान और एससीईआरटी के सहायक निदेशक कृष्णानंद बिजल्वाण को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

आदेश में कहा गया है कि समिति राजकीय प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालयों में घटती छात्र संख्या की जांच कर अपनी रिपोर्ट देगी। जो छात्र संख्या के घटने के कारणों का अध्ययन करते हुए इसे बढ़ाने के लिए सुझावों को शिक्षा मंत्री के सामने प्रस्तुत करेगी।

चिंतन शिविर में बोले केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र, केंद्र-राज्य एक रथ के दो पहिये तालमेल होना जरूरी

देहरादून, एजेंसी।
दो दिन चले शिविर में केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार अपनी पूरी टीम के साथ राज्यों के प्रतिनिधियों के बीच रहे। केंद्र और राज्य एक रथ के दो पहिये हैं। रथ तभी तेजी से दौड़ेगा, जब दोनों पहिये सही होंगे। इसलिए तालमेल होना जरूरी है। दो दिनी चिंतन शिविर के समापन के मौके पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार के संबोधन की यह पंक्तियां इस राष्ट्रीय आयोजन के उद्देश्य को प्रभावी ढंग से समझा गई।

दो दिन चले शिविर में केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार अपनी पूरी टीम के साथ राज्यों के प्रतिनिधियों के बीच रहे। उन्होंने राज्यों की तरफ से जो बातें उठी उसे सुना, समस्याओं पर चर्चा की, सुझावों को नोट किया और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए राज्यों से और सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

समापन समारोह में केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने कहा, केंद्र सभी राज्यों के लिए समान रूप से योजनाओं का निर्माण करता है। राज्य यदि उनके क्रियान्वयन पर जिम्मेदारी से काम नहीं करेगा, तो योजना चाहे जितनी अच्छी हो, वह सफल नहीं हो सकती।

चिंतन शिविर के दूसरे दिन 19 राज्यों के मंत्रियों ने अपने-अपने प्रदेशों से संबंधित विषयों को उठाया। केंद्रीय मंत्री

डॉ वीरेंद्र कुमार और केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा की मौजूदगी में केंद्रीय सचिव अमित यादव ने मंत्रियों को उपयुक्त जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने भी अपने संबोधन में तमाम विषयों को छुआ। कहा, राज्यों के लिए उनके मंत्रालय के दरवाजे हर समय खुले हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में राज्यों की जमकर हौंसला अफजाई की, लेकिन कमियां गिनाने से भी वह नहीं चूके। उन्होंने उत्तराखंड समेत कई राज्यों की तारीफ की। नमस्ते योजना के क्रियान्वयन के संबंध में उन्होंने चंडीगढ़ व केरल की पीठ थपथपाई, तो ट्रांसजेंडर कल्याण योजना के लिए तेलगांना को शाबासी दी। बिहार में भिक्षावृत्ति मुक्ति अभियान, मध्य प्रदेश व गुजरात की ओबीसी व घुमंतु जाति के उत्थान के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर सराहना की। उत्तराखंड में नशामुक्ति अभियान के लिए किए जा रहे प्रयासों पर मंत्री ने खुशी जताई।

कैबिनेट मंत्री ने किसी राज्य का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि कई राज्य ऐसे हैं।

पहले ही दिन पूरे महीने की बुकिंग फुल, 23150 यात्रियों की ही बुक हो पाई टिकट

देहरादून, एजेंसी।
हेली सेवा के टिकटों की बुकिंग आईआरसीटीसी को सौंपी गई है। लेकिन पहले दिन 23150 यात्री ही केदारनाथ हेली टिकट बुक करा पाए।

चारधाम यात्रा में केदारनाथ हेली सेवा के लिए काफी मारामारी है। इसका अंदाजा कुछ ही घंटों में मई माह की बुकिंग फुल होने से लगाया जा सकता है। बुकिंग के पहले दिन 7650 टिकटों की बुकिंग हुई। जिसमें यात्रियों की संख्या 23150 है। इस बार टिकट बुकिंग स्लॉट एक माह के लिए खोला गया था।

केदारनाथ हेली सेवा का संचालन नौ एविएशन कंपनियों के माध्यम से किया जाएगा। इसमें पवन हंस, आर्यन, थंबी, ट्रांस भारत, ग्लोबल विक्ट्रा, हिमालयन हेली, केस्ट्रल व एरो एयर क्राफ्ट शामिल हैं। हेली सेवा के टिकटों की बुकिंग आईआरसीटीसी को सौंपी गई है। लेकिन पहले दिन 23150 यात्री ही केदारनाथ हेली टिकट बुक करा पाए।

अब 31 मई तक किसी भी दिन के लिए टिकट उपलब्ध नहीं है। बता दें कि केदारनाथ हेली सेवा के लिए टिकटों की संख्या सीमित है। ऑनलाइन बुकिंग में एक दिन में 800 यात्री टिकट बुक सकते हैं। एक आईडी पर अधिकतम छह टिकट और समूह में यात्रा करने पर एक आईडी पर 12 यात्री टिकट बुक करा सकते हैं।

चिटफंड सोसाइटी एलयूसीसी के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज

देहरादून, एजेंसी। चिटफंड सोसायटी लोनी अर्बन मल्टीस्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसायटी (एलयूसीसी) के खिलाफ पटेलनगर थाने में एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। अब तक सोसायटी के खिलाफ नौ मुकदमे थानों में और दो सीधे कोर्ट में दर्ज हो चुके हैं। ताजा मुकदमे में निवेशकों और एजेंटों ने सोसायटी के डायरेक्टर समेत छह कर्मचारियों व सदस्यों को आरोपी बनाया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। ढ्ढएसएचओ पटेलनगर हरिओम राज चौहान ने बताया कि मामले में आशा देवी और सुशीला देवी समेत 12 लोगों ने शिकायत की है। इन्होंने पुलिस को बताया कि ये सभी एलयूसीसी में एजेंट और निवेशक हैं। यह सोसायटी 2012 से देहरादून और आसपास के क्षेत्र में संचालित हो रही थी। वर्ष 2016 में इन सभी ने इस सोसायटी में काम और निवेश करना शुरू किया। सोसायटी में छोटी-छोटी रकम निवेश की जाती थी। यह एफडी और आरडी के रूप में जमा होती थी जिसका एक बॉन्ड भी सोसायटी की ओर से लोगों को दिया जाता था। यह आरडी और एफडी एक निश्चित समय में परिपक्व होती थी। अक्तूबर 2024 में जब अधिकतर लोगों की आरडी-एफडी परिपक्व हुई तो सोसायटी के अधिकारी पैसा लौटाने में आनाकानी करने लगे। इस पर उन्होंने सोसाटी के सदस्य उत्तम सिंह राजपूत से मुलाकात की। लेकिन, उत्तम सिंह राजपूत भी उन्हें कोई वाजिब जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद उसकी पत्नी माया सिंह राजपूत ने सभी निवेशकों से मुलाकात की और उन्हें जल्द पैसा लौटाने का आश्वासन दिया।

ग्रुप-5 समाचार

Visit us at: www.group5news.com/epaper

लखनऊ || शुक्रवार || 11 अप्रैल 2025

सम्पादकीय

रेपो दरों में कटौती

सैयद अहमर हसनैन

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है।

ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलतः निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी। साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है। उद्योग जगत लंबे समय से ब्याज दरों में कटौती की मांग करता रहा है, जबकि केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की बनी रही थी। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने का मन बना लिया है। यह तार्किक ही कि आर्थिक प्रतिकूलताओं के बीच मंदी के प्रभाव को टालने के लिये अर्थव्यवस्था में मुद्रा का प्रवाह बढ़ाने का सहारा लिया जाए। केंद्रीय बैंक को अहसास है कि टैरिफ टकराव से घरेलू विकास दर प्रभावित हो सकती है। साथ ही निर्यात पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में सकारात्मक स्थिति यह है कि दुनिया में कच्चे तेल के दामों में गिरावट आई है, जिससे सरकार को महंगाई को काबू में रखने में मदद मिल सकती है।

राजनीतिक पर चर्चा

तीन साल में यूपी से खत्म हो जाएगी गरीबी : योगी

अजय कुमार

'मिशन रोजगार' अभियान के तहत सरकार अगले तीन-चार वर्षों में दो करोड़ युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 7.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे अपनी आजीविका कमा सकें। इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों के युवाओं को सीधा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है। वहीं, मनरेगा जैसी योजनाएं भी ग्रामीण रोजगार सृजन में मदद कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार दावा कर रही है कि वह अब गरीबी के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है। यह संकल्प सिर्फ सरकारी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे मिशन मोड में लागू किया जाएगा। सरकार के अनुसार 2025 तक प्रदेश के सभी ब्लॉकों में गरीबी निवारण की प्रगति का ऑडिट किया जाएगा और 2026 तक अधिकांश चयनित परिवार गरीबी से ऊपर उठ चुके होंगे। हालांकि योगी आदित्यनाथ का ये संकल्प विपक्षी दलों को रास नहीं आया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने इसे सिर्फ चुनावी स्टंट करार दिया है। उनका कहना है कि सरकार ने पहले भी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बड़े वादे किए, लेकिन उनके परिणाम जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं...

गरीबी हटाओ का नारा भारतीय राजनीति का सबसे पुराना और सबसे आजमाया हुआ वाक्य है। यह नारा सुनते-सुनते कई पीढ़ियां जवान हो चुकी हैं, लेकिन गरीबी का अंत अब तक नहीं हुआ। इंदिरा गांधी ने इस नारे को 1971 में दिया था और इसी नारे पर चुनाव जीतकर सत्ता में लौटी थीं। उसके बाद से लेकर आज तक हर सरकार ने इस नारे को अपनी सुविधा और राजनीतिक जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया है। नरेंद्र मोदी ने भी गरीबी को जातीय राजनीति के जवाब के रूप में पेश किया, और अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी यह संकल्प लिया है कि वे उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त राज्य बनाएंगे। यह दावा उन्होंने महाराजगंज में किया, जहां उन्होंने कहा कि अगले तीन साल में यूपी से गरीबी खत्म कर दी जाएगी और प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा। यह बात उन्होंने तब कही जब एक सप्ताह पहले ही उनका बयान आया था कि वे राजनीति में लंबी पारी खेलने नहीं आए हैं। लेकिन उनके इस नए संकल्प से साफ है कि वे अभी कहीं जाने वाले नहीं हैं। योगी आदित्यनाथ ने जो संकल्प लिया है, वह सिर्फ एक चुनावी वादा नहीं बल्कि व्यक्तिगत संकल्प बताया जा रहा है। उन्होंने खुद कहा है कि राजनीति में भी समयसीमा होनी चाहिए और इस लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने तीन साल की डेडलाइन तय की है। हालांकि तकनीकी रूप से उनके मौजूदा कार्यकाल के सिर्फ दो साल ही बचे हैं, इसलिए यह मानना मुश्किल नहीं कि उनका इरादा 2027 के बाद भी सत्ता में बने रहने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह योगी आदित्यनाथ भी गरीब को एक अलग वर्ग के रूप में पेश कर रहे हैं। जब बिहार में जातिगत जनगणना के बाद मोदी ने ओबीसी, एससी, एसटी और गरीब का नाम लिया था, तो उसी गरीब वर्ग को अब योगी राजनीति का केंद्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को देखते हुए गरीबी हटाओ का अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण है। लेकिन योगी सरकार ने इसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2024 को गांधी जयंती पर की, जब उन्होंने 'जीरो पॉवर्टी स्टेट' बनाने का ऐलान किया। सरकार के मुताबिक प्रदेश के हर ग्राम पंचायत से 25 निर्धनतम परिवारों को चिन्हित किया जाएगा और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की 17 योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। लक्ष्य है कि इन परिवारों की वार्षिक आय को 1,25,000 तक पहुंचाया जाए ताकि वे गरीबी रेखा से ऊपर आ सकें। इसके लिए सरकार खाद्यान्न, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की योजनाओं को समन्वयित रूप से उन तक पहुंचाएगी। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2013-14 में बहुआयामी गरीबी का स्तर 42.59 प्रतिशत था, जो 2022-23 में घटकर 17.40 प्रतिशत पर आ गया है। इसका अर्थ है कि बीते नौ वर्षों में करीब 5.94 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार की योजनाएं कुछ हद तक असरदार रही हैं। लेकिन यूपी जैसे विशाल और विविध राज्य में गरीबी पूरी तरह मिटाना अब भी एक बड़ा लक्ष्य है। योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, उनकी सरकार ने पिछले छह वर्षों में 55 लाख से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत घर दिए हैं। इसके अलावा तीन करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है और लगभग सभी गांवों को बिजली और पानी की सुविधा से जोड़ा गया है। सरकार का दावा है कि वह रोजगार को प्राथमिकता पर रख रही है। 'मिशन रोजगार' अभियान के तहत सरकार अगले तीन-चार वर्षों में दो करोड़ युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 7.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे अपनी आजीविका कमा सकें। इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों के युवाओं को सीधा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है। वहीं, मनरेगा जैसी योजनाएं भी ग्रामीण रोजगार सृजन में मदद कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार दावा कर रही है कि वह अब गरीबी के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है। यह संकल्प सिर्फ सरकारी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे मिशन मोड में लागू किया जाएगा। सरकार के अनुसार 2025 तक प्रदेश के सभी ब्लॉकों में गरीबी निवारण की प्रगति का ऑडिट किया जाएगा और 2026 तक अधिकांश चयनित परिवार गरीबी से ऊपर उठ चुके होंगे। हालांकि योगी आदित्यनाथ का ये संकल्प विपक्षी दलों को रास नहीं आया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने इसे सिर्फ चुनावी स्टंट करार दिया है। उनका कहना है कि सरकार ने पहले भी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बड़े

वादे किए, लेकिन उनके परिणाम जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। विपक्ष का तर्क है कि अगर सरकार वास्तव में गंभीर होती तो अब तक प्रदेश की सामाजिक सूचकांक में और सुधार दिखता। उदाहरण के तौर पर, एनएफएचएस-5 के मुताबिक प्रदेश में अभी भी कुपोषण, एनीमिया और शिशु मृत्यु दर जैसे आंकड़े चिंता का विषय हैं। एक तरफ योगी आदित्यनाथ का दावा है कि वह प्रदेश को गरीबी मुक्त बना देंगे, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश की आबादी, संसाधनों की कमी, और प्रशासनिक भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां इस अभियान को कठिन बनाती हैं। साथ ही प्रदेश के पिछड़े जिलों, जैसे बलिया, श्रावस्ती, सोनभद्र और चंदौली में अभी भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में अगर सरकार वास्तव में गरीबी खत्म करना चाहती है, तो उसे सिर्फ योजनाएं बनाने से आगे जाकर जमीनी कार्यवाही करनी होगी। फिलहाल, यूपी सरकार ने जिन योजनाओं की घोषणा की है, वे यदि ईमानदारी से लागू की जाती हैं तो परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन इन योजनाओं की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि स्थानीय प्रशासन कितना सजग और जवाबदेह रहता है। भ्रष्टाचार, लापरवाही और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी समस्याएं पहले भी कई सरकारी प्रयासों को विफल कर चुकी हैं। योगी आदित्यनाथ के संकल्प को राजनीति से जोड़कर देखने के भी कारण हैं। जैसा कि उन्होंने खुद कहा था कि राजनीति में समयसीमा होनी चाहिए, लेकिन अगर वे इस संकल्प को 2027 तक भी पूरा करना चाहते हैं तो जाहिर है कि उनका इरादा अगला चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने का है। गुजरात मॉडल की तर्ज पर वे यूपी मॉडल को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं, लेकिन विकास के मानकों पर यूपी को गुजरात जैसा बनाना आसान नहीं है।

कोर्ट ने लक्ष्मण रेखा खींच दिखाई राह

तमिलनाडु राज्यपाल विवाद

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे रोमेश भंडारी ने 1998 में कल्याण सिंह की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की अनुशंसा की थी, जिसे बाद में न्यायपालिका ने असंवैधानिक करार दिया। इसी प्रकार, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे रामलाल, जो पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके थे, ने 1984 में एन.टी. रामाराव की निर्वाचित सरकार को हटा दिया और केंद्र के समर्थन से विपक्षी नेता को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी। इस निर्णय के खिलाफ जनांदोलन खड़ा हुआ, जिसे अंततः राष्ट्रपति को पलटना पड़ा। राज्यपाल के पद को लेकर संविधान सभा में भी गहन बहस हुई थी। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने स्पष्ट किया था कि राज्यपाल केवल 'संवैधानिक प्रमुख' होंगे और वे अपनी व्यक्तिगत राय से नहीं, बल्कि राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे। कुछ सदस्यों ने यह चिंता भी जताई थी कि राज्यपाल कहीं केंद्र सरकार का प्रतिनिधि बनकर राज्यों की स्वायत्तता को बाधित न करे। लेकिन यह माना गया कि अगर पद का उपयोग संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो, तो यह संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है।संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल को 'नामित प्रमुख' के रूप में देखा था एक ऐसा पद जो केवल सलाहकार भूमिका निभाएगा...

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 8 अप्रैल, 2025 को दिया गया निर्णय भारतीय संघीय ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते, उन्हें या तो मंजूरी देनी होगी, असहमति के साथ लौटाना होगा, या राष्ट्रपति के पास भेजना होगा। यह निर्णय केवल एक कानूनी निर्देश नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यपालों के लिए एक स्पष्ट 'लक्ष्मण रेखा' खींच देने जैसा है, जिससे बाहर जाना अब संविधान की आत्मा के विरुद्ध माना जाएगा। तमिलनाडु प्रकरण और सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने केवल एक संवैधानिक संकट का समाधान नहीं किया, बल्कि एक बुनियादी सवाल भी खड़ा किया है। राज्यपाल का पद अगर लोकतंत्र के सहायक संरक्षक की भूमिका निभाए, तो वह उपयोगी हो सकता है, लेकिन जब वह केंद्र सरकार का राजनीतिक उपकरण बन जाता है, तब यह पद संविधान की आत्मा के विरुद्ध चला जाता है। आज का युग जन-जागरूकता और जवाबदेही का है।

अब समय आ गया है कि हम यह मूल्यांकन करें कि क्या वाकई राज्यपाल का पद भारतीय संघीय ढांचे को मजबूत कर रहा है? तमिलनाडु में राज्यपाल रवि ने राज्य सरकार द्वारा पारित 12 विधेयकों को महीनों तक रोके रखा, जिनमें से कई को बिना कारण बताए राष्ट्रपति के पास भेज दिया और कुछ को लौटाया भी। उन्होंने सदन के अभिभाषण के दौरान सरकार द्वारा तैयार भाषण को अधूरा पढ़ा और बीच में ही वॉकआउट कर दिया। ये सभी घटनाएं संविधान की भावना और राज्यों की स्वायत्तता के खिलाफ मानी गईं। सुप्रीम कोर्ट ने इन कृत्यों को 'लोकतंत्र की उपेक्षा' बताया और स्पष्ट किया कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह का पालन करना अनिवार्य है। यह कोई पहली घटना नहीं है जब राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच टकराव सामने आया हो। उत्तराखंड में 2016 में बहुमत परीक्षण से पहले राष्ट्रपति शासन लागू कराना, महाराष्ट्र में 2019 में तड़के सरकार बनवाना, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में असंवैधानिक हस्तक्षेप, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में राज्यपालों द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह की उपेक्षा। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि राज्यपाल का पद बार-बार विवादों में रहा है। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे रोमेश भंडारी ने 1998 में कल्याण सिंह की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की अनुशंसा की थी, जिसे बाद में न्यायपालिका ने असंवैधानिक करार दिया। इसी प्रकार, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे रामलाल, जो पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके थे, ने 1984 में एन.टी. रामाराव की निर्वाचित सरकार को हटा दिया और केंद्र के समर्थन से विपक्षी नेता को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी। इस निर्णय के खिलाफ जनांदोलन खड़ा हुआ, जिसे अंततः राष्ट्रपति को पलटना पड़ा। राज्यपाल के पद को लेकर संविधान सभा में भी गहन बहस हुई थी। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने स्पष्ट किया था कि राज्यपाल केवल 'संवैधानिक प्रमुख' होंगे और वे अपनी व्यक्तिगत राय से नहीं, बल्कि राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे। कुछ सदस्यों ने यह चिंता भी जताई थी कि राज्यपाल कहीं केंद्र सरकार का प्रतिनिधि बनकर राज्यों की स्वायत्तता को बाधित न करे। लेकिन यह

माना गया कि अगर पद का उपयोग संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो, तो यह संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल को 'नामित प्रमुख' के रूप में देखा था एक ऐसा पद जो केवल सलाहकार भूमिका निभाएगा, और राज्य की चुनी हुई सरकार की सिफारिशों पर ही कार्य करेगा। परन्तु आज की स्थिति देखें, तो साफ प्रतीत होता है कि राज्यपाल कई बार संविधान निर्माताओं की उस भावना से विचलित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट को बार-बार दखल देना पड़ रहा है, जो इस व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करता है। निःसंदेह, यदि राज्यपाल की भूमिका बार-बार अलोकतांत्रिक साबित होती रहे, तो इसके विकल्पों या इस पद की समाप्ति पर गंभीर विचार जरूरी है ताकि सत्ता नहीं, संविधान सर्वोपरि हो। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 155 कहता है कि राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी, लेकिन यह नियुक्ति केंद्र सरकार की सिफारिश पर होती है। इसी कारण राज्यपालों की निष्पक्षता पर सवाल उठते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यपालों को विधेयकों पर अनिश्चितकाल तक निर्णय टालने से रोका है, जिससे यह बहस फिर तेज हुई है कि क्या यह पद सार्थक है? एक और विकल्प यह हो सकता है कि राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र सरकार के बजाय एक स्वतंत्र, बहुपक्षीय समिति करे। जिसमें सुप्रीम कोर्ट, राज्यसभा व लोकसभा के प्रतिनिधि और संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री की भी भूमिका हो। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय सिर्फ एक राज्य की संवैधानिक व्यवस्था का पुनर्संयोजन नहीं है, बल्कि पूरे भारत के संघीय ढांचे की गरिमा को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक साहसी हस्तक्षेप है। एक ऐसा संदेश जो राज्यपालों के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी गहराई से समझना होगा।**(एजेंसी)**

राष्ट्रीय पेट्स दिवस

पशु-प्रेम, करुणा और जिम्मेदारी की पुकार

डा. मनमोहन प्रकाश

11 अप्रैल को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पेट्स दिवस पालतू जानवरों के प्रति प्रेम, करुणा और जिम्मेदारी के निर्वहन की याद दिलाता है। इसका उद्देश्य पालतू जानवरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके कल्याण को सुनिश्चित करना है। आज का मनुष्य काम, लक्ष्य और उपलब्धियों की दौड़ में एक मशीन बनता जा रहा है। शोध बताते हैं कि इस तेज़ रफ्तार, तनावपूर्ण और डिजिटल युग में किसी भी पेट ऐनिमल को घर में पालना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हो सकता है। यह न केवल अकेलेपन में भावनात्मक सहारा देता है, बल्कि एक सच्चे साथी, अच्छे श्रोता और निस्वार्थ प्रेम करने वाले की कमी भी महसूस नहीं होने देता। अनुसंधानों से यह सिद्ध हुआ है कि पेट्स के साथ समय बिताने से तनाव कम होता है, रक्तचाप नियंत्रित रहता है, मन में सकारात्मकता बनी रहती है और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि होती है। विशेषतः वृद्धावस्था में जब अकेलापन और निष्क्रियता एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, ऐसे में पालतू जानवर वृद्धजनों के लिए संबल बन सकते हैं तथा उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं।

पेट्स छोटे बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी सहायक सिद्ध हुए हैं। देखा गया है कि पालतू जानवरों के साथ समय बिताने वाले बच्चों में न केवल दया, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है, बल्कि वे जीवों के प्रति प्रेम और देखभाल की आदत भी सीखते हैं। हालाँकि, यह ज़रूरी है कि छोटे बच्चों को पेट्स के साथ तब तक अकेला न छोड़ा जाए जब तक वे जानवर की प्रकृति को पूरी तरह समझ न लें। उन्हें सिखाया जाए कि जानवरों को प्यार से छूना चाहिए, उनकी पूंछ खींचना या झकझोरना उचित नहीं है। पालतू जानवर हमें प्रकृति से भी जोड़ते हैं। वे सिखाते हैं कि इस धरती पर हर प्राणी का समान अधिकार है और हमें उनके साथ सामंजस्य बनाकर चलना चाहिए। यह पर्यावरणीय चेतना के विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। किन्तु किसी भी जानवर को पालने से पहले कुछ आवश्यक जानकारियाँ प्राप्त करना ज़रूरी है, जैसे—उसकी नस्ल क्या है? आयु कितनी है? उसके लिए उपयुक्त आहार क्या है, कितनी मात्रा में और कितनी बार देना चाहिए? कौन-से खाद्य पदार्थ उनके लिए हानिकारक हो सकते हैं (जैसे कुत्तों को चॉकलेट, प्याज, अंगूर आदि)? टीकाकरण कब कराना चाहिए? डी-वॉर्मिंग और एंटी-पैरासाइट ट्रीटमेंट कब देना चाहिए? किस स्थिति में और किस प्रकार के व्यवहार (जैसे–भोजन में रुचि न लेना, खेल में अरुचि, अकेले रहना, आदेश न मानना, आक्रामक हो जाना आदि) के आधार पर उसे पशु-चिकित्सक के पास ले जाना चाहिए? साथ ही, पालतू जानवर को जीवन के आरंभिक महीनों में किसी योग्य प्रशिक्षक से प्रशिक्षण दिलाना, भविष्य में पालक और पेट के बीच अच्छे संबंध के लिए अनिवार्य है।आजकल सड़कों और मोहल्लों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ रही है और उनके काटने की घटनाएं भी। छोटे बच्चों को कई बार जान से हाथ धोना पड़ता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं–समय पर नसबंदी और रेबीज़ का टीका न लगवाना, भूख और असुरक्षा, प्रजनन काल की स्वाभाविक आक्रामकता, मनुष्यों का उकसाने वाला या डराने वाला व्यवहार, अधिक भूख, शोरगुल, बीमारी, आदि। भोजन में उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन की कमी से 'सिरोटोनिन' हार्मोन के स्तर में गिरावट आ सकती है, जो आक्रामकता का कारण बनता है। रंगीन जंक फूड या रसायनयुक्त भोजन से हाइपरएक्टिविटी और ऐग्रेसन बढ़ सकते हैं। अत्यधिक प्रोसेस्ड या डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ भी चिंता और अवसाद जैसी मानसिक स्थितियों को जन्म दे सकते हैं। इन दिनों कुछ लोग भविष्यवक्ताओं की सलाह पर ग्रह-निवारण हेतु आवारा कुत्तों को टोस्ट, बिस्किट, ब्रेड, मिठाई आदि खिलाते हैं। यह समझना आवश्यक है कि ये खाद्य पदार्थ कुत्तों का प्राकृतिक भोजन नहीं हैं और इनके सेवन से उनकी पाचन-शक्ति, व्यवहार और ऊर्जा स्तर पर विपरीत असर पड़ सकता है, जिससे वे चिड़चिड़े या अत्यधिक उत्तेजित हो सकते हैं।

अनमोल विचार

- जीवन में आदर सम्मान बना कर रखिए आप पैसों से बड़े हो सकते हो दिल से खुद को बनाना पड़ेगा ।
- कभी-कभार कोई साधारण आदमी आ कर सबका दिल जीत लेता है क्योंकि हमेशा सादगी में रहना पसंद करता है ।
- जो चीज़ आपको नामुमकिन लगती है वो किसी के लिए आसान हो सकती है क्योंकि उसने अपना प्रतिदिन उसपे खर्च किया है ।
- आप ख़ुद के मन को निर्मल और मधुर रखिए कमियाँ निकालने वाले तो हर किसी में निकाल लेंगे ।
- सीखना ज़िंदगी भर चालू रखिए क्योंकि कब कौनसी चीज काम आ जाये किसी को नहीं पता ।

जिज्ञासा

सुधार की सज़ा

ईरान के गोन्बाद-ए-काबुस शहर में एक अनोखी घटना घटी। यहां के एक जज, कासिम नकीजादेह ने एक ऐसे दोषी को सजा दी, जो छोटे-मोटे अपराध में शामिल था। यह सजा पारंपरिक जेल की सजा से अलग थी। उन्होंने दोषी को पांच किताबें खरीदकर उन्हें पढ़ने का आदेश दिया। इसके बाद क़ैदी को उन किताबों का संक्षिप्त विवरण लिखकर जेल प्रशासन को देना था ताकि अन्य क़ैदी भी उन्हें पढ़ सकें। जज नकीजादेह का मानना था कि सजा देने के बजाय अगर क़ैदी को पढ़ने का अवसर मिले, तो वह न केवल अपने आप को सुधार सकता है, बल्कि दूसरों को भी मार्गदर्शन दे सकता है। उनका यह मानना था कि जेल में किताबें पढ़ने से एक नया दृष्टिकोण मिलता है और अपराधियों को एक बेहतर रास्ते पर चलने की प्रेरणा मिलती है। यह सजा न केवल शारीरिक दंड से बचने का रास्ता थी, बल्कि एक शिक्षा और आत्मसुधार की प्रक्रिया थी, जो दोषी को जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करती थी।

आज का राशिफल

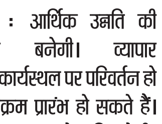

मेष: यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

वृषभ: परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

मिथुन: आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कर्क : आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। थकान व कमजोरी रहेगी।

सिंह: नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

कन्या: बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

धनु: रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मकर: मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें।

कुंभ : व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

मीन: उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा।

आज का पंचांग

11 अप्रैल को चैत्र शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि और शुक्रवार का दिन है। चतुर्दशी तिथि शुक्रवार देर रात 3 बजकर 22 मिनट तक रहेगी। 11 अप्रैल को शाम 7 बजकर 45 मिनट तक ध्रुव योग रहेगा। साथ ही शुक्रवार दोपहर बाद 3 बजकर 10 मिनट तक उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा 11 अप्रैल को दमनोत्सव मनाया जाएगा।

11 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

चैत्र शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि- 11 अप्रैल 2025 को देर रात 3 बजकर 22 मिनट तक

ध्रुव योग- 11 अप्रैल को शाम 7 बजकर 45 मिनट तक

उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र- 11 अप्रैल 2025 को दोपहर बाद 3 बजकर 10 मिनट तक

11 अप्रैल 2025 व्रत-त्यौहार- दमनोत्सव

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:59 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:44 बजे

रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो और 80एक्स को किया लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। रियलमी, जो आज के भारतीय युवाओं का सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड है उसने आज रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी को लॉन्च किया। ये दोनों ही फोन अपनी कैटेगरी में परफॉर्मेंस के मायने में उम्दा है। इनमें रियलमी की खास टेक्नोलॉजी और दमदार फीचर्स का शानदार मेल हैं, वो भी बेहतरीन और किफायती कीमतों पर। रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी में कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं, जैसे आईपी69 वॉटरप्रूफिंग, मिलिट्री-ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस और एडवांस कूलिंग सिस्टम।

रियलमी की मेक इट रियल सोच के मुताबिक, इन स्मार्टफोन्स में प्रीमियम डिज़ाइन को जबरदस्त मजबूती के साथ भावी पीढ़ी के लिए अव्वल दर्जे की परफॉर्मेंस देने वाले के रूप में तैयार किया गया है। जो उन यूज़र्स के लिए एक दम सही है, जो हर चीज़ में कुछ ज्यादा चाहते हैं। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि नार्ज़ो 80 सीरीज़ हमारा अब तक का सबसे पावरफुल ऑफर है उन यूज़र्स के लिए, जो बिना समझौता किए दमदार परफॉर्मेंस चाहते हैं।

तन्मय शाह, कैटेगरी लीडर

स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज़ एमेजॉन इंडिया ने बताया कि हमें खुशी है कि हम एमेजॉन.इन पर अपने बढ़ते 5जी स्मार्टफोन रेंज में नया रियलमी नार्ज़ो 80 सीरीज़ जोड़ रहे हैं, नार्ज़ो 80 प्रो 5जी शानदार गेमिंग परफॉर्मेंस देने का वादा करता है, वहीं नार्ज़ो 80एक्स 5जी की बैटरी काफी लंबे समय तक साथ न छोड़ने का वादा करती है। हमें पूरा भरोसा है कि ये दोनों डिवाइसेज़ उन सभी यूज़र्स की जरूरतों को पूरा करेंगे, जो दमदार परफॉर्मेंस वाले स्मार्टफोन्स को किफायती कीमत पर ढूंढ रहे हैं।

ये दोनों स्मार्टफोन एमेजॉन.इन पर रोमांचक कूपन ऑफर्स और आसान नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगे।

5 नए शेयरों पर क्वांट स्मॉलकैप फंड ने लगाया दांव

मुंबई, एजेंसी। क्वांट स्मॉलकैप फंड पूरी तरह से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से बाहर हो गया है। वहीं, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। स्मॉलकैप फंड ने मार्च में अपने पोर्टफोलियो में 5 नए स्टॉक्स जोड़े हैं। फंड ने मार्च में एसबीआई के करीब 40.04 लाख शेयर बेचे हैं। इसके अलावा, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने इस साल मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज के करीब 5.66 लाख शेयर बेचे हैं। फंड के पोर्टफोलियो में अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के 1.95 करोड़ शेयर रह गए हैं। फरवरी में फंड के पोर्टफोलियो में रिलायंस इंडस्ट्रीज के 2.01 करोड़ शेयर थे। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। क्वांट स्मॉलकैप फंड, क्वांट म्यूचुअल फंड की तरफ से मैनेज किया जाने वाला सबसे बड़ा फंड है।

फंड का इन 5 नए स्टॉक्स पर दांव- फंड ने अपने पोर्टफोलियो में बंधन बैंक, कैस्ट्रॉल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, स्टैनली लाइफस्टाइल्स और वेलस्पन इंडिया ये पांच स्टॉक्स जोड़े हैं। क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बंधन बैंक के 24.48 लाख शेयर, कैस्ट्रॉल इंडिया के 22.43 लाख शेयर, शिपिंग कॉरपोरेशन के 26.56 लाख शेयर, स्टैनली लाइफस्टाइल्स के 3.09 लाख शेयर और वेलस्पन इंडिया के 72.68 लाख शेयर खरीदे हैं।

59 प्रतिशत तक चढ़ेगा अडानी समूह का यह शेयर, 800 के पार जाएगा भाव

मुंबई, एजेंसी। अगर आप अडानी समूह की कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। मार्केट एनालिस्ट ने अडानी पावर के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। यह शेयर - अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर बीते बुधवार को 1 प्रतिशत से अधिक टूटकर 508 रुपये पर बंद हुए थे। आज गुरुवार को महावीर जयंती के मौके पर शेयर बाजार में कारोबार बंद है।

क्या है टारगेट प्राइस

वेंचुरा सिक्योरिटीज के अडानी पावर के शेयर पर 806 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। इसका मतलब है कि पिछले बंद प्राइस से अडानी समूह का यह शेयर 59 प्रतिशत तक चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि वित्त वर्ष 2024 में अडानी पावर के रेवेन्यू में 29.9 प्रतिशत और एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 31 तक कंपनी का लक्ष्य अपनी क्षमता को 30.67 गीगावाट तक बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2024-27ई के दौरान राजस्व और एबिटा में क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 10.6 प्रतिशत ष्टत्रक्रकी वृद्धि होने की उम्मीद है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे- अडानी पावर का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिजली की बिक्री बढ़ने से राजस्व में वृद्धि हुई है। कंपनी के मुताबिक, ''वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत कुल राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये था।卐 अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,738 करोड़ रुपये था।

4 सरकारी बैंकों ने ब्याज दरें घटाईं, मौजूदा और नए ग्राहकों को होगा फायदा

मुंबई, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंकों ने बुधवार को रेपो दर में कटौती किए जाने के कुछ घंटों के ही भीतर उधारी दरों में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती करने की घोषणा कर दी। ब्याज दर में कटौती करने वाले बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और यूको बैंक शामिल हैं। बैंकों के इस फैसले से उनके मौजूदा और नए उधारकर्ताओं दोनों को फायदा होगा। अन्य बैंकों की तरफ से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। आरबीआई ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.0 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों ने शेयर बाजारों को अलग-अलग दी गई सूचनाओं में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से अल्पकालिक ऋण दर (रेपो रेट) में कटौती किए जाने के बाद ऋण दर में यह संशोधन किया गया है। रेपो रेट घटने से बैंक क्यों कर देते हैं लोन सस्ता-रेपो रेट कम होने से बैंकों को आरबीआई से सस्ते दरों पर पैसा मिलेगा, जिससे वे होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन आदि पर ब्याज दरें कम कर सकते हैं। इससे ईएमआई कम होगी और लोगों की मासिक बचत बढ़ेगी। छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को भी सस्ते लोन मिलेंगे, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। चेन्नई स्थित इंडियन बैंक ने कहा कि उसकी रेपो-संबद्ध मानक उधारी दर (आरबीएलआर) 11 अप्रैल से 35 आधार अंकों की कटौती करके 8.70 प्रतिशत कर दी जाएगी। इस बीच, पंजाब नेशनल बैंक ने आरबीएल आर को 9.10 प्रतिशत से संशोधित कर 8.85 प्रतिशत कर दिया है।

टाटा प्ले बिंज लेकर आया है, आईपीएल के उत्साह के बीच क्रिकेट के रोमांच वाली फ़िल्में

मुंबई। पूरे देश में आईपीएल का उत्साह व्याप्त है। सभी पर क्रिकेट का बुखार चढ़ा है। मैच में छक्का लगने की खुशी हो, या फिर फैंटेसी लीग में बढ़ता स्कोर देखने की उत्सुकता, स्टेडियम से लेकर आपके घर की स्क्रीन तक, यह क्रिकेट का दौर बहुत ही रोमांचक है। लेकिन यदि रोज मैच देखने के बाद भी आपका मन न भरे, तो टाटा प्ले बिंज़ आपके लिए लेकर आया है क्रिकेट की प्रेरणा से बनी बेहतरीन फिल्में और सीरीज़। टाटा प्ले बिंज के साथ आप भावनाओं का उतार-चढ़ाव और रोमांच अपनी स्क्रीन पर देख सकेंगे, वो भी चैनल बदले बिना और अलग-अलग जगह लॉग इन किए बिना।

क्रिकेट का पूरा मनोरंजन मिलेगा एक ही जगह पर। तो जब मैच होगा खत्म, बिंज होगा शुरू। मैच खत्म होने के बाद भी अपनी क्रिकेट की जिज्ञासा को जारी रखें। आईपीएल मैच के उत्साह के बीच देखिए उस खिलाड़ी की कहानी, जो चेन्नई सुपरकिंग्स को ले गया विजय के शिखर पर? एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी में भारत के महान क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक, महेंद्र सिंह धोनी का जीवन दिखाया गया है। एक छोटे से शहर से आने से लेकर विश्व कप में भारत को जीत दिलाने तक वो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।

अमेज़न इंडिया 2025 के दौरान

आश्रय विश्राम केंद्रों के नेटवर्क को बढ़ाकर करेगी 100 तक

मुंबई, एजेंसी। अमेज़न इंडिया ने घोषणा की कि उसने 2025 के दौरान देश भर में अपने आश्रय केंद्रों के अपने नेटवर्क को बढ़ाकर 100 तक करने की योजना बनाई है। ये आश्रय केंद्र ऐसे विश्राम स्थल हैं जो ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में डिलीवरी एसोसिएट को बैठने की वातानुकूलित जगह, स्वच्छ पेयजल, इलेक्ट्रोलाइट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा किट और जलपान की सुविधा प्रदान करते हैं। यह उद्योग में अपने किस्म की पहली पहल है जिसके ज़्यादा व्यस्त क्षेत्रों में डिलीवरी एसोसिएट (डिलीवरी कर्मियों) और लॉजिस्टिक्स भागीदारों के लिए विशिष्ट विश्राम केंद्र मुहैया कराए जाते हैं।

पेट्रोल पंप और वाणिज्यिक किराये की जगहों (कमर्शियल रेंटल) पर स्थित ये केंद्र आवश्यक सुविधाओं से लैस हैं। ये आश्रय केंद्र पूरे साल भर में सप्ताह के सातों दिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक संचालित होते हैं, जो यहां आने वाले सभी डिलीवरी एसोसिएट को हर बार आने पर 30 मिनट तक निःशुल्क उपयोग की सुविधा प्रदान करते हैं। किसी भी समय 15 लोगों के साथ बैठने-आराम करने की सुविधा प्रदान करने की क्षमता वाले इन केंद्रों में सुविधाजनक पार्किंग की भी सहूलियत होती है।

अमेज़न में वीपी ऑपरेशंस, भारत एवं ऑस्ट्रेलिया, अभिनव सिंह ने कहा, डिलीवरी एसोसिएट का स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और आराम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आश्रय केंद्र में स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा किट और चार्जिंग पॉइंट जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम क्षेत्र की भी व्यवस्था होती है। ये केंद्र डिलीवरी एसोसिएट को उनके व्यस्त शेड्यूल के दौरान आराम और सुरक्षा प्रदान करते हैं। ईकॉमर्स और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सभी डिलीवरी एसोसिएट के लिए इन सुविधाओं को खोलने से पूरे लॉजिस्टिक्स समुदाय मदद मिलती है और इससे उद्योग के मानकों को ऊपर उठाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ज़ाहिर होती है।

सोने के उछले भाव, इस साल 14421 हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने के फैसले के बाद निवेशकों ने सोने में जमकर पैसा लगाया और एक बार फिर सोने के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। स्पॉट गोल्ड गुरुवार को 0.2 प्रतिशत बढ़कर 3,089.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.8 प्रतिशत चढ़कर 3,104.90 डॉलर पर पहुंच गया। पिछले दिनों स्पॉट गोल्ड 2.6 प्रतिशत और फ्यूचर्स 3 प्रतिशत उछले थे। जबकि, 3 अप्रैल को सोना 3,167.57 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। महावीर जयंती के मौके पर आज 10 अप्रैल को भारतीय शेयर मार्केट और कमोडिटी बाजार बंद रहेंगे। हालांकि, शाम 5 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर कमोडिटी ट्रेडिंग शुरू होगी।

इस साल अबतक सोना 14421 रुपये उछला

अगर घरेलू सर्राफा मार्केट की बात करें तो इस साल अबतक सोना 14421 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी के भाव 4652 रुपये चढ़े हैं। अगर अप्रैल की बात करें तो गोल्ड की कीमत 997 रुपये चढ़ी है और चांदी 10265 रुपये कमजोर हुई है।

सोने के भाव में 1611 रुपये की उछाल- भारतीय सर्राफा बाजारों में सोने का हाजिर भाव एक बार फिर उछल गया है। आईबीजेए के अनुसार बुधवार को 24 कैरेट सोने के भाव में 1611 रुपये का उछाल आया और यह 90161 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 306 रुपये चढ़कर 90669 रुपये पर पहुंच गई। हालांकि, एमसीएक्स पर सोना बुधवार को 80 रुपये (0.09 प्रतिशत) गिरकर 89,724 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। दिन में यह 90,853 रुपये तक भी पहुंचा था। चांदी 2,856 रुपये (3.22 प्रतिशत) चढ़कर 91,600 रुपये प्रति किलो हुई।

क्यों बढ़ रहा है सोना

ट्रंप ने चीन से आयात पर टैरिफ 104 प्रतिशत से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, लेकिन अन्य देशों पर टैरिफ बढ़ाने को 90 दिन के लिए टाल दिया। निवेशकों को डर है कि टैरिफ से महंगाई बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा

अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होंगे सभी देश

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ लगाने के बाद व्यापार युद्ध गहराने की चिंता ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है। ट्रंप टैरिफ से न सिर्फ दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यात और महंगाई के लिए भी नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। हालांकि, भारत पर टैरिफ का असर कई अन्य देशों की तुलना में कम होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, भारत के कुल निर्यात का जीडीपी में 12 फीसदी योगदान है, जबकि अमेरिका को होने वाला निर्यात 2 फीसदी से भी कम है। इसके उलट, चीन की जीडीपी में उसके निर्यात का हिस्सा करीब 19 फीसदी, जर्मनी का 37 फीसदी और यूरोपीय संघ (ईयू) का 30 फीसदी से ज्यादा है। इसी प्रकार, ताइवान और ईरान जैसे देशों से होने वाले निर्यात का उनकी जीडीपी में अधिक योगदान है। इसके अलावा, टैरिफ भारत के लिए कम महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार अधिशेष अन्य देशों से कम है। यह भारत को अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में तुलनात्मक लाभ देता है। हालांकि, यह सच है कि टैरिफ वृद्धि दर को धीमा कर सकता है। गवर्नर ने कहा, दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई है। बॉन्ड पर रिटर्न घटा है। शेयर बाजारों में गिरावट आ रही है। क्रूड करीब चार साल के निचले स्तर पर आ गया है। ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक प्राथमिकताओं के आधार पर सतर्कतापूर्वक काम कर रहे हैं।

शुल्क युद्ध के महंगाई से ज्यादा वृद्धि पर प्रभाव को लेकर चिंता- जहां तक भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का सवाल है, हमने अपना आकलन दे दिया है। हमने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान में 0.20 फीसदी की कमी की है। इसका प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। शुल्क युद्ध का महंगाई की तुलना में आर्थिक वृद्धि

पर असर को लेकर चिंता ज्यादा है।

यूपीआई : ग्राहक अब कर सकेंगे ज्यादा भुगतान- आरबीआई ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को यूपीआई के जरिये 'पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूपीआई के जरिये बड़े भुगतान का रास्ता खुल गया है। हालांकि, पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये ही रहेगी। यानी एक व्यक्ति यूपीआई के जरिये किसी दूसरे शख्स को एक बार में अधिकतम एक लाख रुपये ही भेज सकता है। वर्तमान में व्यक्ति से कारोबारियों (पी2एम) को लेनदेन के तहत ग्राहक पूंजी बाजार और बीमा जैसे मामलों में एक बार में अधिकतम दो लाख रुपये का भुगतान कर सकता है। वहीं, टैक्स, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भुगतान सीमा पांच लाख रुपये है।

गवर्नर ने कहा, अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार एनपीसीआई, बैंकों और यूपीआई परिवेश से जुड़े अन्य पक्षों के परामर्श से उपयोगकर्ता की बदलती जरूरतों के आधार पर यूपीआई सीमा में संशोधन कर सकता है।बैंकों को एनपीसीआई की घोषित सीमाओं के भीतर अपनी आंतरिक लिमिट तय करने का विवेकाधिकार बना रहेगा। ऊंची सीमा से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार: पांच महीने के उच्च स्तर पर

आरबीआई ने बताया, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अप्रैल तक 10.9 अरब डॉलर बढ़कर 676.3 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पांच महीने का सर्वाधिक स्तर है। यह भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़ा है।

अमेरिका को 2024 में 33 अरब डॉलर का निर्यात

भारत ने 2024 में अमेरिका को करीब 33 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया है। इनमें सर्वाधिक 8.1 अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों का निर्यात शामिल है। 6.5 अरब डॉलर के दूरसंचार उपकरणों, 5.3 अरब डॉलर की कीमती पत्थरों, 4.1 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों का भी निर्यात किया गया है। भारत ने 2024 में अमेरिका से 4.5 अरब डॉलर के क्रूड समेत 18.1 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात किया है।

जीडीपी के लिए कुछ अच्छे संकेत, 6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

आरबीआई गवर्नर ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छे संकेत भी दिख रहे हैं। जलाशयों की बेहतर स्थिति और चालू वित्त वर्ष में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। विनिर्माण गतिविधियों में सुधार है। कारोबारी उम्मीदें मजबूत हैं। सेवा क्षेत्र भी जुझारू प्रदर्शन कर रहा है। निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग के साथ सरकार बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ा रही है। बैंकों एवं कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार से निवेश बढ़ने की उम्मीद है। मल्होत्रा ने कहा, बेहतर कृषि उत्पादन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है।

मोच के चलते स्ट्रेचर पर बाहर गईं, टीम मुश्किल में दिखी तो वापस आईं, दर्द सहते हुए जड़ा शतक

लाहौर, एजेंसी

महिला विश्व कप 2025 के क्वालिफिकेशन मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने सभी फैंस को भावुक कर दिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को मैच के बीच में ही मोच आई। वह दर्द से कराहती रहीं। जब उनसे बल्लेबाजी नहीं हुई तो वह स्ट्रेचर पर लेटकर मैदान से बाहर गईं (दो बार रिटायर्ड हर्ट हुईं)। फिर टीम को मुश्किल में देखा तो दर्द के बावजूद वापस क्रीज पर आईं और बल्लेबाजी की। दर्द में रहते हुए उन्होंने बड़े-बड़े शॉट खेले और शतक भी पूरा किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। इसे देखकर फैंस भावुक तो हुए ही, लेकिन इस बात की सीख भी मिली की कभी हार नहीं मानना चाहिए। इसका वीडियो भी सामने आया है और फैंस हेली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हेली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं।

वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड का मुकाबला

दरअसल, महिला विश्व कप 2025 क्वालिफायर में बुधवार को वेस्टइंडीज का सामना स्कॉटलैंड से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की महिला टीम 45 ओवर में 244 रन पर सिमट गई। विकेटकीपर सारा ब्राइस ने 55 रन और मेगन मैकॉल ने 45 रन की पारी खेली। इस दौरान हेली ने गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड के चार विकेट भी झटके थे। उन्होंने 10 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट झटके। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम को सात पर पहला झटका लगा था। इसके बाद हेली ने जायदा जेम्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। जायदा 45 रन बनाकर आउट हुईं। 120 रन पर वेस्टइंडीज के दो विकेट गिरे थे। इसके बाद एक वक्त यानी 39वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 192 रन हो गया था। 39वां ओवर खत्म होते ही हेली मैथ्यूज से रहा नहीं गया और उन्होंने रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला लिया।

39वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुईं हेली मैथ्यूज

39वें ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 194 रन था। हेली 99 गेंद में 95 रन और आलिया एक रन बनाकर क्रीज पर थीं। इतने रन तक पहुंचने में भी हेली को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्हें शुरुआती ओवरों में ही मोच आई थी, लेकिन जैसे तैसे शॉट लगाकर उन्होंने पारी जारी रखी थी। कई बार तो फीजियो मैदान में आए और दर्द से कराह रहीं हेली का इलाज किया। हेली दर्द से कई बार जमीन पर भी ले गईं। 39वें ओवर में उनसे नहीं रहा गया और रिटायर्ड हर्ट हुईं। हेली को स्ट्रेचर पर लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया। फिर 42वें ओवर की दूसरी गेंद पर जैसे ही वेस्टइंडीज का आठवां विकेट गिरा।

लक्ष्य हासिल किया जा सकता था

रॉयल्स के गेंदबाजी कोच बहुतुले ने बताया कहां हुई गलती

अहमदाबाद(एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने कहा कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था लेकिन उनकी टीम अच्छी साझेदारी निभाने में नाकाम रही। साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) के अर्धशतक बदौलत गुजरात ने 217 रन बनाए। इसके बाद गुजरात सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 4 गेंदें रहते 159 पर ढेर करते हुए 58 रन से जीत दर्ज की। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहुतुले ने कहा, 'मुझे लगता है कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। यह बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा विकेट था। ईमानदारी से कहूं तो 200 रन बराबरी का स्कोर था। मुझे लगता है कि हमने 20 रन अधिक दिए लेकिन उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। सुदर्शन में शानदार बल्लेबाजी की और उन्होंने पावर प्ले का अच्छा उपयोग किया। उन्होंने कहा, 'उनके बल्लेबाजों ने हमारी तुलना में अच्छी साझेदारियां निभाई। यही कारण था कि उन्होंने बड़ा स्कोर खड़ा किया लेकिन मेरा मानना है कि अगर हमने अच्छी साझेदारियां निभाई होती तो हम लक्ष्य के काफी करीब पहुंच सकते थे।

अंक तालिका में गुजरात टाइटंस बनी टॉपर

राजस्थान ने सीजन की शुरूआत हैदराबाद से 44 रन तो कोलकाता से 8 विकेट से हार के साथ की थी। लेकिन इसके बाद उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 रन तो पंजाब किंग्स को 50 रन से हराकर बढ़त बनाई थी लेकिन अब एक और हार के कारण वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर आ गई है। उनके बाद मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद का नाम है जोकि सीजन में 4-4 मुकाबले गंवा चुके हैं। वहं, गुजरात जायंट्स 5 मैचों में चार जीत के साथ अंक तालिका में टॉप पर आ गई है। गुजरात ने सिर्फ पंजाब से पहला मुकाबला 11 रन से गंवाया था। इसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब राजस्थान के खिलाफ उन्होंने जीत हासिल की है। अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर आ गई है।

आज चेन्नई को करना होगा कोलकाता की कड़ी चुनौती का सामना

चेन्नई (एजेंसी)। लगातार हार से बेजार चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। चेन्नई की टीम को अभी तक पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है और इसलिए यह मैच उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गया है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से 18 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था।

चेन्नई की टीम अब अपना भाग्य बदलने के उद्देश्य से अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिए उतरेगी। उसे हालांकि अभी तक यहां के विकेट से उतनी मदद नहीं मिली है जैसे कि अतीत में मिला करती थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बड़ी हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर व्यक्त की थी। चेन्नई की पिछली सफलताओं में उसका घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन अब यहां की पिच काफी बदल गई है और उसके खिलाड़ी इससे सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं।

चेन्नई को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके खिलाड़ियों को जल्द से जल्द यहां की परिस्थितियों से तालमेल बिठाना होगा। यही नहीं उसके स्पिन गेंदबाजों को सफलता हासिल करने का तरीका ढूंढना होगा। सभी की निगाहें एक बार फिर से महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी रहेगी। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 12 गेंद पर 27 रन बनाए थे जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है।

चेन्नई की टीम के लिए अच्छी बात यह है कि डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाजों ने लय हासिल करने के संकेत दिए हैं लेकिन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ से बड़ी पारी की दरकार है। चेन्नई की गेंदबाजी कमोबेश वैसी ही रहेगी, जिसमें खलील अहमद, मुकेश चौधरी और मथीशा पथिराना तेज गेंदबाजी विभाग संभालेंगे जबकि रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा और नूर अहमद पर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी होगी।

जहां तक ??नाइट राइडर्स का सवाल है, वे तीन दिन पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मिली करीबी हार से उबरने और इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेंगे। उनके गेंदबाजों को ईडन गार्डन्स में लखनऊ के बल्लेबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। उन्हें यहां अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

बल्लेबाजी में नाइट राइडर्स का दारोमदार फिर से क्विंटन डी कॉक, सुनील नारायण, कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों पर रहेगा। अगर अंक तालिका में वर्तमान स्थिति का जिक्र करें तो चेन्नई चार हार और एक जीत के बाद नौवें स्थान पर, जबकि केकेआर पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ छठे स्थान पर है।

टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स – क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नारायण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, लवनिथ सिसौदिया, मोइन अली, रोवमैन पॉवेल, मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज और चेतन सकारिया।

चेन्नई सुपर किंग्स – रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्घार्थ।

समय – शाम 7.30 बजे।

गुजरात के गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया : पार्थिव पटेल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट पर अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) ने शानदार अर्धशतक लगाया, इसके बाद सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 58 रन से जीत दिलाई। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पार्थिव ने मैच के बाद कहा, 'जब आप इस तरह के विकेट पर 50 रन से अधिक के अंतर से जीत हासिल करते हैं तो इसका मतलब होता है कि आपके गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। मोहम्मद सिराज ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट में शुरू से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। साई किशोर शायद अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है। हमारे सभी गेंदबाजों ने गेंदबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया। पार्थिव ने कहा, 'यह देखकर अच्छा लग रहा है कि प्रत्येक मैच में कोई गेंदबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। निश्चित तौर पर बल्लेबाजों ने जीत की नींव रखी लेकिन वास्तव में गेंदबाज आपको मैच जिताते हैं। हमारी टीम में किसी को कोई खास भूमिका नहीं सौंपी गई है। एक टीम के रूप में हमारा रवैया बेहद सरल है। हम परिस्थितियों के अनुसार रणनीति तैयार करते हैं।

संजू सैमसन पर लगा 24 लाख रुपए का भारी जुर्माना

अहमदाबाद (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण 24 लाख रुपए का भारी जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस ने बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया यह मैच 58 रन से जीता था। राजस्थान रॉयल्स की टीम 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 159 रन पर आउट हो गई थी।

आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से जुड़े अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का दूसरा अपराध था, इसलिए सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बयान में कहा गया है, 'इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस की टीम अभी पांच मैचों में चार जीत और एक हार के साथ शीर्ष पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ सातवें स्थान पर है।

भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, सामने आया पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली–भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह सीरीज 26 अप्रैल से चार मई तक चलेगी। भारतीय टीम सीरीज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होने वाले दो मैचों से करेगा। इसके बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी। सीनियर टीम से मैच एक, तीन और चार मई को खेले जाएंगे। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा जून में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के दौरान अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया था, लेकिन इन दोनों टीम के बीच 2013 के बाद खेले गए 16 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 10 में जीत हासिल की है। भारत ने तीन जीत दर्ज की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे के संदर्भ में कहा, यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है।

गिरगिट है तुम्हारा आराध्य देव, लाइव मैच में भिड़े सिद्धू और रायुडू

मुल्लांपुर। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में धोनी बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन 27 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अब इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में धोनी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी; छह टीमें हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर आयोजकों ने बुधवार को बड़ा एलान किया। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने इस बहुराष्ट्रीय आयोजन में क्रिकेट के लिए टीमें तय कर दी हैं। महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छह टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए टक्कर लेती दिखेंगी।

साल 1900 में क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा था

पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे।

आईसीसी के 12 नियमित सदस्य

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

पांच खेलों को शामिल किया गया

क्रिकेट उन पांच नए खेलों में शामिल है, जिन्हें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने इन पांच खेलों के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किए जाने की पुष्टि साल 2023 में की थी। क्रिकेट के अलावा इनमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस और स्क्वॉश शामिल हैं।

देश का प्रतिनिधित्व करेंगे काशी के दो खिलाड़ी, पैरा टेबल टेनिस में दिखाएंगे दम

वाराणसी। जॉर्डन की राजधानी अम्मान शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में वाराणसी के दो खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालिका वर्ग में वाराणसी के सिगरा निवासी प्रियांशी केशरी जबकि पुरुष वर्ग में बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के छात्र विवेकानंद सिंह खेलेंगे। बालिका वर्ग में प्रियांशी टेनिस में भारत की टॉप सीड खिलाड़ी हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित रूईया मैदान पर बुधवार को टी-10 क्रिकेट खेला गया। आईएमएस प्रीमियर लीग में बुधवार को पहला मुकाबला सुपर स्ट्राइकर बनाम ब्लड बैंक के बीच खेला गया। इसमें सुपर स्ट्राइकर एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट पर 139 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ब्लड बैंक की पूरी टीम 120 रन पर आउट हो गई।

आयुष सांडिल्य ने 54 मीटर दूर फेंका भाला

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एंफीथियेटर मैदान में एथलेटिक्स कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रशिक्षण के बाद प्रतियोगिता में राष्ट्रीय खिलाड़ी आयुष सांडिल्य 54 मीटर भाला फेंका।शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एथलेटिक्स कार्यशाल में प्रो. टीम ओनिमा रेड्डी ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि जेवलीन थ्रो में इंजरी की संभावना अधिक होती है। इससे बचने के लिए खिलाड़ियों को समय समय पर नई तकनीक की जानकारी दी जाती है।

यूपी टीम में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ी

68वीं राष्ट्रीय खो खो प्रतियोगिता के लिए यूपी की टीम घोषित कर दी गई है। बालक वर्ग में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ियों को जगह मिली है। जिला क्रीड़ा सचिव विनोद सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में जौनपुर के कमला नेहरू इंटर कॉलेज अकबरपुर के अखिल और मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज के हरशेंद्र प्रताप, गाजीपुर के नंद किशोर सिंह इंटर कॉलेज रामपुर के सूरज राजभर, वाराणसी के बच्छांव स्थित महामना मालवीय इंटर कॉलेज के सूर्यभान कन्नोजिया को जगह मिली है।

संक्षिप्त समाचार

आरसीसीपीएल प्राइवेट लि. ने तीर्थयात्रियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और विश्राम तंबू की सुविधा शुरू की

भोपाल। समुदाय कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड ने चैत्र नवरात्रि के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए एक समर्पित प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और विश्राम तंबू स्थापित किया है। यह पहल आध्यात्मिक यात्रा पर निकले भक्तों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस सुविधा के तहत अब तक 2,500 से अधिक मरीजों की जांच की गई और उन्हें प्राथमिक चिकित्सा सहित चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा, तीन गंभीर मामलों को तत्काल उन्नत उपचार के लिए मैहर जिला अस्पताल में रेफर किया गया, जो कंपनी की आपात स्थिति से निपटने की तैयारी को दर्शाता है। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड के यूनिट हेड और एचआर हेड ने सुविधा के सुचारू संचालन और तीर्थयात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण किया। इस पहल का दौरा रेलवे सरकारी अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों ने भी किया, जिन्होंने इन प्रयासों की सराहना की। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड समुदाय के समर्थन और तीर्थयात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इस तरह के सार्थक योगदान के प्रति समर्पित है।

जुजुत्सु कैसेन का आपका डेली डोज अब सोनी ये! पर

मुंबई। तैयार हो जाइए एक ऐसी दुनिया में कदम रखने के लिए जहाँ स्कूल सिर्फ किताबों के लिए नहीं, बल्कि शापों से लड़ने के लिए भी होता है! जुजुत्सु कैसेन अब आधिकारिक रूप से सोनी ये! पर आ चुका है - और ये एक्शन प्रेमियों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।मिलिए यूजी इतादोरी से - एक ऐसा हाई स्कूल स्टूडेंट जो अभिशप्त उंगली खा लेता है (हाँ, आपने सही पढ़ा!) और अचानक एक शक्तिशाली शाप का वाहक बन जाता है। इसके बाद शुरू होता है ताबड़तोड़ एक्शन, ज़बरदस्त ताकतें और जादू-टोने की दुनिया।हे आप गोजो-सेंसई की स्टाइल के फैन हों, नोबारा के एटिट्यूड के दीवाने, या फिर बस ज़बरदस्त लड़ाइयाँ देखने आए हों - इस शो में सबकुछ है!तो, अपने पॉपकॉर्न (और शायद एक-दो तावीज़ भी) तैयार रखिए, और देखिए जुजुत्सु कैसेन अब हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली और मराठी में - सिर्फ सोनी ये! पर। चेतावनीः देखने के बाद अचानक जादू-टोना सीखने की इच्छा जाग सकती है।

बेकाबू हो गई कार और पेड़ से जोरदार टक्कर; गाजियाबाद में देर रात 2 दोस्तों की दर्दनाक मौत

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के कविनगर थानाक्षेत्र में बुधवार देर रात बेकाबू कार सड़क किनारे पेड़ों से टकरा गई। हापुड़ रोड स्थित कलेक्ट्रेट के सामने हुए हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दोनों युवक अवंतिका के रहने वाले थेम घटना के बाद उनके परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस के मुताबिक बुधवार देर रात डायल-112 पर हापुर रोड स्थित कलेक्ट्रेट भवन के सामने सड़क हादसे की सूचना मिली। कविनगर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक बोलेरो गाड़ी सड़क किनारे पेड़ों से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। घटना के वक्त कार में दो युवक सवार थे, जिन्हें एंबुलेंस से संजय नगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल ले जाया जा चुका था। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान कविनगर थाना क्षेत्र के माया कुंज अवंतिका निवासी 22 वर्षीय आयुष चौहान और अवंतिका फर्स्ट निवासी 19 वर्षीय अर्जुन के रूप में हुई। एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आयुष चौहान मूलरूप से नगर कोतवाली क्षेत्र के भाटिया मोड़ का रहने वाला था। घटना के वक्त दोनों कहां जा रहे थे, इसका पता लगाया जा रहा है। प्रथमदृष्टया तेज रफ्तार में होने से कार के अनियंत्रित होने से हादसा होने का अंदेशा है। मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है।

बर्फीली वादियों में दौड़ेगी वंदे भारत

नई दिल्ली, ग्रुप 5 समाचार। अप्रैल की हल्की ठंडक और वसंत की खिलती बहार... हिमालय की बर्फीली चोटियाँ, सेब के पेड़ों पर गुलाबी फूलों की चादर, और मैदानों की हरी घास – यह सब अब सिर्फ कल्पना नहीं रहेगा। क्योंकि अब जल्द ही, यह सब आप अपनी आंखों के सामने, जम्मू कश्मीर के लिए स्पेशल डिजाइंड वंदे भारत ट्रेन में बैठकर देख सकेंगे। जैसे ही ट्रेन पहलगाम की घाटियों से गुजरेगी, हरियाली से सजी वादियाँ, दूर तक फैले चीड़ के जंगल और चरवाहों की झलक आपको एक लम्हे में रोक देंगे। देवदार की खामोशी को चीरती वंदे भारत की रफ्तार – तकनीक और प्रकृति का अद्भुत संगम जल्द ही आपको देखने को मिलेगा।

इंजीनियरिंग का कमाल

÷मेक इन इंडिया÷ के तहत इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ढ्ढष्टस्न) में बनी यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस है, जो बिजली सी चलती है। मगर सुरक्षित और आरामदायक सफर की मिसाल है। इसका सफर हर भारतीय को गर्व से भर देगा।

क्यों खास है कश्मीर वाली वंदे भारत?

यह वंदे भारत एक्सप्रेस विश्वसनीयता, सुरक्षा और यात्रियों के आराम को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक एवं उन्नत सुविधाओं से युक्त है। इस वंदे भारत ट्रेन को कश्मीर घाटी की कठिन जलवायु परिस्थितियों में सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिससे अब हर मौसम में कश्मीर घाटी तक पहुंचना आसान होगा और वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत, क्षेत्र में यात्री सेवाएँ एवं पर्यटन अनुभव बेहतर बनाएगी।

ज़ीरो से नीचे तापमान, फिर भी कनेक्टिविटी बरकरार

जम्मू-कश्मीर जैसे सर्द मौसम वाले क्षेत्र में सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में विशेष तकनीकी सुविधाएँ प्रदान की गई हैंः

- सिलिकॉन हीटिंग पैडः यह वॉटर और बायो-टॉयलेट टैंकों में पानी को जमने से रोकेंगे। साथ ही, इनमें ओवरहीट प्रोटेक्शन सेंसर लगे हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि शून्य या माइनस तापमान में भी रेल संचालन सुचारू रूप से हो।
- हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइनः जीरो डिग्री से भी कम तापमान में सेल्फ-रेगुलेटेड हीटिंग केबल्स पानी को जमने से रोकेंगे।
- ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्मः प्लंबिंग लाइनों में पानी के जमने की समस्या को रोकेगा, जिससे संचालन में कोई बाधा नहीं आएगी।

यात्रा होगी सुगम और सुरक्षित

कश्मीर की कठिन परिस्थितियों में ड्राइवर की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे सुगम यात्रा संभव होगीः

- एंबेडेड हीटिंग एलिमेंटः फ्रंट लुकआउट ग्लास में लगाए गए यह एलीमेंट सर्द मौसम मंभ विंडशील्ड को डी-फ्रॉस्ट कर ड्राइवर को क्लियर विज़न प्रदान करेंगे, जिससे सुरक्षित व सुगम ट्रेन संचालन हो सकेगा।
- एंटी-स्पॉल लेयरःबर्फबारी या आंधी जैसे कठिन मौसम के दौरान यह लेयर ड्राइवर को सुरक्षित ट्रेन के संचालन में सहायता करेगा।
- सुरक्षित और आरामदायक वर्क एनवायरनमेंटः ट्रेन को कठिन मौसम परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पेशल रूप से डिज़ाइन किया गया है।

भारतीय रेल की न्यू-एज टेक्नोलॉजी

इस वंदे भारत ट्रेन के सुचारू संचालन और यात्रियों के आराम के लिए कई तकनीकी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैंः

- एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंगः अत्याधिक ठंड में एयर ब्रेक सिस्टम की दक्षता बनाए रखेगा। साथ ही, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (॥ङ्कष्ट) डक्ट्स द्वारा यात्रियों की आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की गई है।
- 5 द्मङ्क ट्रांसफॉर्मरः ट्रेन के महत्वपूर्ण घटकों के सुचारू संचालन और ठंडे मौसम में उनकी दक्षता बनाए रखने के लिए इसे अंडरफ्रेम में विशेष रूप से स्थापित किया गया है।
- पूर्ण वातानुकूलित कोचः सेमी-हाई-स्पीड क्षमताओं (160 किमी प्रति घंटे) से लैस होंगे, जिससे तीव्र और समयबद्ध यात्रा संभव होगी।
- आधुनिक सुविधाएँः चौड़े गैंगवे, स्वचालित प्लग डोर, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी जैसी सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को सुगम बनाएंगी।

यात्रा में विकास का अनुभव

कश्मीर घाटी में वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत रेल यात्रा में एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह सेवा सभी मौसमों में निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी, जो बर्फबारी, कठोर ठंड और कठिन पर्वतीय चुनौतियों को पार कर सुगम यात्रा का भरोसा दिलाती है। आधुनिक सुविधाओं और जलवायु-विशिष्ट अनुकूलन के साथ, यह ट्रेन यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। कश्मीर घाटी को सम्पूर्ण देश से अभूतपूर्व रूप से जोड़ने के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस भौगोलिक और आर्थिक अंतर को भी समाप्त करेगी।

फरीदाबाद के बाल भवन में शौचालय में बच्चों से बर्तन धुलवाए, वायरल वीडियो से हड़कंप

फरीदाबाद एजेंसी। फरीदाबाद एनआईटी दो स्थित दौलत राम धर्मशाला के समीप चल रहे बाल भवन में शौचालय के नल से खाने के बर्तन धोने का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर सोशल मीडिया में वीडियो भी वायरल हुआ है। उस वीडियो में दो बच्चे शौचालय के नल से बर्तन साफ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो जनवरी का बताया जा रहा है। इस वीडियो में बाल भवन में रह रहे बच्चों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति गंभीरता की पोल खोल कर रख दी है।

आरोप है कि जिला प्रशासन बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। बता दें कि बाल भवन में बाल मजदूरी, हिंसा का शिकार और घर से भागे बच्चों को रखा जाता है और जिला प्रशासन की ओर से उनके रहने और खाने की व्यवस्था की जाती है। इस समय बाल भवन में 20 बच्चे रह रहे हैं। जिला प्रशासन ने वीडियो वायरल की बात स्वीकार की है और उस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि यह वीडियो पुराना बताया जा रहा है, लेकिन अब यह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। छह मार्च को ही एडीसी की अध्यक्षता में जांच के आदेश दे दिए गए थे। उस दौरान कुछ खामियां मिली थीं। जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए त्वरित कदम उठाए जाएंगे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएंगे। इस मामले को लेकर बाल भवन से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद उन्होंने बाल संरक्षण विभाग के हेडक्वार्टर और डीसी ऑफिस को रिपोर्ट भेजी है। विभाग की एक टीम 19 फरवरी को जांच करके गई है। फिलहाल मामला हेडक्वार्टर के उच्च अधिकारियों के अधीन है।

हीरा कारखाने के 150 कारीगरों की पानी पीने के बाद बिगड़ी तबीयत, पुलिस बोली सल्फास मिलाया

सूरत, एजेंसी।
गुजरात के सूरत शहर में स्थित एक हीरा कारखाने में उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां काम करने वाले 150 से अधिक कारीगरों की अचानक तबीयत खराब हो गई। यह घटना कापोदरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनभ जेम्स नामक डायमंड फैक्ट्री में हुई, जहां कारीगर रोजाना की तरह हीरा तराशने का काम कर रहे थे।

पुलिस और कारखाना प्रबंधन के अनुसार, कुछ कारीगरों ने फैक्ट्री में लगे वाटर कूलर से पानी पिया, जिसके बाद उन्हें चक्कर आने और उल्टी की शिकायत शुरू हुई। अन्य कर्मचारियों ने पानी से असामान्य गंध आने की बात प्रबंधन को बताई, जिसके बाद यह मामला गंभीर रूप लेता चला गया। घटना की सूचना मिलते ही कापोदरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक तफ्तीश में वाटर कूलर के पास सल्फास का एक पैकेट बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि पैकेट का कवर फटा हुआ था, हालांकि अंदर का पैकेट अभी सुरक्षित था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कारखाना मालिकों ने तत्काल सभी कर्मचारियों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल पहुंचाया। कुल 104 लोगों को किरण अस्पताल और 14 को डायमंड अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो कारीगरों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया है, जबकि बाकी को मामूली शिकायतों के चलते जनरल वार्ड में भर्ती किया गया है।

पुलिस ने इस घटना को हत्या की कोशिश मानते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) के तहत मामला दर्ज किया है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) वीआर पटेल ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं, जो अलग-अलग पहलुओं से तफ्तीश कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस का सहारा लेकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर पानी में सल्फास कैसे और किसने मिलाया। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई साजिश थी। अस्पताल में भर्ती कुछ कारीगरों ने बताया कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि पानी में कुछ मिला हुआ है। एक कर्मचारी ने कहा, हमने दोपहर में पानी पिया और उसके बाद अचानक चक्कर आने लगे। फिर हमें अस्पताल लाया गया। फिलहाल सभी मरीजों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

पीने लायक नहीं है गाजियाबाद का पानी, सोसाइटी-होटल के 145 सैंपल फेल; हेल्थ विभाग ने भेजा नोटिस

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद का पानी पीने लायक नहीं है। पिछले तीन महीने में पेयजल के 145 सैंपल जांच में फेल पाए गए। गंभीर बात यह है कि पानी के नमूने होटल, वाटर प्लांट, स्कूल और ढाबों से लिए गए थे। स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी करने के साथ स्थानीय निकाय को भी पानी की गुणवत्ता में सुधार के लिए पत्र लिखा है।

गाजियाबाद में जनवरी से मार्च तक स्वास्थ्य विभाग ने होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों, वाटर प्लांट, सोसाइटी और गली-मोहल्लों से पेयजल के 434 सैंपल लिए। इनमें से 145 सैंपल फेल पाए गए। गर्मी के मौसम में पानी की गुणवत्ता खराब मिलने से स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। दूषित पानी की वजह

से डायरिया, टाइफाइड जैसे संक्रामक रोग होने का खतरा बना रहता है। एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शिवी अग्रवाल ने बताया कि सामान्य रूप से पानी में 150 से 200 तक टीडीएस होना चाहिए, लेकिन पानी के इन नमूनों की जांच में टीडीएस की मात्रा 500 से 1000 मिल रही है। इसके अलावा जांच में सीवर का पानी भी पाया गया। दूषित पानी से टाइफाइड बुखार और डायरिया के अलावा आंतों की बीमारी होने का खतरा बना रहता है।

जिले में 1500 से ज्यादा होटल, रेस्टोरेंट और बैंक्वेट हॉल पंजीकृत हैं। इन होटल और रेस्टोरेंट को राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से सत्यापित लैब से प्रमाणपत्र लेना जरूरी है। इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर प्राइवेट लैब से मनमानी रिपोर्ट बनवाकर पंजीकरण करा लिए गए हैं। जबकि होटलों में पीने के पानी की कोई गारंटी नहीं है। गाजियाबाद के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने कहा, जिन संस्थानों के पानी के सैंपल फेल पाए गए हैं, उन्हें नोटिस जारी किया गया है। साथ ही नगर निगम और संबंधित स्थानीय निकाय को पानी की गुणवत्ता सुधारने के लिए पत्र लिखा गया है, ताकि गर्मी में पानी की वजह से बीमारी का सामना ना करना पड़े। वार्ड-3 में दूषित पानी के विरोध में प्रदर्शन किया

वर्ष 2027 के गोवा विधानसभा चुनाव में भाजपा 27 से ज्यादा सीटे जीतेगी

पणजी, एजेंसी।
मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वर्ष 2027 में होने वाले 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा चुनाव में 27 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बुधवार को राज्य की राजधानी पणजी में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सावंत ने यह भी कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा अगले आम चुनावों (2029 में) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सत्ता बरकरार रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के कारण अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा 300 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने पिछले साल 543 सदस्यीय लोकसभा के चुनाव में 293 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को 240 सीटें मिली थीं। वर्ष 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों में, भाजपा 20 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और उसने तटीय राज्य में लगातार तीसरी बार अपनी सरकार बनाने के लिए क्षेत्रीय संगठन एमजीपी और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल किया। सावंत ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वर्ष 2027 में गोवा में हमारे पास 27 से अधिक विधानसभा सीटें हों। वरिष्ठ भाजपा नेता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाताओं तक पहुंचने और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देने का आग्रह किया।

बिहार के खगड़िया में जदयू विधायक के रिश्तेदार की गोली मारकर हत्या

खगड़िया, एजेंसी। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक पन्नालाल सिंह पटेल के दूर के रिश्तेदार की बुधवार रात अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान 50 वर्षीय कौशल सिंह के रूप में हुई है। घटना के समय वह अपनी पत्नी के साथ दोपहिया वाहन से चौथम शहर के कैथी टोला इलाके की ओर जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राकेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह पारिवारिक विवाद प्रतीत होती है।

सिंह पूर्व पंचायत समिति सदस्य थे और जदयू विधायक पन्नालाल सिंह पटेल (बेलदौर) के दूर के रिश्तेदार थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंह जदयू की जिला इकाई से भी जुड़े हुए थे। इस मामले पर जदयू के किसी वरिष्ठ नेता की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। हालांकि, प्रतिक्रिया प्राप्त करने के कई बार प्रयास किए गए। खगड़िया के एसपी ने बताया, मृतक की पत्नी के अनुसार, एक व्यक्ति आया, कौशल सिंह को नजदीक से गोली मारी और फरार हो गया।

उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतक की पत्नी ने एक रिश्तेदार पर हत्या का संदेह जताया है और पुलिस को कुछ नाम भी बताए हैं।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो की अड़चन होगी दूर, जीएमडीए को सौंपा डिजाइन

गुरुग्राम, एजेंसी।
ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट की अड़चन जल्द दूर होगी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) के अधिकारियों के बीच बुधवार को बैठक हुई। इसमें जीएमआरएल ने बख्तावर चौक पर अंडरपास का तैयार डिजाइन जीएमडीए को सौंप दिया। जीएमडीए अपनी सलाहकार कंपनी से इसकी जांच करवाएगा। इसके साथ-साथ सुशील ऐमा मार्ग को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। यह बैठक सेक्टर-44 स्थित जीएमडीए कार्यालय में हुई।

जीएमआरएल की तरफ से ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण तीन चरण में किया जाएगा। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक का निर्माण होगा। इसके तहत 1286 करोड़ रुपये का टेंडर आमंत्रित कर दिया है। इसे 22 अप्रैल को खोला जाएगा। दूसरे चरण में सेक्टर-नौ से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। तीसरे चरण में सेक्टर-33 में मेट्रो

डिपो तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जीएमआरएल को आदेश जारी किए हैं कि एक मई से मेट्रो निर्माण का काम शुरू कर दिया जाए। बुधवार को बैठक में जीएमडीए के मुख्य अभियंता अरुण धनखड़, राजेश बंसल, अधीक्षक अभियंता प्रवीण कुमार, फैजल इब्राहिम, कार्यकारी अभियंता विकास मलिक आदि मौजूद रहे।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत 27 स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके निर्माण पर 5452 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इस रूट की लंबाई 28.5 किलोमीटर है। इसके ऊपर मिलेनियम सिटी सेंटर, सेक्टर-45, साइबर पार्क, सेक्टर-47, सुभाष चौक, सेक्टर-48, सेकटर-33, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार फेज-छह, सेक्टर-10, सेक्टर-37, गांव बसई, सेक्टर-नौ, सेक्टर-सात, सेक्टर-चार, सेक्टर-पांच, अशोक विहार, सेक्टर-तीन, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्सटेंशन, पालम विहार, सेक्टर-23ए, सेक्टर-22, उद्योग विहार फेज-चार, उद्योग विहार फेज-पांच, साइबर सिटी, सेक्टर-101 आदि स्टेशन प्रस्तावित है। सुशील ऐमा मार्ग (सेक्टर-23-23ए) की मुख्य सड़क को लेकर विचार विमर्श हुआ। इसमें पानी और सीवर लाइन को लेकर चर्चा हुई। इस रोड से सीवर की मुख्य लाइन निकल रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

पूर्णिया में कैस्ट्रॉल की फर्जी मोबिल फैक्ट्री का खुलासा

■ किराए के मकान में 2 साल से चल रहा था धंधा ■ कंपनी को इंजन सीज होने की मिल रही थी शिकायत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में किराए के मकान में नकली मोबिल बनाया जा रहा था। धंधेबाज नकली मोबिल बनाता और फिर उसे बहुचर्चित कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम से बेचता था। नकली मोबिल के दो से तीन बार के इस्तेमाल से गाड़ियों में इंजन के सीज करने की समस्या आ जाती। नकली मोबिल बेचकर धंधेबाज ने 2 सालों में अथाह संपत्ति बनाई। शातिर धंधेबाज के इस काले धंधे की भनक लगते ही पुलिस ने फैक्ट्री में छापेमारी की। किराए के मकान से चल रही कैस्ट्रॉल की फर्जी मोबिल फैक्ट्री से लाखों के नकली मोबिल के साथ धंधेबाज को धर दबोचा। मामला पूर्णिया के मधुबनी थाना क्षेत्र के मोलवी टोला इलाके की है।

कैस्ट्रॉल कंपनी के अधिकारी ने पुलिस को दी जानकारी

घटना की जानकारी देते हुए छापेमारी टीम में शामिल कैस्ट्रॉल कंपनी के अधिकारी शुभाशीष दत्ता ने बताया की पूर्णिया में कैस्ट्रॉल कम्पनी के मोबिल की बिक्री में तेजी से गिरावट आ रही थी। इसके बाद उनकी टीम ने इसकी पड़ताल करते हुए सेल्स में आई कमी की वजह तलाशने में जुट गए। पड़ताल में टीम को इसकी भनक लगी कि पूर्णिया में कैस्ट्रॉल कंपनी का नकली मोबिल बेचा जा रहा है। वो जांच करते हुए मधुबनी मोलवी टोला पहुंचे, जिसके बाद उन्हें मालूम हुआ कि कैस्ट्रॉल कंपनी का मोबिल इसी इलाके में मौजूद किराए के मकान से बनाया जा रहा है। इसके दौरान बाद टीम ने इसकी सूचना मधुबनी थाना प्रभारी सूरज प्रसाद को दी।

पिछले 2 साल से कर रहा था धंधा

कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम पर नकली मोबिल फैक्ट्री संचालित किए जाने की सूचना मिलने पर मधुबनी थानाध्यक्ष सूरज प्रसाद ने पुलिस टीम के साथ मोलबी टोला स्थित इमामबाड़ा के समीप स्थित मो.बाबर के घर में छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस और कैस्ट्रॉल कंपनी के टीम के अधिकारियों ने नकली मोबिल, डब्बा, कैस्ट्रॉल मोबिल का स्ट्रीकर, कई ड्रामों में जला हुआ लाखों का नकली मोबिल बरामद किया। मधुबनी थानाध्यक्ष सुरज कुमार ने बताया कि छापेमारी में कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम पर नकली मोबिल का धंधा करने वाले शातिर धंधेबाज मो.बाबर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जब्त नकली मोबिल, खाली डब्बा, कैस्ट्रॉल मोबिल का स्ट्रीकर, ड्राम की गिनती की जा रही है। घर से नकली कैस्ट्रॉल मोबिल के साथ ही दूसरी कंपनी गल्फ, टीवीएस, हीरो का भी डब्बा बरामद किया गया है। पूछताछ में धंधेबाज मो.बाबर ने बताया है कि वो पिछले 2 साल से नकली मोबिल बनाकर बेचने का काम करता था। इससे उसने खूब संपत्ति बनाई।

शादी के 4 घंटे बाद सड़क दुर्घटना में दुल्हन की मौत

कार-ट्रक की टक्कर में 4 की मौत ; बिना दहेज के हुई थी शादी, दूध बेचते है पिता

मधेपुरा, एजेंसी। वैशाली के सड़क हादसे में मधेपुरा की रूपा सहित चार लोगों की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह 4 बजे कार और ट्रक की टक्कर में हादसा हुआ। रूपा की शादी सोमवार की रात नवगछिया में हुई थी। शादी के 4 घंटे बाद दुल्हन की मौत हो गई। बुधवार सुबह भागलपुर गंगा घाट पर रूपा (20) का अंतिम संस्कार किया गया। उसके फुफेरे भाई अखिलेश कुमार ने मुखाग्नि दी। रूपा के पिता हंसराज मंडल की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। वे मवेशी पालन कर परिवार का गुजर-बसर करते हैं। मृतका का घर ग्वालपाड़ा थाना क्षेत्र पीरनग रललिया गांव में है। हंसराज के छह बच्चे हैं - चार बेटियां और दो बेटे है। तीन बेटियों की शादी पहले हो चुकी थी। रूपा चौथी बेटी थी। दोनों बेटे अभी छोटे हैं। बड़ा बेटा कन्हैया 12 साल का है और छोटा बेटा अजय कुमार 9 साल का है। मंझली बेटी कविता कुमारी के पड़ोसी क्रांति कुमार ने रिश्ता बताया था। बिना दहेज के शादी हुई थी। लड़की की मां की 4 साल पहले मौत हुई थी। पिता गाय-भैंस पालते हैं। परिवार दूध बेच कर जीवन यापन करता हैं।

बहन ने तय की थी शादी

पिता हंसराज ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उनकी मंझली बेटी ने रूपा की शादी तय की थी। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि परिवार को भरपेट भोजन भी नहीं मिल पाता। ऐसी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना भी मुश्किल है। बेटी ने ही दूसरे बेटी की शादी करवाई थी। मंगलवार की रात साढ़े 11 बजे विदाई हुई। घर जाने के दौरान हाजीपुर में एक्सीडेंट हुआ। मेरी बेटी रुपा (20) की मौत हो गई। ससुराल पक्ष के 3 लोगों की मौत हुई है। मृतका की बहन ने कहा है कि शादी करके उसे ले जा रहे थे। एक्सीडेंट हो गया। उसकी मौत हो गई। सभी को पता था कि उसकी शादी हुई है। मेरे छोटे-छोटे 5 बच्चे है। इसलिए मैं शादी में नहीं जा सकी।

दूल्हा समेत तीन लोग जख्मी

बता दें कि रोड एक्सीडेंट में 4 महिलाओं की जान गई। जबकि, दूल्हा समेत तीन लोग जख्मी हुए। मृतकों की पहचान बबीता देवी (क्रांति कुमार की पत्नी), सोनाक्षी कुमारी (8 साल बेटी), मोना देवी (गणेश राय की पत्नी, आंगनबाड़ी सहायिका) के रूप में हुई है। वहीं दुल्हन रूपा कुमारी मधेपुरा के लालिया गांव की रहने वाली थी। जबकि दूल्हा दीनानाथ कुमार, उसके दोस्त क्रांति कुमार और कार ड्राइवर निखिल कुमार घायल है।

बिहार के 12 लाख से अधिक मजदूरों के लिए खुशखबरी, इसी हफ्ते वेतन मिलने की उम्मीद

पटना, एजेंसी। बिहार के 12 लाख से अधिक श्रमिकों का बकाया करीब दो हजार करोड़ रुपये की मजदूरी इसी सप्ताह मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों को पिछले साढ़े तीन माह से मजदूरी का भुगतान नहीं हो रहा है। मजदूरी भुगतान पर ग्रामीण विकास विभाग निरंतर केंद्र सरकार के संपर्क में है, जिसमें आश्वासन मिला है कि दो-तीन दिनों में राशि जारी होगी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 12 अप्रैल को पटना आ रहे हैं। इस दिन वह विभाग की समीक्षा करेंगे। उम्मीद है कि उससे पहले श्रमिकों को मजदूरी मिल जाएगी। मालूम हो कि मजदूरी की शत-प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती है।

27 दिसंबर, 2024 के बाद से ही मजदूरी का भुगतान बंद है। इस संबंध में विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि हमलोगों ने मजदूरी भुगतान के लिए कई बार केंद्र से आग्रह किया है। केंद्र ने शीघ्र राशि भुगतान की बात कही है। मनरेगा के तहत श्रमिकों को साल में अधिकतम सौ दिनों तक के काम दिये जाते हैं। विभाग के अनुसार, केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 17 करोड़ मानव दिवस की स्वीकृति दी थी। वहीं, इसके विरुद्ध 25 करोड़ दिनों का काम (मानव दिवस) राज्य के श्रमिकों को दिया गया है। 27 दिसंबर 2024 तक 4100 करोड़ से अधिक मजदूरी के रूप में श्रमिकों को भुगतान किया गया है।

पांच लाख पीएम आवास की स्वीकृति मिलने की उम्मीद

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री पटना में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की अद्यतन स्थिति, मनरेगा की स्थिति, पीएम आवास योजना में नये लाभुकों के चयन के लिए चल रहे सर्वेक्षण आदि कार्यों का जायजा लेंगे। उम्मीद है कि विभाग द्वारा मांग की गई पांच लाख आवास की स्वीकृति की भी केंद्रीय मंत्री बिहार दौरे के दौरान घोषणा कर सकते हैं। पीएम आवास योजना के तहत बिहार में अब तक 36 लाख 59 हजार 462 पक्के मकान बने हैं।

राजगीर का रोप-वे 14 अप्रैल तक रहेगा बंद मेंटेनेंस को लेकर मैनेजमेंट का फैसला

नालंदा, एजेंसी। पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र रही राजगीर की प्रसिद्ध रोपवे आगामी पांच दिनों तक पर्यटकों को अपनी सेवा से वंचित रखेगी। रोपवे प्रबंधक दीपक कुमार ने बताया कि नियमित रखरखाव को लेकर 14 अप्रैल तक रोप-वे का संचालन पूरी तरह से बंद रहेगा। दीपक ने कहा कि तकनीकी कारणों से रोप-वे के मेंटेनेंस का काम किया जा रहा है। पर्यटकों की सुरक्षा और रोप-वे के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित अंतराल पर यह आवश्यक प्रक्रिया है।

मेंटेनेंस के बाद होगा शुरू : राजगीर रोपवे बिहार के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक है, जो सालाना हजारों देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती है। यह रोपवे पर्यटकों को रत्नागिरी पहाड़ियों और आसपास के मनोरम दृश्यों का अद्भुत नजारा प्रदान करती है। प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि मेंटेनेंस कार्य पूरा होते ही रोपवे का संचालन पुनः शुरू कर दिया जाएगा। जैसे ही मेंटेनेंस का कार्य संपन्न हो जाएगा, वैसे ही पर्यटकों के लिए रोपवे सेवा तुरंत बहाल कर दी जाएगी।

आईजीआईएमएस के छात्र को अपने अस्पताल में नहीं मिला बेड, मौत पर बवाल

डायरेक्टर के खिलाफ मोर्चा खोला

पटना, एजेंसी। बिहार प्रतिष्ठित आईजीआईएमएस पटना के एक मेडिकल स्टूडेंट की मौत के बाद बवाल मच गया है। 2023 बैच के छात्र अभिनव पांडे को अपने ही अस्पताल में बेड नहीं मिला। सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उन्हें आईजीआईएमएस लाया गया जहां बेड की कमी बताकर भर्ती नहीं किया गया। एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान बीती रात अभिनव की मौत के बाद छात्र छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। मेडिकल छात्र और छात्राएं अपने डायरेक्टर के व्यवहार से दुखी होकर उनके ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आईजीआईएमएस में दलाली और पैरवी पर बेड देने का आरोप लगाया है। छात्रों ने यह भी कहा है कि उन्हें एम्बुलेंस भी मुहैय्या नहीं कराया गया। हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बलों को तैनात कर दिया गया है। एसडीएम भी मौके पर कैंप कर रहे हैं। बीते सात तारीख को अभिनव एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे। साथी मौत से आहत आईजीआईएमएस के छात्रों ने डायरेक्टर के घर का घेराव कर दिया है। उनका आरोप है कि डायरेक्टर ने छात्रों के साथ उचित व्यवहार नहीं किया है। 2 दिन पहले आईजीआईएमएस के इमरजेंसी में घायल होकर आया था तो उसको बेड नहीं मिला। इसके बाद पारस अस्पताल ले जाया गया जहां 2022 बैच के छात्र अविनाश पांडेय की मौत हो गई। छात्रों ने पारस का फीस जमा करने के लिए डायरेक्टर से पैसे की मांग की उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया। छात्रों द्वारा डायरेक्टर बंगले का गेट तोड़ दिया गया और खिड़की का कांच भी तोड़ा गया। मौके पर एसडीएम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल भी पहुंच गई है। डायरेक्टर प्रोफेसर बिंदे कुमार अभी तक बात करने के लिए घर से बाहर नहीं निकले हैं। उनका कहना है कि कार्यालय में ही बात होगी।

इधर धरना दे रहे छात्रों ने बताया कि घायल छात्र को अस्पताल लाने पर बेड नहीं मिला। अब उसे लाने के लिए एमंबुलेंस भी नहीं दिया गया। अपनी मांगों को लेकर सुबह ढाई बजे से मेडिकल छात्र-छात्राएं डायरेक्टर आवास के बाहर धरने पर बैठे हैं लेकिन उन्होंने अबतक मुलाकात नहीं की। प्रदर्शनकारी मेडिकल छात्रों ने अस्पताल में दलालों का अड्डा बन जाने का आरोप लगाया कहा कि पैरवी पर बेड मिलता है। डायरेक्टर का इस्तीफा भी मांगा है। छात्रों का यह भी आरोप है कि निदेशक खुद बात नहीं कर रहे हैं और उन्होंने पुलिस को बुला लिया है और डराने की कोशिश की जा रही है।

ट्रेन के चपेट में आने से छात्र की मौत

ट्रैक पार करने के दौरान हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिमी ओवर ब्रिज के समीप डाउन लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से बीए की परीक्षा देने आए छात्र की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। मृतक की पहचान चरपोखरी थाना क्षेत्र के मदरहा गांव निवासी चंदेश्वर सिंह के बेटे आर्यन सुमित आडवाणी (20) के रूप में हुई है। वह बीए पार्ट थर्ड का छात्र था।

ट्रैक पार करने के दौरान हुआ हादसा : सुमित के चचेरे भाई अमित ने बताया कि उसका क्रपार्ट थर्ड का परीक्षा चल रहा था। परीक्षा देने को लेकर वह नगरी स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन से गड़हनी स्टेशन आया और वहां से इंटरसिटी एक्सप्रेस से आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिमी गुमटी पर ट्रेन से उतरा। इसके बाद वह रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान दूसरे ट्रेन की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके पास मौजूद एडमिट और आधार कार्ड से रेल पुलिस ने परिजनों को जानकार दी। सूचना पाकर परिजन रात आरा स्टेशन पहुंचे, जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। मृत छात्र अपने पांच भाई और एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां रूनी देवी और 4 भाई जय प्रकाश, विकाश, भोला, नीतीश और एक बहन कविता है। घटना के बाद मृत छात्र के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के मृत छात्र की मां रूनी देवी हम परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चेकपोस्ट में बैठे अफसरों को लगाई फटकार

पटना, एजेंसी। राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लेने ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान सादी ड्रेस में ऑटो से निकले। करगिल चौक, एग्जीबिशन रोड, डाकबंगला चौरहा, एयरपोर्ट से लेकर सगुना मोड़ तक गए। इस दौरान वहां के चेकपोस्ट पर तैनात अधिकारियों और जवानों को देखा। डाकबंगला समेत अन्य चेकपोस्ट पर तैनात अधिकारी को अंदर बैठे देख जमकर फटकार लगाई। कहा-पीक आवर में अधिकारी या जवान चेकपोस्ट के अंदर बैठे मिले तो कार्रवाई होगी। अगर ट्रैफिक सिग्नल किसी वजह से बंद है तो एक अधिकारी ट्रैफिक को संभालेंगे। इस तरह का निरीक्षण और जांच अभियान लगातार चलेगा। ट्रैफिक एसपी ने बताया कि सबसे ज्यादा अनियमितता करगिल चौक और एग्जीबिशन रोड पर मिली है।

पटना नगर निगम की पीआरओ ने दिया इस्तीफा

मेयर के बेटे शिशिर पर प्रताड़ित करने का आरोप, महिला थाने में भी शिकायत दर्ज

पटना, एजेंसी। पटना नगर निगम की पीआरओ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। महिला पदाधिकारी ने मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार पर मानसिक प्रताड़ना और बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में महिला थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है। महिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त को लिखे लेटर में कहा, 2021 से नगर निगम में पीआरओ के पद पर अपनी सेवा दे रही हूं, लेकिन अब मेयर पुत्र के कारण इस पद को त्याग रही हूं। कभी मेयर के चैंबर में तो कभी फोन पर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। नौकरी से भी निकालने की धमकी दी गई थी। उन्होंने मेरे निजी जिंदगी पर टिप्पणी की है। इससे मैं काफी आहत हूं। यह एक स्त्री के सम्मान की बात है। ऐसे माहौल में काम कर पाना संभव नहीं है।

व्यक्तिगत जीवन को लेकर अभद्र टिप्पणी

महिला थाने में लिखित शिकायत में पीआरओ ने कहा, अनुभव के आधार पर मुझे नौकरी दी गई थी। शिशिर कुमार ने निजी चैनल को इंटरव्यू दिया है, साक्ष्य मेरे पास है। उनके अनुसार मेरे पति ने मुझे छोड़ दिया। इस वजह से मुझे जनसंपर्क अधिकारी की नौकरी मिली। मेरे बारे में जानबूझकर और दुर्भाग्यपूर्ण इरादे से ये बातें कही गई है। उनके इंटरव्यू लगातार वायरल किया जा रहा है। शिशिर की हरकत से मैं मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ना झेल रही हूं। पुलिस मेरे साथ न्याय करे।

मानहानि केस करने की धमकी

वहीं, शिशिर कुमार ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि एसके पटौदिया नाम की एजेंसी है। इसी एजेंसी के जरिए इन्हें पीआरओ के तौर पर रखा गया था। अब एजेंसी ने पीआरओ समेत अन्य कर्मियों को हटाने का नोटिस दे दिया है। 3 अप्रैल को पीआरओ ने मेयर का भाषण नहीं लिखा। इसके चलते मेयर को उस कार्यक्रम में अपमान झेलना पड़ा। महिला थाने में मेरे खिलाफ जो शिकायत की गई है, उसका तथ्य के साथ जवाब दे देंगे। लेकिन अब वे पीआरओ के खिलाफ मानहानि का केस करेंगे, ताकि सच्चाई सामने आ जाए।

उप नगर आयुक्त से की थी बदतमीजी

इससे पहले निगम के उप नगर आयुक्त रामाशीष शरण तिवारी ने शिशिर कुमार पर भद्दी-भद्दी गाली देने और दिवंगत मां को लगाकर गाली देने का आरोप लगाया था। उन्होंने इस मामले में कोतवाली थाने में लिखित शिकायत की थी। उनका कहना है कि गाली-गलौज की यह घटना 3 अप्रैल को हुई थी।

जाट को लेकर उत्साहित हूं

अभिनेता रणदीप हुड्डा क्रिस हेम्सवर्थ अभिनीत फिल्म एक्सट्रैक्शन की रिलीज के पांच साल बाद एक्शन जोन में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने माना कि उन्हें हमेशा एक्शन जॉनर पसंद रहा है क्योंकि इसमें कुछ नया और रोमांच होता है। जल्द ही वो जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्सट्रैक्शन सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रुसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित है, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब जाट के साथ, वह एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें उन्होंने रणतुंगा की भूमिका निभाई है। एक्शन में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन शैली पसंद रही है। इसमें कुछ नयापन, भावनाओं को झकझोरने का माद्दा और रोमांच होता है। बायोपिक्स में गंभीर किरदार निभाने के बाद जाट में खतरनाक रणतुंगा का रोल मेरे अलग ही किरदार को प्रदर्शित करता है। अभिनेता ने कहा कि वह एक्शन को मिस कर रहे थे और 'जाट' उन्हें उस स्थान पर वापस ले आया। रणदीप ने कहा- कोरियोग्राफी से लेकर एक्शन तक काफी डिमांडिग था लेकिन यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक अनुभव रहा है। एक ऐसा किरदार निभाना जो जितना करिश्माई है उतना ही निर्दयी भी है, कुछ ऐसा है जिसे लेकर मैं वाकई उत्सुक हूं। एक्सट्रैक्शन मेरे लिए अपनी तरह की पहली फिल्म थी ये एक रोमांचकारी अनुभव था। जाट की बात करें तो इसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसांड्रा भी हैं। प्रत्येक अभिनेता अपनी भूमिका में अनूठापन और गहराई लाता है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। संपादन नवीन नूली ने किया है। दावा है कि फिल्म दर्शकों को मनोरंजन की दुनिया की अद्भुत सैर पर ले जाएगी। मैथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित यह फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी।

मैंने अपनी किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है

एक 21 साल की लड़की का पैरेंट्स के खिलाफ होते हुए भी जबलपुर जैसे छोटे शहर से मुंबई आकर बॉलीवुड एक्ट्रेस बनना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं, लेकिन शालिनी पांडे ने यह असंभव सपना सच कर दिखाया। आज अर्जुन रेड्डी, जयेश भाई जोरदार, महाराज, डब्बा कार्टेल जैसी बड़ी फ़िल्में और वेब शो कर चुकी शालिनी बिल्कुल ठीक कहती हैं कि उन्होंने अपनी ये किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है।

अर्जुन रेड्डी की प्रीति हो या जयेशभाई जोरदार की मुद्रा, महाराज की किशोरी या डब्बा कार्टेल की राजी, पर्दे पर आप भोली-भाली, सहमी हुई मासूम लड़कियों के रूप ज्यादा दिखी हैं। असल जिंदगी में आप खुद कैसी हैं?

असल जिंदगी में मैं इन सबसे एकदम अलग हूं। मैं बहुत बेबाक हूं। बिंदास अपनी राय जाहिर करती हूं। बचपन से ही मैं अपनी बात रखने में कभी नहीं झिझकी। जब भी मुझे कुछ गलत लगता है तो मैं उस पर सवाल करती हूं। जबकि, मैं एक छोटे शहर के रूढ़िवादी परिवार से हूं। हमें सिखाया जाता है कि ऐसे बात मत करो। वो चाहे आपके पैरंट्स हों या रिश्तेदार, वे हमेशा बताते हैं कि ये नहीं करो, वो नहीं करो। मैं बहुत मुंहफट इंसान हूं। ऐसे में, ये अजीब बात है कि मुझे ऐसी लड़कियों के किरदार ही ज्यादा मिले, जो अपनी आवाज नहीं उठा सकती थीं।

ऐक्टिंग का चस्का कैसे लगा?

ऐसा कोई एक दिन नहीं था। जबसे मुझे याद है, मुझे ऐक्टर ही बनना है। जबकि, बचपन में हमें फिल्में देखने की भी इजाजत नहीं थी। पैरंट्स टीवी का केबल कनेक्शन तक काट देते थे, क्योंकि सारा जोर पढ़ाई पर था, पर मुझे लगता है कि इसकी कई वजहें रहीं। जैसे, शुरू में टीवी देखते हुए लगता था कि मुझे भी टीवी पर आना है, मगर बड़ी वजह यह थी कि मुझे जबलपुर से बाहर निकलना है। मुझे अपनी पहचान बनानी है। मैं 9 से 5 वाली नौकरी कर ही नहीं सकती हूं। मुझे अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए जरिया चाहिए और इसके लिए ऐक्टिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ये मेरे लिए एक थेरपी है।

आपने अर्जुन रेड्डी और जयेशभाई जोरदार जैसी बड़ी फिल्मों से शुरुआत की। कम समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं। किस्मत या मेहनत, किसका हाथ ज्यादा मानती हैं?

मैं किसी भी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं हूं। मेरे पीछे किसी का हाथ नहीं रहा, मैंने अपनी ये किस्मत खुद बनाई है। मेरी मेहनत, दृढ़ता, डटे रहना कि कुछ भी हो, मैं ये करके रहूंगी, इन चीजों ने मेरे लिए यह रास्ता बनाया। वह कहते हैं ना कि जहां चाह होती है, वहीं राह होती है, मेरा मानना है कि किस्मत भी उसी का साथ देती है, जो कड़ी मेहनत करते हैं। उसके बगैर कुछ नहीं होता, तो मेरे लिए कड़ी मेहनत सबसे आगे आती है। बाकी सब उसके बाद आता है।

आपके आने वाले प्रॉजेक्ट्स कौन से हैं?

धनुष के साथ एक साउथ फिल्म पूरी होने वाली है। फिर, एक ओटीटी प्रॉजेक्ट आएगा। इसके अलावा, दो-तीन और एक्साइटिंग प्रॉजेक्ट्स हैं लेकिन उनके बारे में बात नहीं कर सकती। उम्मीद है कि जल्द उनकी घोषणा होगी।

अपनी सीरीज डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी जैसी दिग्गज ऐक्ट्रेस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? क्या सीखा?

शबाना आजमी सबसे कूलेस्ट इंसान हैं, जिनसे मैं मिली हूं। मैंने उनसे इतना सीखा कि पता नहीं कि कहां से शुरू करूं और कहां खत्म करूं। उन्होंने मुझे जिंदगी के सबसे बड़े सबक सिखाए हैं। इतनी अनुभवी होने के बाद भी उन्होंने एक यंग वुमन के तौर पर मुझे ऊपर उठाया। मुझे बराबरी का दर्जा दिया कि आप अपनी राय रखो, आप हम जितनी ही बराबर हो। वह मेरा ह्यूमर समझती थीं। जबकि, मेरे मजाक व्यंग्यात्मक होते हैं तो अगर आप उसे नहीं समझें तो आपको बुरा लग सकता है, लेकिन शबाना मैम ने मेरे ह्यूमर को मान्यता दी।

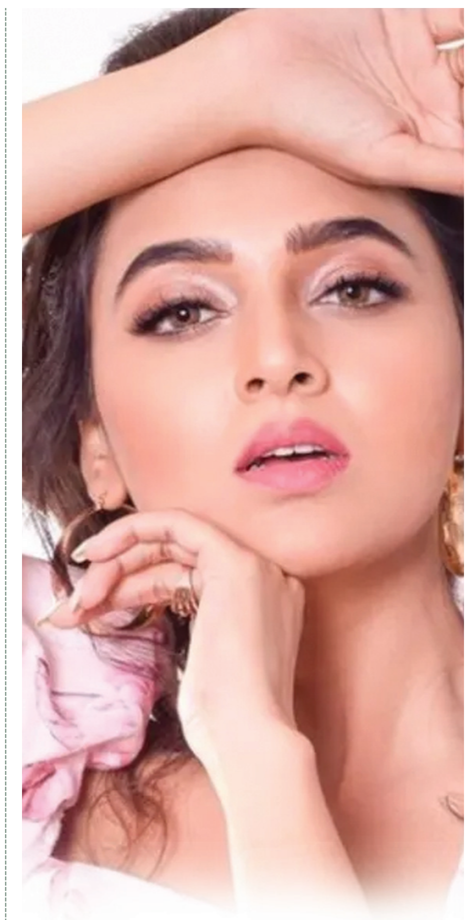

'लोग मुझे फुटबॉल जैसे फेस वाली कहकर बुलाते थे', तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग का किया सामना

टीवी की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों रियलिटी शो सेलेब्रिटी मास्टर शेफ में नजर आ रही हैं। जिसको लेकर वो लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनके फैंस अपनी पसंदीदा कलाकार को शो का विनर बनाना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ शादी की खबरों को लेकर भी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस बीच अभिनेत्री ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ये भी बताया कि कब उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा।

मुझे नहीं पसंद लोगों का किसी के शरीर पर कमेंट करना बातचीत में तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं हमेशा पतली रही हूं और मुझे ये अजीब लगता है जब लोग किसी के वजन पर या किसी पर शारीरिक टिप्पणी करने को ठीक समझते हैं। जैसे लोग कहते हैं, तुम बहुत पतली हो, या अब तुम स्वस्थ हो। लेकिन अगर किसी का वजन ज्यादा है तो शायद कोई ऐसा नहीं कहेगा।

मैं लोगों के कमेंट को पॉजिटिव लेती हूं

तेजस्वी ने आगे कहा, मेरा शरीर अजीब है। शरीर पतला है और चेहरा गोल-मटोल है। मुझे लेकर लोग कन्फ्यूज हो जाते थे और मुझ पर 'फुटबॉल फेस' जैसे कमेंट किया करते थे। यहां तक कि अभी भी मेरा चेहरा गोल-मटोल ही है और मुझे नहीं लगता कि मैं इसे बदल सकती हूं। हालांकि, मैं इन टिप्पणियों को नकारात्मक तौर पर नहीं लेती, बल्कि इन्हें पॉजिटि तरीके से लेती हूं और खुद में बदलाव करने का सोचती हूं। जैसे प्रोटीन का सेवन बढ़ाना या योगा करना।

सही फीडबैक को गंभीरता से लेकर, उस पर काम करना चाहिए

अभिनेत्री ने आगे उनके ऊपर होने वाली टिप्पणियों पर कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इन कमेंट से अनजान हूं, लेकिन मैं इन टिप्पणियों से खुद को प्रभावित नहीं होने देती हूं। अगर मैं उनके फीडबैक से सहमत होती हूं, तो उन पर काम करती हूं। मेरा मानना है कि शारीरिक बनावट और आत्मविश्वास के बीच संतुलन बनाना काफी जरूरी है। सही फीडबैक को आपको गंभीरता से लेना चाहिए और उस पर काम करना चाहिए।

इस साउथ निर्देशक के साथ पर्दे धमाल मचाने की तैयारी में ऋतिक रोशन

तेलुगु सिनेमा के मशहूर निर्देशक बॉबी कोली ने अपनी पिछले दो फिल्मों वाल्टेयर वीरैया और डाकू महाराज से दर्शकों का दिल जीत है। इन फिल्मों में उन्होंने सीनियर हीरो चिरंजीवी और बालकृष्ण को जिस शानदार अंदाज में पेश किया, उसकी हर तरफ तारीफ हुई। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाएंगे बॉबी?

सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के मुताबिक बॉबी कोली जल्द ही बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहलाने वाले ऋतिक रोशन के साथ काम कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि हाल ही में बॉबी ने ऋतिक से मुलाकात की और उन्हें एक कहानी सुनाई। ये कहानी ऋतिक को इतनी पसंद आई कि दोनों के बीच बात आगे बढ़ रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बॉबी अपनी पहली हिंदी फिल्म ऋतिक के साथ बना सकते हैं।

इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन सकती है फिल्म

इस बड़े प्रोजेक्ट को तेलुगु फिल्मों की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर सकती है। ये बैनर कई भाषाओं में फिल्में बना रहा है और नए-नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है। अगर ये फिल्म बनती है तो ये इस प्रोडक्शन हाउस की बॉलीवुड में बड़ा कदम होगा।

इन फिल्मों में व्यस्त हैं ऋतिक

फिलहाल ऋतिक रोशन वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। इस फिल्म के बाद ऋतिक कृष 4 में काम शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन वह खुद ही करेंगे। ऋतिक की पिछली फिल्मों की बात करें तो उन्हें फिल्म फाइटर में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

जाट की रिलीज से पहले सनी देओल का ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर खुलासा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जाट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सनी का एक्शन अवतार एक बार फिर से देखने को मिलेगा। हालांकि, सनी की सभी फिल्में एक्शन बेस्ड ही होती हैं। इसी बीच एक इवेंट के दौरान सनी ने अपने ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बातचीत की।

गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। अब सनी फिल्म जाट के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। एक इवेंट के दौरान सनी ने बताया कि उनके कुछ आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जो सिनेमा हॉल के लिए नहीं बल्कि ओटीटी के लिए बने हैं। सनी के फैंस गदर 2 की सफलता के बाद उनकी आने वाली एक्शन-थ्रिलर जाट में भी उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। यह गोपीचंद की पहली हिंदी फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा और निर्देशित किया गया है। इस फिल्म को मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया गया है। पीटीआई से बातचीत के दौरान सनी ने बताया कि उनके पास कई आगामी ओटीटी प्रोजेक्ट हैं। सनी ने कहा कि उनके कुछ प्रोजेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएंगे क्योंकि सिनेमा के दर्शक अलग होते हैं। उन्होंने कहा, ओटीटी पर जाना अच्छा है क्योंकि लोग वहां आपकी फिल्में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।

सनी ने यह भी बताया कि ओटीटी अभिनेताओं और निर्देशकों के लिए एक दिलचस्प जरिया है क्योंकि इससे डाइवर्सिटी मिलती है। सनी ने कहा कि उनकी फिल्में ओटीटी पर आने से आज की जनरेशन के लिए भी रिलेवेंसी बढ़ गई हैं। जाट के बारे में बात करते हुए, सनी ने कहा कि गोपीचंद मालिनेनी के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है, जो साउथ के डायरेक्टर के साथ है और यह बहुत अच्छा रहा है।

जाट के अलावा सनी देओल लाहौर 1947 में नजर आएंगी। वहीं सनी बॉर्डर 2 में भी नजर आएंगे। बॉर्डर 2 एक वॉर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन अनुराग सिन्हा करेंगे और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता करेंगे। यह 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे।

छावा के बाद प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबका हैरान कर देने के बाद अब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। अक्षय ने प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली साइन की है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी कड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना महाकाली में एक अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। हनु-मान की शानदार सफलता के बाद अब महाकाली इस यूनिवर्स की अगली सुपरहीरो फिल्म होगी।

- साभार

ट्रंप की ओर से शुल्क बढ़ाए जाने के बाद चीन ने अन्य देशों से संपर्क साधा

» बीजिंग, भाषा।

अमेरिका द्वारा शुल्क बढ़ाए जाने के बाद चीन अन्य देशों से संपर्क साध रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि बीजिंग अमेरिका को कदम पीछे हटाने के लिए मजबूर करने के वास्ते संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहा है। चीन के गहन प्रयासों के बावजूद उसे कोई खास सफलता नहीं मिल रही है क्योंकि अधिकतर देश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के केन्द्र में आए चीन के साथ गठजोड़ के इच्छुक नहीं प्रतीत हो रहे। वैश्विक बाजार में मंदी की आशंका के बीच बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज्यादातर देशों पर लगाए गए शुल्क को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया, हालांकि उन्होंने चीन से आयात पर शुल्क की दर बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दी है। ट्रंप ने कहा कि ये देश अधिक अनुकूल शर्तों पर बातचीत करने के लिए राजी हैं। चीन ने बातचीत करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि अमेरिका मक्कार है और वह शुल्क युद्ध में अंत तक लड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने चीनी आयात पर कर की दर को और बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया। चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी वस्तुओं पर 84 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जो बृहस्पतिवार से प्रभावी हो गया है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बृहस्पतिवार को दैनिक ब्रीफिंग में कहा, उचित कारण हो तो कई लोग उसे समर्थन देते हैं। अमेरिका लोगों का समर्थन नहीं जीत सकता और अंत में विफल हो जाएगा। इन घटनाक्रम के बीच चीन ने अब यूरोप पर ध्यान केंद्रित किया है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन के बीच फोन पर बातचीत हुई जिसके जरिए दुनिया को एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की गई है। दोनों एक दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी एक खबर में कहा, चीन यूरोपीय संघ के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है ताकि चीन और यूरोपीय संघ के नेताओं के बीच जो समझ बनी है उस पर मिल कर अमल किया जा सके। चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंताओ और यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त सेफकोविक के बीच अमेरिकी शुल्क के मुद्दे पर मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा हुई। शिन्हुआ ने अपनी खबर में वांग के हवाले से कहा कि शुल्क सभी देशों के वैध हितों का गंभीर उल्लंघन करते हैं, डब्ल्यूटीओ के नियमों का गंभीर उल्लंघन करते हैं, नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं और वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। इसमें कहा गया, यह एकतरफावाद, संरक्षणवाद और आर्थिक तौर पर परेशान करने का कार्य है। चीन परामर्श और बातचीत के माध्यम से मतभेदों को हल करने के लिए तैयार है लेकिन अगर अमेरिका अपने रूख पर अड़ता है तो चीन अंत तक लड़ेगा। वांग ने आसियान देशों से भी बात की है जबकि प्रधानमंत्री ली ने व्यापारिक दिग्गजों से मुलाकात की है। शिन्हुआ ने ली के हवाले से कहा कि चीन ने पूरा मूल्यांकन कर लिया है और सभी तरह की अनिश्चितताओं से निपटने के लिए तैयार है और वह स्थिति के हिसाब से नीतियां पेश करेगा। देशों को लामबंद करने की चीन की कोशिशों के बीच ऐसा नहीं है सभी देश चीन के साथ जुड़ने में दिलचस्पी रखते हैं। बहुत से ऐसे देश जिनका चीन के साथ विवाद रहा है वे इसमें दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने संवाददाताओं से कहा, हम अपनी बात करते हैं और ऑस्ट्रेलिया का रुख यह है कि मुक्त और निष्पक्ष व्यापार ही अच्छा है। हम सभी देशों के साथ बातचीत करते हैं, लेकिन हम ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय हित के लिए खड़े हैं। माना जा रहा है कि भारत ने सहयोग संबंधी चीन के आह्वान को तवज्जो नहीं दी है। वहीं चीन का करीबी देश रूस पूरे परिदृश्य में कहीं नहीं है। यह स्पष्ट नहीं है कि चीन आगे क्या कदम उठाएगा, लेकिन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन ने कहा कि चीन "हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगा और चीनी लोगों को वैध अधिकारों और हितों से वंचित नहीं होने देगा, न ही हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को कमज़ोर होने देंगे।

फेसबुक ने चीन के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया: कंपनी की पूर्व कार्यकारी

वाशिंगटन। फेसबुक की पूर्व कार्यकारी सारा व्यान-विलियम्स ने बुधवार को सीनेट की न्यायिक समिति के समक्ष अपनी गवाही में फेसबुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने और चीन में अपना कारोबार बढ़ाने के लिए अमेरिका के कृत्रिम मेधा प्रयासों के बारे में उसे जानकारी देने का आरोप लगाया। विलियम्स ने अपनी गवाही में कहा, हम चीन के साथ एआई हथियारों की दौड़ में हैं और मेटा में मेरे कार्यकाल के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने कर्मचारियों, शेयरधारकों, कांग्रेस और अमेरिकी जनता से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपने संबंधों के बारे में झूठ बोला। विलियम्स की किताब केयरलेस पीपुल में अनेक ऐसे विवरण साझा किए गए हैं जो कंपनी में उनके कार्यकाल के दौरान के हैं। प्रकाशित होने के पहले ही सप्ताह में इस किताब की 60,000 प्रतियां बिकीं और यह अमेजन की बेस्ट-सेलर सूची में शीर्ष 10 में पहुंच गई, कनेक्टिकट के डेमोक्रेट सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने सुनवाई के दौरान कहा कि मेटा ने पूर्व कार्यकारी को चुप कराने के लिए उसे धमकियां दीं और डरा-धमकाया। विलियम्स ने समिति के समक्ष गवाही में कहा, उन सात वर्षों के दौरान, मैंने मेटा के अधिकारियों को बार-बार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करते और अमेरिकी मूल्यों के साथ विश्वासघात करते देखा। उन्होंने चीन का विश्वास जीतने और 18 अरब डॉलर का कारोबार खड़ा करने के लिए ये काम किए।

पृष्ठभूमि में भयावह और कर्कश संगीत

रूसी दिख रहे लोगों द्वारा यूक्रेनी बंदियों की हत्या वाले वीडियो से उठे सवाल

» रोम, भाषा।

यूक्रेन-रूस युद्ध के ऐसे दो वीडियो सामने आए हैं जो युद्ध के बारे में दो अलग-अलग कहानियां कहते हैं। इनमें से एक में जहां यूक्रेन के युद्धबंदी जीवित दिखाई देते हैं तो दूसरे में, वे मृत दिखाई देते हैं। एसोसिएटेड प्रेस को एक यूक्रेनी ड्रोन का वीडियो प्राप्त हुआ है जिसमें रूसी वर्दी पहने सैनिकों को कीव के सैनिकों को मारते हुए दिखाया गया है जिन्होंने उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। एजेंसी ने उसी घटना का एक दूसरा वीडियो भी खोजा है, जिसे रूसी ड्रोन द्वारा रिकॉर्ड किया गया है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि मॉस्को इसे कैसे दिखाना चाह रहा है। इन वीडियो का एक साथ विश्लेषण करने पर तीन साल पुराने युद्ध के एक महत्वपूर्ण समय में एक बड़ी कहानी बयां करते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने जिस यूरोपीय देश के साथ वीडियो साझा किया है, उसके सैन्य अधिकारियों के अनुसार, यह वीडियो यूक्रेन की 128वीं माउंटेन ब्रिगेड द्वारा 13 मार्च को दक्षिणी यूक्रेन के पियातिखातकी गांव के बचे हुए हिस्से में लिया गया था।

एपी ने अधिकारियों से इस शर्त पर वीडियो प्राप्त किया कि उनकी पहचान जाहिर नहीं की जाएगी क्योंकि उन्हें इसे जारी करने का अधिकार नहीं था। वीडियो में चार यूक्रेनी दिखाई दे रहे हैं, जिन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया था। वे मुंह के बल जमीन पर लेटे हुए हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि उनकी तलाशी लेने के बाद, एक रूसी व्यक्ति एक कैदी के पास जाता है, अपनी बंदूक उठाता है और गोलीबारी शुरू कर देता है। वीडियो को देखें तो एक अन्य सैनिक भी गोली चलाता है, फिर उसे लोड करता है। एक तीसरा रूसी इसमें शामिल हो जाता है, और करीब से कम से कम दो गोलियां चलाता है, जिससे एक व्यक्ति का हेलमेट - और

सिर - उड़ जाता है। इस तरह रूसी जवान एक-एक करके चारों को मार गिराते हैं। उसी दिन पियातीखातकी में रूस के एक ड्रोन द्वारा रिकॉर्ड किया गया वीडियो एपी को रूस समर्थक एक सोशल मीडिया मंच से मिला। इसकी पृष्ठभूमि में भयावह और कर्कश संगीत है और इसमें तीन रूसी सैनिकों को दिखाया गया है जो बंदूक की नोंक पर, आत्मसमर्पण करने वाले यूक्रेनी नागरिकों को एक खंडहर से बाहर निकालते हैं। इसके बाद यूक्रेनी सैनिकों को जमीन पर पड़ा दिखा गया है, लेकिन जिंदा। इस बारे में यूक्रेन की 128वीं माउंटेन ब्रिगेड एजेंसी ने कहा कि वह टिप्पणी नहीं कर सकती क्योंकि मौतों की जांच संदिग्ध युद्ध अपराध के रूप में की जा रही है। यूक्रेन की एजेंसी ने जांच शुरू करने की पुष्टि की। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यूक्रेन के युद्धबंदियों से रूस के व्यवहार के बारे में पूछे जाने पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस आत्मसमर्पण करने वाले यूक्रेनी सैनिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार व्यवहार करता है और युद्धबंदियों की हत्या को प्रोत्साहित नहीं करता।

यूक्रेन मुद्दे पर चर्चा के लिए नाटो मुख्यालय में बुलाई गई लगभग 30 देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक

» ब्रसेल्स, भाषा।

ब्रिटेन और फ्रांस ने बृहस्पतिवार को लगभग 30 देशों के रक्षा मंत्रियों की एक बैठक बुलाई है, जिसका उद्देश्य रूस के साथ किसी भी भावी शांति समझौते की निगरानी के लिए, यूक्रेन में सेना तैनात करने की योजना पर चर्चा करना है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) मुख्यालय में होने वाली यह बैठक तथाकथित गठबंधन में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की पहली बैठक होगी। पिछले सप्ताह वरिष्ठ ब्रिटिश और फ्रांसीसी सैन्य अधिकारियों ने कीव की यात्रा की थी, जिसके बाद यह बैठक बुलाई गई है। उम्मीद है कि इसमें नेताओं के बीच पहले हुई बैठक में हुए समझौते को मूर्त रूप देने पर काम किया जाएगा।

अमेरिका इस बैठक में भाग नहीं लेगा। शुक्रवार को, यूक्रेन के लिए सैन्य समर्थन जुटाने के लिए लगभग 50

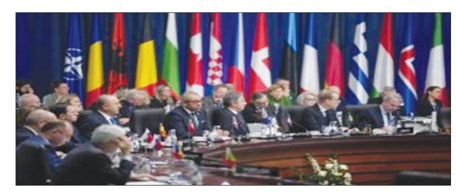

देशों के प्रतिनिधि नाटो मुख्यालय में एकत्रित होंगे। इस बैठक की अध्यक्षता ब्रिटेन और जर्मनी करेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के इसमें भाग लेने की उम्मीद नहीं है। यूक्रेन सरकार के अधिकारियों और सैन्य विश्लेषकों ने कहा है कि रूसी सेनाएं कीव पर दबाव बढ़ाने और युद्ध विराम वार्ता में क्रेमलिन की स्थिति को मजबूत करने के लिए आने वाले हफ्तों में यूक्रेन में एक नया सैन्य आक्रमण शुरू करने की तैयारी कर रही हैं।

यमन में संदिग्ध अमेरिकी हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए: हूती विद्रोही

दुबई। यमन में अमेरिका के संदिग्ध हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए, जबकि इससे एक दिन पहले हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी है। इस बीच विद्रोहियों ने तस्वीरें जारी करके एक और अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया। विद्रोहियों ने कहा कि मंगलवार रात होदेदा के अल-हवाक जिले में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 15 लोग घायल हो गए, मारे गए लोगों में से अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब हादसे के बाद लोगों के जीवित बचे होने की आस हो रही धूमिल

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक नाइट क्लब की छत गिरने की घटना में मृतकों की संख्या 184 पहुंच गई है। बचाव दलों ने बृहस्पतिवार को मलबे में जीवितों की तलाश जारी रखी, हालांकि अब उन्हें इस प्रयास में सफलता की उम्मीद कम ही है। डोमिनिकन गणराज्य के फोरेंसिक संस्थान के बाहर बुधवार देर रात दर्जनों लोग अपने प्रियजनों की तलाश में जमा हुए थे, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने से वे हताश दिखे। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अस्पताल में भर्ती दो दर्जन मरीजों में से कुछ की हालत अभी पूरी तरह ठीक नहीं है और आठ की हालत गंभीर है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ विक्टर अटल्ला ने कहा कि हादसा बहुत भयावह था और रोगियों की हालत को देखते हुए उन्हें बचाने के लिए अब बहुत समय नहीं है। सरकार ने बुधवार रात कहा कि वह शव तलाशने में जुटी है, लेकिन आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडिज ने कहा कि मौके पर मौजूद बचावकर्मी अब भी जीवित लोगों के मिलने की आस में प्रयासरत हैं लेकिन मंगलवार शाम से कोई भी जीवित नहीं मिला है। बुधवार देर रात अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या कम से कम 184 पर पहुंच गई है, जबकि घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से हुए हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 218 हुई

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक नाइट क्लब की छत गिरने से हुए हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 218 हो गई है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आपातकालीन संचालन केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारी अभी भी पीड़ितों और संभावित रूप से बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपना प्रयास जारी रखेंगे। अधिकारियों ने बुधवार को बताया था कि सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंच पर मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं, तभी नाइट क्लब की छत से सीमेंट झड़ने लगा और देखते ही देखते पूरी छत ढह गई।

न्यूज ब्रीफ

पोप फ्रांसिस से वेटिकन में मिले महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला

» रोम, भाषा।

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने बुधवार को वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मुलाकात की। यह भेंट शाही जोड़े की इटली यात्रा और उनके विवाह की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर हुई। पोप निमोनिया के संक्रमण की वजह से गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। संक्रमण से उबरने के बाद यह उनकी पहली निजी भेंट थी। वेटिकन के अनुसार, पोप ने महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला को विवाह की वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। चार्ल्स और कैमिला ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बर्मिंघम पैलेस ने एक बयान में कहा महामहिम इस बात से बहुत प्रसन्न हैं कि उन्हें पोप से व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं प्राप्त करने का अवसर मिला।

इससे पहले, बुधवार को चार्ल्स ने इटली की संसद को संबोधित किया और यूरोप में युद्ध के समय साझा मूल्यों की रक्षा के लिए ब्रिटेन और इटली के बीच मजबूत संबंधों की आवश्यकता पर बल दिया। अपने संबोधन में उन्होंने यूक्रेन को समर्थन देने, नाटो में सहयोग करने का उल्लेख किया। महाराजा चार्ल्स ने जलवायु परिवर्तन पर भी अपनी बात रखी और आगाह करते हुए कहा कि वह 16 वर्ष पहले दिए गए अपने ही भाषण की चेतावनियों को आज सच होता देख रहे हैं। इस दौरे में चार्ल्स और कैमिला ने अपनी 20वीं वर्षगांठ मनाई, जिसके लिए महारानी ने डिजाइनर ऐनी वेलेंटाइन द्वारा दोबारा तैयार की गई अपनी शादी की पोशाक पहनी। दोनों ने इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मटेरेला द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भाग लिया।

भारत-ब्रिटेन एफटीए को लेकर दोनों पक्षों में सकारात्मकता व उत्सुकता है : सीतारमण

» लंदन, भाषा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्रिटेन की अपनी समकक्ष रेचल रीव्स के साथ 13वीं मंत्रिस्तरीय भारत-ब्रिटेन आर्थिक व वित्तीय वार्ता (ईएफडी) का बुधवार को समापन किया और द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को जल्द ही पूरा करने की संभावना जाहिर की। लंदन स्टॉक एक्सचेंज में आयोजित वार्षिक वार्ता में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के अनुसार, ईएफडी से 40 करोड़ पाउंड का व्यापार और निवेश बढ़ा है, जिसमें पेटीएम और एमफैसिस जैसी भारतीय कंपनियां शामिल हैं जिन्होंने ब्रिटेन के बाजार के लिए निवेश योजनाएं शुरू की हैं।

ईएफडी के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, बैठक में वृद्धि को बढ़ावा देने, द्विपक्षीय वित्तीय सेवा संबंधों को बेहतर बनाने तथा ब्रिटेन औद्योगिक रणनीति, कर, सतत वित्त व अवैध वित्त पर नीतिगत सहयोग को गहरा करने

की योजनाएं निर्धारित की गई हैं। रक्षा क्षेत्र में सहयोग के अवसरों की भी पहचान की गई, जिसमें भारत-ब्रिटेन रक्षा औद्योगिक खाके को अंतिम रूप दिया गया। इससे औद्योगिक क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को एकीकृत करने की योजना बनाई गई। ईएफडी के बाद सीतारमण ने पत्रकारों से कहा, मैं इस वार्ता को बेहद महत्व देती हूं। हमने भारत और ब्रिटेन दोनों के लिए रुचि के विशिष्ट मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बात की गई जिसके लिए वार्ता जारी है। दोनों पक्षों की ओर से इस पर जल्द निष्कर्ष निकालने के लिए सकारात्मकता, उत्सुकता व समर्पण की भावना व्यक्त की गई। सीतारमण ने कहा, हम इसे समाप्त करना चाहते हैं, कुछ मुद्दों पर जो कठिनाइयां हमें हुई हैं...उनसे उबरना चाहते हैं। हम इस पर चर्चा करेंगे और हम निश्चित रूप से इसे अंतिम रूप देंगे, यह मेरी अपेक्षा है। ब्रिटेन के राजकोष की चांसलर ने दोनों देशों के लिए आर्थिक वद्धि को बढ़ावा देने में व्यापार और निवेश के महत्व को स्वीकार करते हुए, सौदे को पूरा करने में तेजी लाना जारी रखने के लिए ब्रिटेन की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। रीव्स ने कहा, हम अपने मुक्त व्यापार समझौते में शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, जो देशों के बीच व्यापार को बाधित करती हैं। मेरा मानना है कि मुक्त व खुले व्यापार से देशों को लाभ होता है, जैसा कि निवेश के मुक्त प्रवाह से होता है और इसीलिए हम भारत के साथ मिलकर उन बाधाओं को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपने देशों के बीच व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने के लिए किसी मुक्त व्यापार समझौते का इंतजार नहीं कर रहे हैं, जैसा कि आज भारतीय कंपनियों द्वारा ब्रिटेन में तथा ब्रिटेन की कंपनियों द्वारा भारत में महत्वपूर्ण निवेश की घोषणाओं में देखा जा सकता है। संवाद की मेजबानी करने वाले लंदन स्टॉक एक्सचेंज समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डेविड श्विमर ने कहा, प्रगाढ़ साझेदारी से दोनों देशों की सरकारें और नियामक एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं जो उनके वित्तीय बाजारों तथा अर्थव्यवस्थाओं को वास्तविक लाभ पहुंचाए।

कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा से कोई लेना-देना नहीं है : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसका 26 नवम्बर, 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से कोई लेना-देना नहीं है और वह एक कनाडाई नागरिक है तथा उसने लगभग दो दशकों से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है। राणा का पाकिस्तान में 1961 में जन्म हुआ था और उसने पाकिस्तान आर्मी मेडिकल कोर में सेवाएं दी थीं और इसके बाद वह 1990 के दशक में कनाडा चला गया, जहां उसे नागरिकता दी गई। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने यहां साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, वह एक कनाडाई नागरिक है और हमारे रिकॉर्ड के अनुसार उसने दो दशकों से अधिक समय से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है। प्रवक्ता ने हालांकि दस्तावेजों का विवरण नहीं दिया, लेकिन ऐसे दस्तावेजों में अक्सर विदेशों में रह रहे पाकिस्तानियों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र और पासपोर्ट शामिल होते हैं। राणा मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है। हेडली ने हमलों से पहले खुद को राणा की आव्रजन कंपनी का कर्मचारी बताकर मुंबई के स्थानों की रेकी की थी। छब्बीस नवंबर, 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों के एक समूह ने अरब सागर में समुद्री मार्ग का इस्तेमाल करके भारत की वित्तीय राजधानी में घुसने के बाद सीएसएमटी, दो होटलों और एक यहूदी केंद्र पर हमला किया था। हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान में मजहबी शोधार्थी की गोली मारकर हत्या

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने एक मजहबी शोधार्थी कारी ऐजाज आबिद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारी ऐजाज आबिद अहले-ए-सुन्नत वल जमात और इंटरनेशनल ख़त्म-ए-नबुव्वत मूवमेंट के प्रमुख थे। उन्हें सोमवार को खैबर जिले से सटे पश्त खारा इलाके में निशाना बनाया गया था।

गंभीर रूप से घायल आबिद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि हमले में उनका साथी कारी शाहिदुल्लाह भी घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह लक्षित हत्या का मामला प्रतीत होता है। मौके से 30 बोर की गोली के कई खोखे बरामद हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आतंकवाद की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

मैं पिछले 17 साल से कृष्ण की भक्त हूं -मुकोवा
शैक्षिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानी सुनाकर युवा मन को मंत्रमुग्ध कर दिया

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया के बच्चों के साथ रामायण पर आधारित कठपुतली कार्यक्रम देखा

» ब्रातिस्लावा, भाषा।

स्लोवाकिया की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को स्लोवाकियाई बच्चों के साथ रामायण पर आधारित कठपुतली कार्यक्रम देखा। कार्यक्रम के शुरुआती दृश्य में राजा दशरथ अपने पुत्र राम से विश्वामित्र के साथ जाने को कहते हैं। रामायण पर केंद्रित, स्लोवाक भाषा में कठपुतली शो के शुरू होते ही बच्चे मंत्रमुग्ध होकर कार्यक्रम देखते रहे। कठपुतली की कला काफी प्राचीन है जिसके जरिए रामायण का मंचन किया गया।

45 मिनट के इस कार्यक्रम की परिकल्पना भगवान कृष्ण की भक्त और भारतीय संस्कृति की प्रशंसक लेंका मुकोवा ने की थी। इस कार्यक्रम

में राष्ट्रपति मुर्मू के साथ 150 स्लोवाक छात्रों ने भाग लिया। प्रेसोव में बाबादलो पपेट थिएटर की मुख्य सदस्य मुकोवा ने अपनी आध्यात्मिक प्रेरणा और कलात्मक दृष्टि से एक ऐसा कार्यक्रम तैयार किया जो बच्चों और वयस्कों दोनों को पसंद आया। उन्होंने स्लोवाकिया और चेक गणराज्य के कई शहरों में अब तक ऐसे 20 कार्यक्रम किए हैं। लेख श्रवंती देवीदासी के नाम से भी मशहूर मुकोवा ने कहा, मैं पिछले 17 साल से कृष्ण की भक्त हूं। मुझे रामायण की कहानी पसंद है क्योंकि यह भावनाओं, प्रेम और मूल्यों से भरपूर है। उन्होंने कहा कि यह किसी भारतीय महाकाव्य पर आधारित उनकी पहली प्रस्तुति है। यह बच्चों के लिए बहुत शिक्षाप्रद है। कार्यक्रम में पूरी तरह डूबे बच्चे तब चकित हो जाते जब रावण सीता का अपहरण करने आया या जब हनुमान ने रावण का सामना किया और और लंका जला दी। पृष्ठभूमि में हनुमान चालीसा की चौपाइयां बज रही थीं।तीन दशकों से अधिक समय से बाबादलो पपेट थिएटर ने शैक्षिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानी सुनाकर युवा मन को मंत्रमुग्ध कर दिया है। रावण पर राम की जीत के साथ पर्दा गिरते ही हॉल तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा तथा भारत और स्लोवाकिया के झंडे लहराते दिखाई दिए। राष्ट्रपति ने स्लोवाक बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकलाओं की एक जीवंत प्रदर्शनी भी देखी, जिसे वार्षिक कला प्रतियोगिता परी कथाओं में छिपा सौंदर्य - स्लोवाक बच्चों की नजर से भारत के भाग के रूप में बनाया गया था। हर वर्ष, बच्चों को पंचतंत्र जैसी कृतियों से एक भारतीय दंतकथा का विषय दिया जाता है। पिएस्तानी स्थित स्लोवाक-भारत मैत्री सोसायटी की संस्थापक अन्ना गैलोविचोवा ने कहा कि बच्चों को पेंटिंग करने देने का विचार बीमार बच्चों के लिए बने एक आरोग्य आश्रय से आया। उन्होंने कहा, हम इन बच्चों को पंचतंत्र या जातक कथाओं से भारतीय कहानियां सुनाते हैं और उनसे अपनी कल्पना का उपयोग करते हुए उन कहानियों से कुछ भी चित्रित करने के लिए कहते हैं। इससे उन्हें खुशी मिलती है और आरोग्य आश्रय का गमगीन माहौल खुशनुमा हो जाता है।

बांग्लादेश की अदालत ने शेख हसीना और उनकी बेटी के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजिद पुतुल और 17 अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में बृहस्पतिवार को नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इन पर धोखाधड़ी के जरिए आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप है। ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दाखिल आरोपपत्र को स्वीकार कर लिया। चूंकि, आरोपी फरार हैं, इसलिए अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। एसीसी की ओर से पेश वकील मीर अहमद सलाम ने संवाददाताओं को बताया, मेट्रोपोलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने मामले में एसीसी के आरोपपत्र को स्वीकार करते हुए वारंट जारी किया।

उन्होंने कहा कि न्यायाधीश ने एसीसी को राजधानी ढाका के बाहरी इलाके में पूर्बाचल क्षेत्र में राज्य द्वारा संचालित राजधानी उन्यन कार्तिपक्ष (आरएजेयूके) द्वारा पट्टे पर दी गई भूमि से जुड़े आरोप की सुनवाई के लिए चार मई को अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा

है। एसीसी ने अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना तथा अन्य सह-आरोपियों, जिनमें अधिकतर सरकारी अधिकारी थे, के विरुद्ध 12 जनवरी, 2025 को मुकदमा दायर किया था। आरोपपत्र के अनुसार, पूर्बाचल न्यू सिटी हाउसिंग प्रोजेक्ट में भूखंड हासिल करने के लिए दुर्भावनापूर्ण इरादे से पुतुल ने अपनी मां एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना को प्रभावित किया था। एसीसी ने आरोप लगाया कि पुतुल ने ऐसा इस तथ्य के बावजूद किया कि ढाका शहर में आरएजेयूके के अधिकार क्षेत्र में उनके और उनके परिवार के सदस्यों के पास एक घर, फ्लैट या आवास है।